



भारतीय सचना प्रौद्योगिकी संस्थान श्री सिटी, चित्तूर

(संसद के अधिनियम के अंतर्गत राष्ट्रीय महत्व का संस्थान)

वार्षिक प्रतिवेदन 2020-21

INTERNATIONAL WOMEN'S DAY 2021
Women: Now Hope for Emerging Bharat
7-8 MARCH 2021

Distinguished Guests

- Shruti Kapoor
- Arina Schmitt
- Dr. S. Saravanan
- U. Sri Devi
- Chandni Choudhary
- Dr. Kalpana Kulkarni
- S. Chinnai



Inauguration of
Gyan Circle Ventures (CIEDI)
MeitY-Funded Technology Business Incubator
ज्ञान सर्किल वेंचर्स (सीआईडीआई)
एमईआईटीवाई-वित्तपोषित टेकनोलोजी बिजनेस इन्क्यूबेटर का उद्घाटन

8 October 2020, 3:00 PM
8 अक्टूबर, 2020, सांय 3:00 बजे

Chief Guest
मुख्य अतिथि

Shri Ramesh Pokhriyal 'Nishank'
Education Minister, Government of India

Indian Institute of Information Technology Sri City, Chittoor
(An Institute of National Importance under Act of Parliament)

UKIERI Virtual Mobility Programme

BRITISH COUNCIL | Edinburgh Napier UNIVERSITY | UKIERI UK-India Education and Research Initiative

Industry partners: EY, SWIGGY, Flipkart

Congratulations

GOOGLE SUMMER OF CODE 2020

HUBHAM BHAGAT, HARSHITHA CHOWDARY THOTA, AJIT JADHAV, SAYAM KUMAR, RAAHUL SINGH, AMAN GUPTA

FICCI-IIIT COORDINATION FORUM & IIIT COUNCIL PRESENTS
REINVENTING NEW AGE EDUCATION AND INDUSTRY LINKAGES-A ROUNDTABLE WITH IIIT DIRECTORS



Future Bright Innovators
A webinar for 11th & 12th Class School Students
Technology Trends in CSE & ECE and Career & Higher Studies Opportunities
Date: May 30, 2020 | Time: 10:30 AM

आईआईआईटी श्री सिटी चित्तूर
वार्षिक प्रतिवेदन 2020–21
(1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक)

विषय-वस्तु

क्रम संख्या	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	निदेशक की रिपोर्ट	4
2	संस्थान के रूप में आईआईआईटीएस	7
2.1	संस्थान के बारे में	7
2.2	लक्ष्य, दृष्टिकोण और उद्देश्य	7
	2.2.1 लक्ष्य	7
	2.2.2 दृष्टिकोण	7
	2.2.3 उद्देश्य	8
2.3	अभिशासन	8
	2.3.1 शासी मंडल(बीओजी)	8
	2.3.2 वित्तीय समिति	17
	2.3.3 भवन एवं कार्य समिति	18
	2.3.4 सीनेट	19
2.4	परिसर और स्थल	21
2.5	अवसंरचना	22
3	प्रवेश	27
3.1	अवर स्नातक प्रवेश नीति	27
3.2	स्नातकोत्तर प्रवेश नीति	28
3.3	पीएच.डी प्रवेश नीति	29
4	शैक्षिक कार्यक्रम	30
4.1	अवरस्नातक	30
4.2	स्नातकोत्तर	34
4.2.1	एआई और एमएल में एम.टेक	34
4.2.2	साईबर सुरक्षा में एम.टेक	36
4.3	पीएच.डी एम.टेक	38
4.4	शैक्षिक निष्पादन	40
5	प्लेसमेंट और इंटरनशिप (ग्रीष्म इंटरनशिप और सेमेस्टर की परियोजनाएं)	43
5.1	ग्रीष्म इंटरनशिप	43
5.2	सेमेस्टर की परियोजना	44
5.3	परिसर प्लेसमेंट	45
6	छात्र विकास गतिविधियां (एसडीसी)	48
7	लोग (मानव संसाधन)	57
7.1	संकाय	57

क्रम संख्या	विवरण	पृष्ठ संख्या
7.2	विजिटिंग संकाय	59
7.3	कर्मचारी	60
7.4	परामर्शदाता	61
8	शोध और विकास	62
8.1	शोध प्रकाशन	62
8.2	सम्मेलन की कार्रवाई/प्रस्तुतियां	62
8.3	जारी प्रायोजित परियोजनाएं	66
8.4	पेटेंट दायर करना	67
9	नवाचार और उद्यमिता विकास	68
10	अन्य गतिविधियां	71
11	वित्त का सार	83

1. निदेशक की रिपोर्ट



हमारी यात्रा आईआईटी हैदराबाद के साथ आईआईआईटी हैदराबाद की योग्य मेंटरशिप के साथ आरंभ हुई। हम सुनिर्मित सहयोग के माध्यम से हमारे सभी शैक्षिक और शोध कार्यक्रमों में उन संस्थानों की सर्वोत्तम पद्धतियों को अपनाना जारी रखे हुए हैं।

हमारे नए परिसर में उच्च गुणवत्तापरक अधिगम को सहायता प्रदान करने के लिए सर्वोत्तम अवसंरचना मौजूद है। भवन के प्रत्येक तल में अत्याधुनिक वातानुकूलित शिक्षण कक्ष, प्रयोगशालाएं और संकाय केबिन एवं छात्र गतिविधि केंद्र को शामिल करते हुए निर्दिष्ट स्थान है। वर्तमान में हमारे छात्रावासों के दो ब्लॉक और एक बड़ी भोजनशाला सुविधा हैं। एक भोजनशाला के साथ दो और छात्रावास ब्लॉकों का निर्माण प्रगतिरत है। इसके अतिरिक्त हमने श्री सिटी शहर में पीएच.डी. और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अपार्टमेंट किराये पर लिए हैं। हमारे उद्योग भागीदार श्री सिटी प्रा. लि. श्री सिटी शहर में 30 देशों की प्रमुख 200 एमएनसी के साथ सबसे बड़े समेकित औद्योगिक टाउनशिप तक पहुंच रखते हैं। हमारे औद्योगिक भागीदार के समर्थन से आईआईआईटी श्री सिटी इन कंपनियों के साथ हमारी सहयोगी परियोजनाओं के संचालन हेतु नियमित संपर्क में हैं जिसमें हमारे छात्रों के नियमित रूप से इन कंपनियों में दौरे किए जाते हैं और वे इंटरशिप की संभावनाओं का लाभ भी उठाते हैं।

हमारा इस विचारधारा में दृढ़ विश्वास है कि अच्छे संकाय छात्रों के शिक्षण में दिशा-निर्देश प्रदान कर सकते हैं और उनके करियर को मूर्तरूप दे सकते हैं। इस प्रकार हमने हमारे संकाय सदस्यों की सावधानीपूर्वक आयोजना एवं भर्ती की है जो कि विश्व में विख्यात संस्थानों के पूर्व छात्र रहे हैं। हमारे सभी संकाय सदस्यों ने आईआईटी/आईआईएससी अथवा विश्व भर के सर्वोच्च विश्वविद्यालयों से पीएच.डी. की है। उल्लेखनीय है कि यह सभी गहन शोध एवं औद्योगिक अनुभव के साथ युवा एवं उत्साही संकाय है। ये संकाय अपने शोध में काफी सक्रिय हैं और महत्वपूर्ण रूप से ये अपने ज्ञान एवं अनुभव को हमारे छात्रों के लिए शैक्षिक अधिगम में परिवर्तित करने योग्य है।

हमारे बी.टेक. कार्यक्रम में ईसीई और सीएसई दोनों छात्रों के लिए समर्पित विषय और पाठ्यक्रम हैं जिन्हें नियमित रूप से उद्योग जगत से प्राप्त निरंतर फीडबैक के आधार पर अद्यतन बनाया जाता है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2019 से हमारे पास एआई एवं मशीन लर्निंग, साइबर सिक्यूरिटी और साइबर फिजिकल सिस्टम में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. कार्यक्रम हैं। इन विशेषज्ञताओं के अंतर्गत कई पाठ्यक्रम कार्यशालाओं सहित औद्योगिक विशेषज्ञों द्वारा पढ़ाए जाते हैं। युजी-शोध का संवर्धन करने के लिए हमारा एक योग्यता आधारित बी.टेक. ऑनर्स कार्यक्रम हैं जिसमें छात्रों 2 वर्ष की अवधि के लिए किसी संकाय अथवा संकायों के समूह के अंतर्गत किसी विशिष्ट क्षेत्र में कार्य कर सकते हैं। वे शोध प्रकाशन अथवा बौद्धिक संपदा अथवा कोई सॉफ्टवेयर/हार्डवेयर प्रस्तुत करते हुए अपनी ऑनर्स डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।

बोर्ड ने पहले 5 वर्षों में संस्थान की उपलब्धियों की सराहना की और प्रो. यू.बी. देसाई (आईआईटी हैदराबाद के निदेशक) मेंटर निदेशक के योगदान की उनकी नेतृत्व के लिए, उद्योग भागीदार-श्री

निवासा राजू, अध्यक्ष, श्री सिटी फाउंडेशन की अत्याधुनिक अवसंरचना के प्रमुख विकास के लिए और निदेशक तथा संकाय तथा आईआईआईटी हैदराबाद की शैक्षिक एवं शोध गतिविधियों के लिए योगदान को दर्ज किया।

परिसर में नियुक्ति, इंटरनशिप, प्रायोजित परियोजनाएं और उद्योग जगत की भागीदारी में हमारी उपलब्धियां इसका साक्ष्य हैं। हमारे छात्रों के पहले तीन बैच ने बहुराष्ट्रीय आईटी कंपनियों में अपने कैरियर आरंभ किए हैं, प्रौद्योगिकीय स्टार्ट-अप सफलतापूर्वक आरंभ किए हैं और कोर ईसीई कंपनियों में भर्तियां प्राप्त की हैं। माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, टीसीएस, आईबीएम, डिलॉयट, स्विगी, ग्राफर कुछ बहुराष्ट्रीय कंपनियां हैं जहां हमारे छात्रों को वर्तमान में नौकरियां प्राप्त हुई हैं। हमारे परिसर में दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है जो हमारे छात्रों की गुणवत्ता और संस्थान में प्राप्त शिक्षा और अभिमुखीकरण को दर्शाता है। हमारे छात्रों की उपलब्धता में वृद्धि देश (तथा विदेश) में गुणवत्तापरक नौकरियों से भी यह प्रदर्शित होता है। हमने हमारे पाठ्यक्रम में छात्रों के लिए ग्रीष्म एवं सेमेस्टर इंटरनशिप (प्री-फाइनल वर्ष के अंत और अंतिम वर्ष के अंत के दौरान) को सुकर बनाया है।

प्रत्येक छात्र को उन चुनौतियों से अवगत कराते हुए जिनका उन्हें प्लेसमेंट में सामना करना होता है, 10 से 15 छात्रों को इम्पेक्ट कार्यक्रम के अंतर्गत किसी संकाय कार्यक्रम के साथ जोड़ा जाता है जिसमें संकाय सदस्य योजना बनाते हैं और अपने छात्रों के लिए लक्ष्य और उपलब्धियां निर्धारित करते हैं तथा उन्हें अवसरों के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। विशेषकर, छात्र अधिक सूचना से अनभिज्ञ होते हैं जो संभावित रूप से छात्र की उसके स्वप्न को साकार करने में सहायता प्रदान कर सकती है, इम्पेक्ट कार्यक्रम छात्रों के लिए संकाय एवं प्रमुख समूह के साथ बैठकों के जरिए सूचना के अंतर को पाटने के लिए एक अवसर प्रदान करता है।

7 वर्ष के थोड़े से समय के भीतर ही संस्थान ने दो शोध केंद्र स्थापित किए हैं – स्मार्ट शहर केंद्र (सीएससी) और एमएचआरडी द्वारा आरंभ किया गया डिजाइन एवं नवाचार केंद्र (डीआईसी)। ये केंद्र विभिन्न विषयों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जैसे कि कंप्यूटर दृष्टिकोण, आंकड़ों का विश्लेषण, आईओटी, मशीन लर्निंग, सौर ऊर्जा, स्मार्ट परिवहन इत्यादि। संस्थान में कई शोध समूह और महत्वपूर्ण रूप से उसमें सरकार की निधियन एजेंसियों जैसे कि इसरो, डीआरडीओ, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) तथा उद्योग जगत जैसे कि एनलॉग डिवाइसेस, एनविडिया, हेला ऑटोमोटिव इत्यादि दोनों के 4+ करोड़ मूल्य की कई प्रायोजित परियोजनाएं हैं। महत्वपूर्ण रूप से आईआईआईटी श्री सिटी जुलाई, 2016 में पूर्णतः वित्त-पोषित एमएस/पीएच.डी. कार्यक्रम पीपीपी मोड में आरंभ करने वाला पहला आईआईआईटी है। वर्तमान में संस्थान में 30+ पूर्णकालीन पीएच.डी. छात्र और शोध फ़ैलो हैं जो विभिन्न प्रायोजित परियोजनाओं पर कार्य कर रहे हैं।

हमने प्रौद्योगिकी स्टार्ट-अप को इंक्यूबेट करने और उनका वित्त-पोषण करने के लिए माइटी (टीआईडीई 2 योजना के अंतर्गत) द्वारा वित्त-पोषित ज्ञान सर्कल वेंचर, एक प्रौद्योगिकी व्यापार इंक्यूबेटर (टीबीआई) की स्थापना की है। हम मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा समर्थित संस्थान नवाचार प्रकोष्ठ के भाग हैं जो छात्रों में सृजनात्मकता और नवाचार को प्रोत्साहित करता है। आईआईआईटी श्री सिटी का ई-प्रकोष्ठ कार्यशालाओं, लेक्चरों और परिसरों के माध्यम से उद्यमिता

विचारों के प्रयासों को आगे बढ़ाने का कार्य करता है।

प्रौद्योगिकी एवं शिक्षण के अतिरिक्त हमारा विश्वास है कि दीर्घकालीन रूप से किसी व्यक्ति की सफलता का निर्णय न केवल तकनीकी कौशल से किया जाता है बल्कि उसके सामाजिक व्यवहार, सॉफ्ट कौशल और दृष्टिकोण से भी किया जाता है। आईआईआईटी श्री सिटी में तकनीकी, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों को शामिल करते हुए 12 से अधिक क्लब हैं, प्रत्येक छात्र को कम से कम प्रत्येक श्रेणी में से एक, न्यूनतम तीन क्लबों का सदस्य बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

हमारे सामाजिक कार्य उल्लेखनीय हैं। हमने उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत नजदीक के पांच गांवों को अपनाया है। हमारे छात्र बालकों, शिक्षित युवाओं, महिलाओं और प्रौढ़ व्यक्तियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए इन गांवों में विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

आईआईआईटी श्री सिटी रणनीतिगत रूप से उद्योग के मध्य परंतु फिर भी एक हरे भरे वातावरण में स्थित है और यह चेन्नई एवं तिरुपति से नजदीक है। आईआईआईटी श्री सिटी का एक रमणीय और शांत वातावरण है परंतु फिर भी यह एक मजबूत सामाजिक ढांचा प्रदान करता है। यह इस बात को सुनिश्चित करता है कि संस्थान चेन्नई में उद्योगों और स्टार्ट-अप इको-सिस्टम, तिरुपति में इलेक्ट्रॉनिक्स स्टार्ट-अप इको-सिस्टम के साथ भलीभांति प्रकार से जुड़ा हुआ है और साथ ही यह सहयोग हेतु अन्य सुज्ञात शैक्षिक संस्थाओं के साथ भी जुड़ा हुआ है।

मुझे विश्वास है कि हम आने वाले वर्षों में हमारे शैक्षिक कार्यक्रमों की गहराई, हमारी शोध परियोजनाओं की दृढ़ता, हमारे संकाय सदस्यों के समर्पण, हमारे व्यावसायिक कर्मचारियों के समर्पण और हमारे छात्रों की उपलब्धियों के कारण बेहतर ऊंचाइयों को हासिल करेंगे। यह सभी आईआईआईटी श्री सिटी में एक उत्साही और आशाजनक यात्रा को इंगित करता है।

आईआईआईटी श्री सिटी के समुदाय की ओर से मैं शासी मंडल के सदस्यों, शिक्षा मंत्रालय, आंध्र प्रदेश सरकार और उद्योग भागीदारों का उनका परिसर के विकास में निरंतर मार्गदर्शन और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करता हूँ।

प्रो. जी. कन्नाबिरन
निदेशक

2. संस्थान के रूप में आईआईआईटीएस

2.1 संस्थान के बारे में

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान श्री सिटी, चित्तूर जिसे आईआईआईटी श्री सिटी के रूप में जाना जाता है, की स्थापना शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी में नए ज्ञान को विकसित करने और सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के लिए वैश्विक मानक के श्रमिक प्रदान करने और ऐसी संस्थाओं के साथ जुड़े अन्य मामलों अथवा उस प्रकार की संस्थाओं की सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से संसद के अधिनियम द्वारा राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में 2013 में की गई थी। इसके भागीदार भारत सरकार, आंध्र प्रदेश सरकार और श्री सिटी फाउंडेशन है। इस योजना के अंतर्गत संस्थान की स्थापना वर्ष 2013 में भारत सरकार (50% योगदान), आंध्र प्रदेश की सरकार (35% भागीदारी) और श्री सिटी फाउंडेशन (15%) भागीदारी के बीच भागीदारी के साथ की गई थी।

वर्ष 2011 में भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) पद्धति से 20 नए भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) की स्थापना की योजना की घोषणा की थी। इस योजना में स्वायत्त, नॉट फॉर प्रोफिट, आत्म निर्भर, शोध संचालित, शैक्षिक संस्थानों की परिकल्पना की गई है जो भारत की अर्थव्यवस्था और उद्योग जगत महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वैश्विक प्रतिस्पर्धा में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इन संस्थानों से चुने गए क्षेत्रों में अनुप्रयुक्त सूचना प्रौद्योगिकी अनुप्रयुक्त शोध एवं शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने की आशा की जाती है। आईआईआईटी श्री सिटी चित्तूर को दिनांक 02 सितंबर, 2013 को सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के अंतर्गत सोसाइटी रजिस्ट्रार के पास पंजीकृत किया गया। तदंतर इसे 09 अगस्त, 2017 को भारत के राजपत्र द्वारा संसद के एक अधिनियम के माध्यम से इसे राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया।

2.2 लक्ष्य, दृष्टिकोण और उद्देश्य

2.2.1 लक्ष्य

आईआईआईटी का लक्ष्य सूचना प्रौद्योगिकी और अन्य संबद्ध इंजीनियरिंग विषयों में ज्ञान के सृजन एवं प्रसार में उत्कृष्टता के उच्च मानक प्राप्त करना है।

2.2.2 दृष्टिकोण

राष्ट्रीय रूप से संगत और अंतर्राष्ट्रीय रूप से मान्यता प्राप्त उद्यमिता संस्थान।

2.2.3 उद्देश्य

- सूचना प्रौद्योगिकी तथा ज्ञान के संबद्ध क्षेत्रों में अग्रणी संस्थानों में से एक बनना
- सूचना प्रौद्योगिकी तथा संबद्ध क्षेत्रों में नए ज्ञान एवं नवाचार को आगे बढ़ाना ताकि राष्ट्र वैश्विक संदर्भ में सशक्त बन सकें;
- सक्षम एवं मजबूत युवा तैयार करना जो देश की ज्ञान आवश्यकताओं को पूरा करने और सूचना प्रौद्योगिकी एवं संबद्ध क्षेत्रों में वैश्विक नेतृत्व प्रदान करने के लिए सामाजिक और पर्यावरणीय अभिमुखीकरण के साथ नवाचार एवं उद्यमिता की भावना से युक्त हो;
- विभिन्न पदों, शैक्षिक मूल्यांकन, प्रशासन और वित्त के लिए प्रवेश, नियुक्ति के मामले में अधिकतम स्तर की पारदर्शिता का संवर्धन करना और उसे प्रदान करना।

2.3 अभिशासन

2.3.1 शासी मंडल (बीओजी)

श्री अमित खरे, आईएएस

सचिव, भारत सरकार, उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय
एमएचआरडी (14.12.2019 से 25.8.2020 तक)

श्री अमित खरे मानव संसाधन विकास मंत्रालय में सचिव, उच्चतर शिक्षा हैं। वे झारखंड काडर के 1985 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं। वह सेंट स्टीफेन कॉलेज से स्नातक और आईआईएम, अहमदाबाद से स्नातकोत्तर हैं। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार दोनों में महत्वपूर्ण पद धारित किए हैं। वह चार जिलों के कलेक्टर/उपायुक्त थे। उनका वित्त तथा शिक्षा के क्षेत्र में काफी लंबा अनुभव है। वह सचिव, राजस्व बोर्ड, बिहार, झारखंड वाणिज्यिक कर आयुक्त और प्रधान सचिव, वित्त एवं आयोजना विभाग, झारखंड थे। उन्होंने राज्यपाल, झारखंड के प्रधान सचिव के रूप में भी कार्य किया है तथा वह रांची विश्वविद्यालय के कुलपति भी थे। श्री अमित खरे ने शिक्षा नीति, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और कॉपीराइट संबंधी कार्य को देखते हुए संयुक्त सचिव, उच्चतर शिक्षा के रूप में केंद्र सरकार में कार्य किया है। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय औषधीय कीमतीकरण प्राधिकरण के सदस्य सचिव के रूप में भी कार्य किया है।



श्री एम बालासुब्रमण्यम

बोर्ड निदेशक और प्रौद्योगिकी लीडर

संस्थापक और सीईओ, स्ट्रेटइन्फिनिटी इंक

अध्यक्ष, आईआईआईटी श्रीसिटी, चित्तूर दिनांक 26 अगस्त, 2020 से

श्री बाला का नीतियां बनाने और उन्हें प्रभावकारी बनाने में सिद्ध विशेषज्ञता और नेतृत्व के साथ प्रौद्योगिकी समर्थित व्यापार परिवर्तन के माध्यम से संगठनकारी क्षमताओं के निर्माण और मूल्यों के सृजन का शानदान ट्रैक रिकार्ड है जिसका उद्देश्य बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं, बीमा, सॉफ्टवेयर विकास, दूरसंचान, उच्च शिक्षा कार्यों में बहुराष्ट्र – वैश्विक क्षमता केन्द्रों का निर्माण और प्रबंधन

करना है और बीएफएसआई तथा उच्च शिक्षा कार्यों के क्षेत्र में सफलतापूर्वक प्रबंधित आमेलन और अर्जन तथा वैश्विक रूप से संयुक्त उद्यमों को तैयार करना है।

उन्हें आईटी उद्योग में दो दशकों का अनुभव है और उन्होंने सिटीबैंक, पोलारिस, डन एंड ब्रैडस्ट्रीट यूएसए, ट्रांसयूनियन यूएसए सहित कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ काम किया है। वे बाला हायर वन इंडिया एनवाईएसई सूचीबद्ध वित्तीय सेवा कंपनी के संस्थापक निदेशक और ब्लैकबोर्ड इंक यूएसए के संस्थापक प्रबंध निदेशक थे, जो दुनिया की सबसे बड़ी शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी है, और दुनिया के 90 देशों में 20000 विश्वविद्यालयों को कवर करते हुए 120 मिलियन छात्रों की सेवा करती है, भारत में आर एंड डी केंद्र का प्रबंधन करती है। एक्सपोज़िशन टेक्नोलॉजी का उपयोग करके उत्पाद विकास के लिए जिम्मेदार बाला ने उच्च शिक्षा के छात्रों, संकाय सदस्यों और विश्व स्तर पर विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के निदेशकों के साथ घनिष्टता से बातचीत की है, छात्रों और संकाय सदस्यों के आकलन के लिए सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन प्रदान करके सफलता की स्थापना की है। वह वैश्विक संगठनों के लिए भारत में प्रौद्योगिकी और उत्पाद इंजीनियरिंग केंद्रों के निर्माण में एक सफल परिवर्तनकारी नेता हैं।

श्री बाला ने सीआईबीआईएल (भारतीय क्रेडिट ब्यूरो) और श्रीलंका, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात— दुबई और नाइजीरिया के क्रेडिट ब्यूरो के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने तमिलनाडु राज्य में कैप्टिव कंपनी के पारिस्थितिकी तंत्र (एमएनसी कंपनियों) के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

वर्तमान में बाला एक वैश्विक परामर्श फर्म स्ट्रैटिजिफिनिटी के संस्थापक और सीईओ हैं जिसका मुख्यालय संयुक्त राज्य अमेरिका में है और इसके कार्यालय लंदन यूके, चेन्नई भारत में हैं। बाला पॉटैक यूके में जनरल पार्टनर और चीफ डिजिटल ऑफिसर भी हैं। बाला चेंज पॉन्ड टेक्नोलॉजीज, एडसिक्स ब्रेन लैब, थिंकइनफिनिटी इंक, यूबिकिटी इंक सहित कुछ आईटी/आईटीईएस/स्टार्टअप कंपनियों के बोर्ड सलाहकार हैं।

उपरोक्त उपलब्धियों के अलावा, बाला ने तमिलनाडु सरकार की प्रौद्योगिकी पहल और तमिलनाडु राज्य में टेक कैप्टिव ग्लोबल कंपनी इको सिस्टम के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्री बाला ने तमिलनाडु पुलिस विभाग की विभिन्न प्रौद्योगिकी पहलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्री बाला ने निम्नलिखित को शामिल करते हुए मानद और सलाहकार भूमिकाओं पर कई असाइनमेंट के संबंध में शिक्षा मंत्रालय और एमईआईटीवाई, भारत सरकार के साथ मिलकर काम किया है:

- 2017–2019 के बीच नासकॉम जीसीसी परिषद के अध्यक्ष और जीसीसी राष्ट्रीय परिषद के सदस्य।
- बाला ने 2015–2017 के बीच टीएन और केरल के लिए नासकॉम जीसीसी परिषद के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया।
- सदस्य सीवाईसीओआरडी – गृह मंत्रालय, भारत सरकार।
- सदस्य अध्ययन बोर्ड, रामानुजम गणित संस्थान, मद्रास विश्वविद्यालय।
- बोर्ड निदेशक, सेंटर फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (सीआईईडीआई), एमईआईटीवाई, भारत सरकार द्वारा।

- बाला मदुरै कामराजर विश्वविद्यालय में सीनेट सदस्य थे, जिन्हें तमिलनाडु के महामहिम राज्यपाल द्वारा नियुक्त किया गया था।
- राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड, एमएसएमई और स्टार्टअप फोरम – भारत।
- राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा और एमसीएचएम की मानव संसाधन समिति के सदस्य (2015–2020)।
- समिति सदस्य, मानव संसाधन, शिक्षा और कौशल विकास, सीआईआई एंड टीएन क्षेत्र (2016–2019)
- जून 2021 में आयोजित एनईटीएफ प्रारंभिक चर्चा मंच का हिस्सा।

मद्रास विश्वविद्यालय से प्रबंधन में स्नातक और स्नातकोत्तर के अलावा, वे आईआईएम-कोलकाता के पूर्व छात्र हैं, टेक्सास विश्वविद्यालय से एआई/एमएल में पीजी धारी और उन्होंने लंदन के इंपीरियल कॉलेज से ग्लोबल मर्जर एंड में कार्यकारी कार्यक्रम भी किया है। उनकी रुचि के क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, ब्लॉक चेन और डेटा एनालिटिक्स सहित सभी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां शामिल हैं और उनकी परिणाम आधारित शिक्षा के लिए मार्ग प्रशस्त करने वाले उद्योग-अकादमिक सहयोग के निर्माण के प्रति गहरी रुची हैं।

रुचि के क्षेत्र: एआई/एमएल, साइबर सुरक्षा, डिजिटल ट्विन, क्वांटम कंप्यूटिंग, डेटा गवर्नेंस, डिजिटल गोपनीयता, एक्सए (सेवा के रूप में सब कुछ) और आईओबी (इंटरनेट ऑफ बिहेवियर)। हैं।

फोकस के क्षेत्र: स्टार्टअप- उद्योग – अकादमिक सहयोग, भारत में नए कैप्टिव सेंटर (आर एंड डी जीसीसी), भारत में उच्च शिक्षा में ओबीई, उद्योग की तैयारी के लिए छात्रों के बीच अपस्किलिंग और रीस्किलिंग, भारत दुनिया का डिजिटल समाज बनने के लिए।

सदस्यगण:



श्री राकेश रंजन
अपर सचिव (तकनीकी शिक्षा)
उच्चतर शिक्षा विभाग, एमएचआरडी
नई दिल्ली

वह आईआईटी कानपुर से यांत्रिक इंजीनियरिंग स्नातक है। उन्होंने 1992 में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) ज्वाइन की। पिछले 25 वर्षों के दौरान उन्होंने 14 से अधिक वर्षों में भारत के कुछ अत्यधिक कठिन क्षेत्रों (त्रिपुरा, झारखंड और मणिपुर राज्यों) तथा भारत सरकार के 05 (पांच) मंत्रालयों/विभागों – रक्षा, विदेश कार्य, संस्कृति, उच्चतर शिक्षा और फार्मासियुटिकल में कार्य किया है।



श्री जे. श्यामला राव,
आईएस सचिव, सरकार
उच्च शिक्षा विभाग, आंध्र
प्रदेश सरकार

श्री जे. श्यामला राव आंध्र प्रदेश सरकार, उच्च शिक्षा विभाग / प्रधान सचिव (एचई) आंध्र प्रदेश सरकार के सचिव हैं। वह 1997 बैच कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं।



श्री श्रीनिवास सी. राजू
अध्यक्ष, श्रीसिटी फाउंडेशन

श्री चिंतालापति श्रीनिवास राजू श्री सिटी के अध्यक्ष हैं जो कि दक्षिण भारत में सबसे बड़ा समेकित व्यापार शहर है।

श्री चिंतालापति श्रीनिवास राजू जिन्हें वृहत रूप से श्रीनि राजू के रूप में जाना जाता है, एक भारतीय उद्यमी और निजी इक्विटी निवेशक हैं। श्रीनि राजू दून एंड ब्राड स्ट्रीट सत्यम सॉफ्टवेयर, 1994 में स्थापित दून एंड ब्राड स्ट्रीट की इनहाउस टेक्नोलॉजी यूनिट जो दून एंड ब्राड स्ट्रीट के व्यापार के लिए बड़े स्तर की आईटी परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करती है, के संस्थापक सीईओ और एमडी है। डीबीएसएस को बाद में कॉग्नीजेंट का नाम दिया गया।

तत्पश्चात् श्रीनिवास पीपल कैपिटल (आईलेक्स वेंचर्स कैपिटल फंड), हैदराबाद तथा चेन्नई में स्थित एक निजी इक्विटी (पीई) फर्म के सह-संस्थापक तथा अध्यक्ष बने। अगली पीढ़ी के उद्यमियों को वित्त-पोषण तथा परामर्श के अतिरिक्त वे उच्च शैक्षिक शिक्षण संस्थाओं के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

श्रीनिवास उठाह स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए से सिविल तथा पर्यावरण इंजीनियरिंग में एमएस तथा आरईसी (एनआईटी), कुरुक्षेत्र से ऑनर्स के साथ सिविल इंजीनियरिंग में बीएस है।

श्रीनिवास शिक्षा और कौशल विकास के प्रति अति समर्पित है। वे अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी), हैदराबाद की शासी परिषद के संस्थापक सदस्य और सदस्य; भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान श्री सिटी के भागीदार (डोनर) तथा शासी मंडल के सदस्य; इंडियन स्कूल ऑफ बिजिनेस (आईएसबी) के एक्जीक्यूटिव बोर्ड सदस्य तथा श्रीनि राजू सेंटर फॉर नेटवर्क इकनॉमी (एसआरआईटीएनई) के बेनीफैक्टर; केआरईए विश्वविद्यालय के सह-प्रायोजक (डोनर) और बोर्ड सदस्य; तथा टी-हब, हैदराबाद के संस्थापक सदस्य एवं बोर्ड सदस्य हैं।



श्री रवींद्र सन्नारेड्डी
प्रबंध निदेशक, श्री सिटी (प्रा.) लिमिटेड

श्री रवींद्र सन्नारेड्डी श्री सिटी के प्रबंध निदेशक हैं जो कि दक्षिण भारत में सबसे बड़ा समेकित व्यापार शहर है। वे लगभग 2 दशकों से हाईटेक उद्यमों के सृजन और अनुरक्षण में रत रहे हैं। आज रवी अवसंरचना विकास एवं अन्य संबद्ध व्यापार में विविध रुचि के साथ एक स्थापित उद्योग-कप्तान है।

रवि एक प्रथम पीढ़ी के युवा उद्यमी की सफलता की कहानी को भी समाहित करते हैं जिनकी जड़े ग्रामीण पृष्ठभूमि की हैं और जिन्होंने थोड़े समय में गहन अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप और आकार में अपने व्यक्तिव एवं अपने व्यापार का विकास किया है।

“माटी के बेटे”के रूप में उनन्होंने समाज को वापस देने और आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्र जहां वे पैदा हुए थे, का उत्थान करने का निर्णय लिया। उन्होंने श्री सिटी के निर्माण में स्थानीय समुदायों में उनकी मजबूत जड़ों के साथ विदेश में रहने और व्यापार करते हुए प्राप्त किए गए गहन अनुभव को समेकित किया, जो कि भारत में नए शहरीवाद का एक अनूठा उदाहरण है। वे अपनी टीम का विश्व की सर्वोत्तम कंपनियों के गंतव्य के रूप में श्री सिटी को अपने लक्ष्य बनाने हेतु नेतृत्व करने में सफल रहे हैं।

वे जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी, बाल्टीमोर, मेरीलैंड, यूएसए से पर्यावरण इंजीनियरिंग में एम.एस.ई. डिग्री तथा उठा स्टेट यूनिवर्सिटी, लोगान, उठा, यूएसए से जल संसाधन प्रबंधन में एम.एस. डिग्री तथा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (पूर्व आरईसी), तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु, भारत सरे सिविल इंजीनियरिंग में बी.एस. डिग्री धारी हैं। वे भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, श्री सिटी के शासी मंडल के सदस्य हैं।



श्री. श्रीनिवास पेदाडा
वरिष्ठ सलाहकार
जनरल अटलांटिक, हैदराबाद

श्रीनिवास पेदाडा जनरल अटलांटिक में एक वरिष्ठ सलाहकार हैं, जो भारत और दक्षिण पूर्व एशिया में प्रौद्योगिकी क्षेत्र में फर्म की निवेश टीमों और पोर्टफोलियो कंपनियों को रणनीतिक समर्थन और सलाह प्रदान करने के लिए आईटी अनुप्रयोगों और बुनियादी ढांचे में 25 से अधिक वर्षों के अनुभव पर आधारित हैं। 2020 में जनरल अटलांटिक में शामिल होने से पहले, श्रीनिवास निम्नलिखित पदों पर थे।

- मुख्य सूचना अधिकारी-भारत वित्तीय समावेशन लिमिटेड 2012-2020:
- मुख्य सूचना अधिकारी-डी एंड बी दक्षिण एशिया, मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका समूह

2007–2012

- मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी, एआईजी (2006 – 2007)
- मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी, जीई फाइनेंस इंडिया रीजन और जीई ग्लोबल सपोर्ट टीम (2005–2006)–प्रौद्योगिकी रणनीति और संचालन का प्रबंधन
- मुख्य वास्तुकार, आईबीएम: 1995 – 2005
- वरिष्ठ प्रणाली विश्लेषक, टीसीएस (1992–1995)



सुश्री शालिनी कपूर
आईबीएम फेलो
मुख्य प्रौद्योगिकी
अधिकारी
(आईबीएम एआई
एप्लीकेशन) बंगलुरु

शालिनी कपूर एआई के संचार को अधिकतम करने के लिए अनुसंधान, रणनीति और विकास को आगे बढ़ाती हैं। वह आईबीएम की एआई बाजार-अग्रणी क्षमताओं का नेतृत्व कर रही है, लगातार, पुनः प्रयोज्य कार्यान्वयन पैटर्न, व्यवसाय परिवर्तन और मूल्य चला रही है, और एआई को व्यावसायिक उपयोगकर्ताओं के लिए सुलभ और उपयोग करने योग्य बना रही है, न कि केवल डेटा वैज्ञानिकों के लिए। वह संज्ञानात्मक अनुप्रयोगों के भीतर और पूरे भारत में एआई कौशल और अपनाने के लिए अभिनव और आकर्षक कार्यक्रमों का नेतृत्व करती है। वह 23 साल के कार्य अनुभव के साथ एक नवप्रवर्तनक और प्रौद्योगिकी रणनीतिकार हैं। उनकी विशेषज्ञता व्यावसायिक अनिवार्यताओं को आगे बढ़ाने के लिए उत्पाद रणनीति विकसित करने, अग्रणी सॉफ्टवेयर उत्पाद विकास और उच्च प्रदर्शन करने वाली वैश्विक टीमों के निर्माण में निहित है। वह उद्योगों में जटिल समाधान विकास में सिद्ध वास्तु कौशल के साथ प्रौद्योगिकी दृष्टि और व्यावसायिक कौशल का एक शक्तिशाली मिश्रण है। वह ग्राहकों की आवश्यकताओं के आधार पर नेक्स्ट-जेन समाधानों को इनक्यूबेट और इनोवेशन करने के लिए व्यापक रूप से जानी जाती हैं।



श्री. भुवन आनंदकृष्णन
निदेशक एवं केंद्र प्रमुख
कैटरपिलर प्रौद्योगिकी केंद्र-भारत, चेन्नई

भुवन आनंदकृष्णन कैटरपिलर इंडिया के भीतर इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी के निदेशक हैं। भुवन ने मद्रास विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री हासिल की और ग्रेट लेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर डिग्री हासिल की। उन्होंने अमेरिका की ब्रैडली यूनिवर्सिटी से मैनेजमेंट डिप्लोमा भी किया है। भुवन को एंबेडेड फर्मवेयर डेवलपमेंट, मशीन एंड इंजन कंट्रोल सिस्टम्स, एचएमआई, टेलीमैटिक्स, ऑटोनॉमी एंड ऑटोमेशन, क्लाउड टेक्नोलॉजीज, एज कंप्यूटिंग और एडवांस्ड एनालिटिक्स के क्षेत्रों में उद्योग का 21 वर्ष का अनुभव है। उन्होंने कैटरपिलर

इंक के भीतर कई तरह की इंजीनियरिंग, रणनीति विकास और नेतृत्व की स्थिति में काम किया है और भारत में इसकी इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टवेयर विकास योग्यता स्थापित करने में एक प्रमुख सदस्य रहे हैं। वे जूह और केरल क्षेत्र में नासकॉम जीसीसी परिषद के अध्यक्ष के रूप में उद्योग नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं।



प्रो. पी.जे. नारायणन

निर्देशक

अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद

पी जे नारायणन आईआईआईटी, हैदराबाद के निदेशक हैं और 3डी विजन, कम्प्यूटेशनल कैमरा और समानांतर कंप्यूटिंग के क्षेत्रों में शोधकर्ता हैं। उन्होंने 1990 के दशक के मध्य में कार्नेगी मेलॉन विश्वविद्यालय में 3डी ज्यामिति और गतिशील घटनाओं की उपस्थिति को पकड़ने के लिए वर्चुअलाइज्ड रियलिटी सिस्टम का निर्माण किया। वह कई कंप्यूटर विजन और सामान्य कंप्यूटिंग कार्यों के लिए ळूक के शुरुआती अपनाने वाले भी थे। उन्होंने आईआईआईटी खड़गपुर से स्नातक (1984), मैरीलैंड विश्वविद्यालय से परास्नातक और पीएचडी (1992), सभी कंप्यूटर विज्ञान में प्राप्त किया। वह 1992 से 1996 तक सीएमयू के रोबोटिक्स संस्थान में एक शोध संकाय सदस्य थे और 1996 से 2000 तक सेंटर फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड रोबोटिक्स, बेंगलूर के विजन और वर्चुअल रियलिटी समूहों का नेतृत्व किया। वह 2000 से आईआईआईटी हैदराबाद के साथ रहे हैं और रहे हैं इसके पीजी समन्वयक, अनुसंधान के डीन, और, 2013 से, निदेशक। वह 2009 से 2014 तक एसीएम इंडिया के अध्यक्ष थे और एसीएम की विभिन्न गतिविधियों जैसे पुरस्कार, प्रौद्योगिकी नीति आदि में शामिल रहे हैं।



प्रो. पार्थ पी. चक्रवर्ती

सीएसई के प्रोफेसर और पूर्व निदेशक

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर

खड़गपुर

पार्थ प्रतिम चक्रवर्ती ने 1985 में बी.टेक और 1988 में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर से पीएचडी पूरी की। वह 1988 में एक संकाय सदस्य के रूप में उसी विभाग में शामिल हुए और वर्तमान में एक वरिष्ठ प्रोफेसर हैं। जुलाई 2013 से वह 30 जून, 2019 तक आईआईटी खड़गपुर के निदेशक थे। वह अत्याधुनिक वीएलएसआई डिजाइन प्रयोगशाला के प्रोफेसर-इन-चार्ज थे, जिसे उन्होंने स्थापित करने में मदद की और प्रायोजित अनुसंधान और औद्योगिक परामर्श के डीन रहे। आईआईटी खड़गपुर में और उन्नत प्रौद्योगिकी विकास केंद्र के प्रमुख। वह इलेक्ट्रॉनिक्स, नियंत्रण और सॉफ्टवेयर पर रणनीतिक जनरल मोटर्स-आईआईटी खड़गपुर सहयोगी अनुसंधान प्रयोगशाला के सह-निदेशक भी थे। उन्होंने निदेशक प्ज पटना और प्ज कल्याणी के रूप में अतिरिक्त प्रभार संभाला। उन्होंने उद्योग और सरकार के साथ मिलकर काम किया है और एमएचआरडी, डीएसटी, सीएसआईआर एनएमआईटीएलआई एमईआईटीवाई डीएचआई आईएनएस, वॉक्सवेगन के साथ कई सौ करोड़ से अधिक की परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

फाउंडेशन, इंटरनेट, सिनोप्सिस, गूगल। नेशनल सेमीकंडक्टर्स, जनरल मोटर्स ऐसे कुछ नाम हैं। वह नेशनल इनिशिएटिव्स जैसे नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया (<https://ndl-iitkgp-ac-in>), ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर एकेडमिक नेटवर्क्स या जीआईएएन (www-gian-iitkgp-ac-in) के आर्किटेक्ट और समग्र समन्वयक हैं। एसपीएआरसी (sparc-iitkgpac-in), इम्प्रिंट आदि भारत के उच्च शिक्षा परिदृश्य में गेम चेंजर के रूप में उभर रहे हैं।



प्रो. के.एन. सत्यनारायण
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति, आंध्र प्रदेश

डॉ. कालीडिंडी एन. सत्यनारायण वर्तमान में आईआईटी तिरुपति, आंध्र प्रदेश के निदेशक हैं। वह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, चेन्नई, भारत में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के भवन प्रौद्योगिकी और निर्माण प्रबंधन प्रभाग में प्रोफेसर रहे हैं। उन्होंने आईआईटी मद्रास से सिविल इंजीनियरिंग में बी.टेक की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने अमेरिका के क्लेम्सन विश्वविद्यालय से निर्माण इंजीनियरिंग और प्रबंधन में विशेषज्ञता के साथ एमएस और पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। वे 1991 से आईआईटी मद्रास में संकाय सदस्य रहे हैं। 2009 में वे लोवा स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए में विजिटिंग प्रोफेसर थे। प्ज मद्रास में उन्होंने सलाहकार – पूर्व छात्र मामले (2004–2009) और अध्यक्ष – इंजीनियरिंग यूनिट (2010–2013) के रूप में कार्य किया। वह वर्तमान में प्ज मद्रास अनुसंधान पार्क – चरण ८ (दस लाख वर्ग फुट की सुविधा) के लिए कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष हैं। उन्होंने प्ज त्रिची, प्ज इंदौर और प्ज जोधपुर सहित नए परिसरों की स्थापना के लिए समितियों में काम किया है। वह अकादमिक सलाहकार समूह, परियोजना प्रबंधन संस्थान (पीएमआई) के अध्यक्ष हैं। ग्लास अकादमी के सलाहकार बोर्ड के उपाध्यक्ष भवन निर्माण सामग्री और संवर्धन परिषद (बीएमटीपीसी) के प्रबंधन बोर्ड में विशेषज्ञ सदस्य, और पांच कंपनी बोर्डों में स्वतंत्र निदेशक के रूप में कार्य करता है।



प्रो जी. कन्नाबिरन
निदेशक, आईआईआईटी श्री सिटी चित्तूर

डॉ. गणेश, कन्नाबिरन, प्रबंधन प्रोफेसर (एचएजी). डॉ. गणेश कन्नाबिरन 25 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुचिरापल्ली में वरिष्ठ प्रबंधन प्रोफेसर हैं। उन्होंने कई वर्षों तक विभाग के प्रमुख के रूप में और संस्थान के स्तर पर शोध एवं परामर्श डीन के रूप में कार्य किया है। उन्होंने जून-नवंबर, 2016 की छोटी सी अवधि के लिए संस्थान के प्रभारी निदेशक के रूप में भी कार्य किया है।

वे राष्ट्रमंडल व्यावसायिक अध्येतावृत्ति (इडनबर्ग नेपियर यूनिवर्सिटी, यूके-2015), दो फुलब्राइट फ़ैलोशिप (एजुकेशन एडमिनिस्ट्रेटर प्रोग्राम-2011, ओकलाहोमा स्टेट यूनिवर्सिटी-2015 में फुलब्राइट विजिटिंग लेक्चरर), तथा ब्रिटिश काउंसिल स्टडी फ़ैलोशिप (हूडर्सफील्ड यूनिवर्सिटी यूके-1997) के प्राप्तकर्ता हैं। उन्होंने उच्च शिक्षा में उत्पादकता के माप संबंधी एशियाई उत्पादकता संगठन द्वारा

समर्थित एक अंतर्राष्ट्रीय शोध अध्ययन के लिए राष्ट्रीय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

उद्यमिता विकास एवं इंक्यूबेशन केंद्र के संस्थापक निदेशक (एनआईटीटी द्वारा संवर्धित खंड 8 कंपनी) के रूप में उन्होंने इंक्यूबेशन सुविधा के सृजन के लिए और बीजक निधियन के जरिए नवाचारी व्यापार उद्यम को सहायता प्रदान करने हेतु सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की 15.5 मिलियन भारतीय रूपए का प्रमुख अनुदान प्राप्त किया। उन्होंने भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से प्रदत्त "उच्च प्रभाव उद्यमिता परिसर पुरस्कार 2015" जीतने में संस्थान का नेतृत्व किया। उन्होंने नवाचारी और उद्यमिता विकास प्रयासों के समर्थन हेतु सोनाटा सॉफ्टवेयर लिमिटेड से 1.2 भारतीय करोड़ रूपए का कारपोरेट निधियन प्राप्त करने में प्रयासों का नेतृत्व किया।

प्रो. जी. कन्नाबिरन

निदेशक और रजिस्ट्रार प्रभारी

(27 अगस्त, 2019 से रजिस्ट्रार प्रभारी के रूप में अतिरिक्त प्रभार)

2.3.2 वित्त समिति

अध्यक्ष

श्री अमित खरे
सचिव,
उच्चतर शिक्षा विभाग,
एमएचआरडी, भारत सरकार
(14.12.2019 से)

श्री एम. बालासुब्रमण्यम
अध्यक्ष, आईआईआईटी श्रीसिटी चित्तूर
26 अगस्त, 2020 से

सदस्य

श्री अनिल कुमार,
निदेशक (वित्त), आईएफडी नुभाग
उच्चतर शिक्षा विभाग (टीएस-1),
शिक्षा मंत्रालय

श्री श्यामला राव, आईएएस
सचिव, सरकार
उच्चतर शिक्षा विभाग,
आंध्र प्रदेश की सरकार

श्री श्रीनिवास सी. राजू
अध्यक्ष,
श्रीसिटी फाउंडेशन

प्रो जी. कन्नाबिरन
निदेशक,
आईआईआईटी श्री सिटी चित्तूर

2.3.3 भवन एवं कार्य समिति

अध्यक्ष

प्रो जी. कन्नाबिरन
निदेशक,
आईआईआईटी श्री सिटी

सदस्य

प्रो. अभिजीत गांगुली – सदस्य
एसोसिएट प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष
सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी तिरुपति
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के नामिति)

राज्य सरकार के प्रतिनिधि – मनोनीत किए जाने वाले सदस्य

श्री श्रीनिवास तल्लाप्रगड़ा
स्वतंत्र परियोजना और सुविधा सलाहकार
(उद्योग भागीदार के नामिति)

प्रो. ए. मेहर प्रसाद – सदस्य
प्रोफेसर
स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी मद्रास

प्रो. मीनाक्षी जैन – सदस्य
निदेशक
योजना और वास्तुकला स्कूल, विजयवाड़ा

डॉ. राजेंद्र प्रसाद – सदस्य
एसोसिएट प्रोफेसर
शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए एशोसिएट प्रोफेसर और संकाय प्रभारी
आईआईआईटी श्रीसिटी चित्तूर

डॉ. ऋषिकेश वेंकटरमन – सदस्य

एसोसिएट प्रोफेसर
अनुसंधान एवं विकास के लिए एशोसिएट प्रोफेसर एवं संकाय प्रभारी
आईआईआईटी श्रीसिटी चित्तूर

रजिस्ट्रार प्रभारी
सचिव
आईआईआईटी श्री सिटी, चित्तूर

2.3.4 सीनेट

अध्यक्ष
पदेन

प्रो. जी. कन्नाबिरन
निदेशक, आईआईआईटी श्री सिटी चित्तूर

प्रो.राजेंद्र प्रसाद
अकादमिक कार्यक्रमों के लिए
एसोसिएट प्रोफेसर और संकाय प्रभारी

प्रो. ऋषिकेश वेंकटरमन
अनुसंधान और विकास के लिए एसोसिएट प्रोफेसर और
संकाय प्रभारी

प्रो. बालाजी रमन
उद्योग एंगेजमेंट(अध्यक्ष, परिसर प्लेसमेंट) और अंतर्राष्ट्रीय संबंध
के लिए प्रभारी संकाय

प्रो. सी. वी. जवाहर
प्रोफेसर और डीन (आर एंड डी), आईआईआईटी हैदराबाद

तीन व्यक्ति
जो ख्यातिप्राप्त शिक्षाविद हों
परंतु संस्थान के कर्मचारी न हों

प्रो.देवेन्द्र जलील
प्रोफेसर (इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स)
आईआईआईटी मद्रास

प्रो. एम बालाकृष्णन
प्रोफेसर, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग और
उप निदेशक, रणनीति और आयोजना, आईआईटी दिल्ली

प्रो. एस. सुदर्शन
सुब्रतो एम नीलेकणि चेयर प्रोफेसर
कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, आईआईटी मुंबई

तीन व्यक्ति

जो शिक्षण कर्मचारी न हों

सीनेट द्वारा उनके
विशिष्ट ज्ञान के लिए
सह नियोजित

प्रो. गार्गी बी दासगुप्ता

निदेशक, आईबीएम रिसर्च इंडिया और सीटीओ, आईबीएम
इंडिया बेंगलुरु

श्री कन्नन बाबू रामिया

प्रधान अभियंता, इंटेल इंडिया बेंगलुरु

श्री श्रीकुमार श्रीधरन

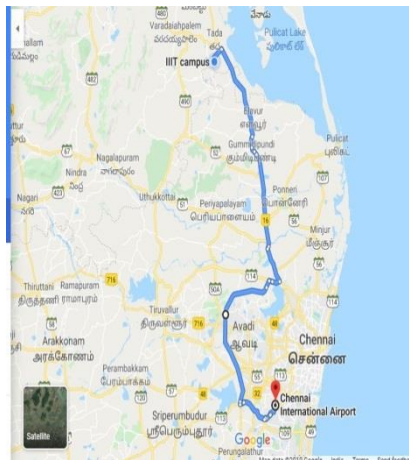
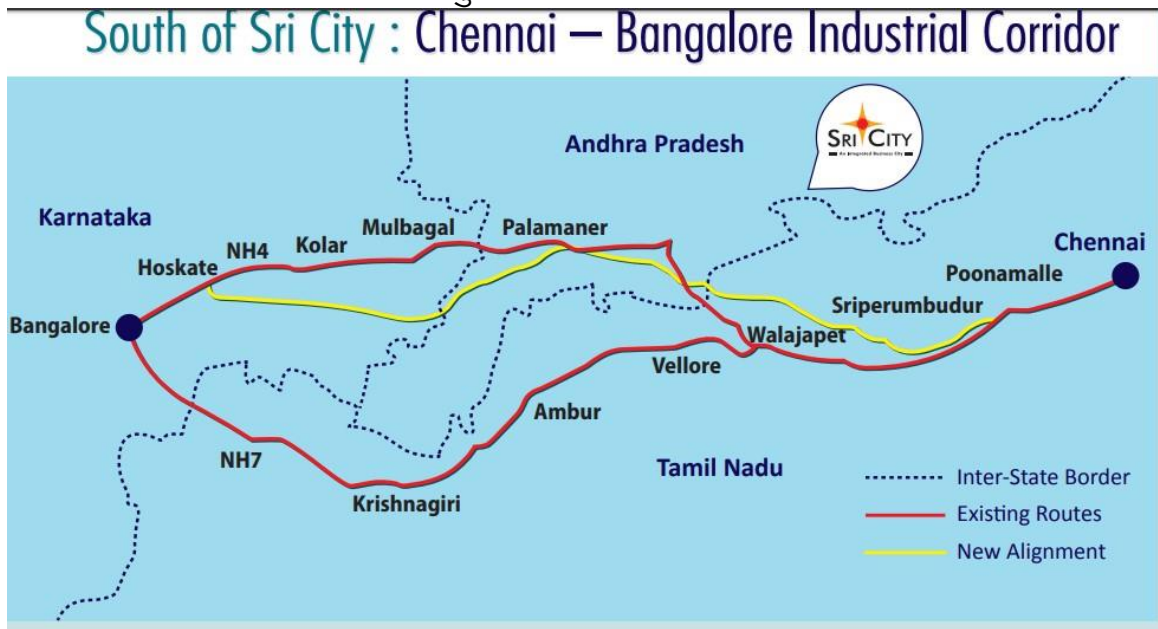
उत्पाद प्रमुख, टीसीएस, चेन्नई

पदेन सचिव

रजिस्ट्रार इंचार्ज

2.4 परिसर और स्थल

परिसर श्री सिटी में 81 एकड़ में फैला और अत्याधुनिक अवसंरचना से सुसज्जित है। सड़क, वायु मार्ग इत्यादि द्वारा बाधारहित कनेक्टिविटी के नेल्लोर राजमार्ग, श्री सिटी पर चेन्नई के 55 किलोमीटर उत्तर में स्थित। (विजिट: <http://www.sricity.in>). आईआईआईटी श्री सिटी कला, उद्योग शहर के दशक पुराने राज्य श्री सिटी में स्थित है जो कि बहु उत्पाद विशेष आर्थिक जोन (एसईजेड), घरेलू टैरिफ जोन (डीटीजेड), फ्री ट्रेड एवं वेयर हाउसिंग जोन (एफटीडब्ल्यूजेड) तथा इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण कलस्टर का शामिल करते हुए 8000 से अधिक एकड़ में फैला है। श्री सिटी में 28 देशों की 180 कंपनियां हैं। संस्थान की उद्योग भागीदार के माध्यम से श्री सिटी में उपलब्ध उद्योगों तथा सामाजिक अवसंरचना तक पहुंच है।



2.5 अवसंरचना

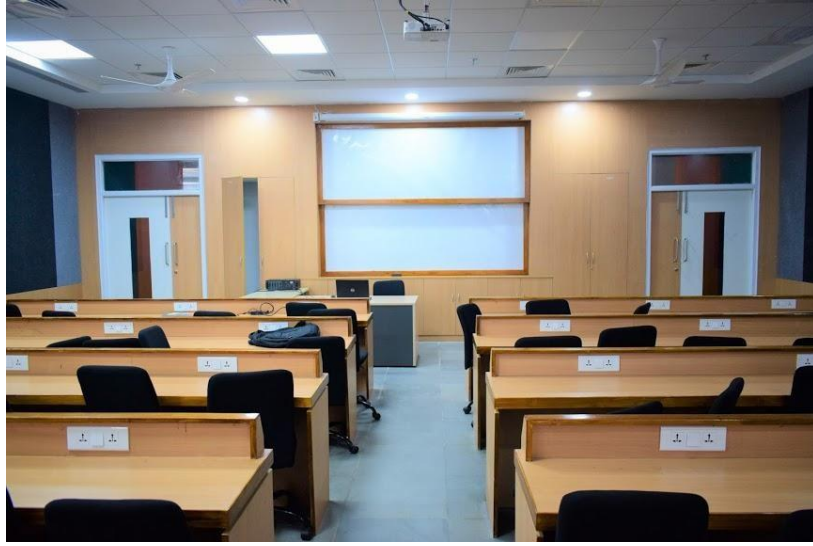
शिक्षण-कक्ष

संस्थान ने शैक्षिक वर्ष 2018-19 से अपने स्वयं के परिसर से कार्य करना आरंभ किया।

शैक्षिक ब्लॉक



शैक्षिक ब्लॉक



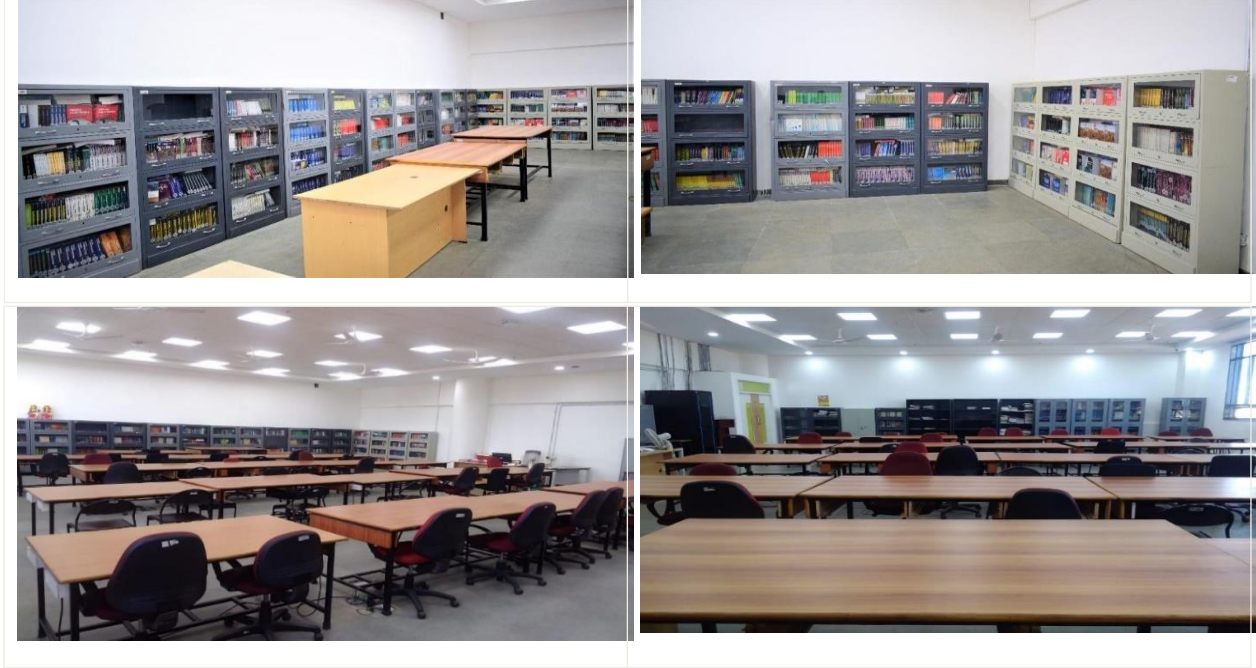
60 सीटों की क्षमता के साथ शिक्षण-कक्ष



120 सीटों की क्षमता के साथ शिक्षण-कक्ष

पुस्तकालय

शैक्षिक वर्ष 2020–21 में आईआईआईटी श्री सिटी के पुस्तकालय के लिए प्रमुख इवेंट। जैसा कि नीचे दिए गए चित्र में दर्शाया गया है कि पुस्तकालय की 50 सीटिंग क्षमता के साथ 1905 वर्ग मीटर का क्षेत्र है। सीएसई, ईसीई, गणित और मानविकी को शामिल करते हुए कुल 3012 पुस्तकों की क्षमता के साथ 23 रैक हैं। यह संख्या पुस्तकों के आकार के आधार पर भिन्न हो सकती है।



कई पाठ्य-पुस्तकों, संदर्भ एवं शोध संबंधित पुस्तकों की खरीद की गई जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है: 2020–21 के दौरान आईआईआईटी श्री सिटी में शैक्षिक ब्लॉक पर व्यय का विवरण

क्र.सं.	विभाग	पुस्तकों की संख्या	लागत रु
1	ईसीई	10	46,356
2	गणित	1	10,744
3	प्रबंधन	267	23,563

प्रयोगशालाएं



125 सीटिंग क्षमता के साथ कंप्यूटर प्रयोगशाला



100 सीटिंग क्षमता के साथ इलेक्ट्रॉनिक प्रयोगशाला

छात्रावास



छात्रावास एवं भोजनशाला सुविधा



भोजनशाला



खेल सुविधाएं

3. प्रवेश

3.1 अवर स्नातक प्रवेश नीति:

आईआईआईटी श्री सिटी सूचना प्रौद्योगिकी पर केंद्रित अवर स्नातक कार्यक्रम प्रदान करता है

- कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में बी.टेक. (सीएसई)
- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग में बी.टेक. (ईसीई)

जेओएसए/सीएसएबी के तहत प्रवेश

आईआईआईटी श्री सिटी प्रवेश अधिनियम के अनुसार केंद्रीय शिक्षा संस्थान आरक्षण का अनुपालन करता है। प्रवेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईईई मैन) पर आधारित होता है। जेईईई मैन की अधिसूचना सितंबर–दिसंबर के दौरान भारत के दैनिक समाचार-पत्रों में प्रकाशित की जाती है और इसका संचालन भारत के विभिन्न केंद्रों में प्रत्येक वर्ष मई माह में किया जाता है। प्रवेश सभी वर्गों, धर्म, जातियों और ट्रांसजेंडर सहित सभी लिंगों के लिए खुला होता है। सीएसई और सीएससी कार्यक्रमों में बी.टेक. प्रवेश जेओएसए/सीएसएबी के माध्यम से दिया जाता है।

जेईईई मैन्स में वरीयता रैंकिंग के आधार पर संयुक्त सीट आबंटन प्राधिकरण (जेओएसए) अथवा केंद्रीय सीट आबंटन बोर्ड (सीएसएबी) अभ्यर्थियों को उनकी रुचि के संस्थान को चुनने हेतु एक ऑनलाइन काउंसलिंग सत्र के लिए आमंत्रित करते हैं। जेओएसए तथा सीएसएबी सीट आबंटन प्रक्रिया की घोषणा करते हैं तथा आईआईआईटी श्री सिटी छात्रों के सीट आबंटन में कोई भूमिका नहीं निभाता है। आईआईआईटी श्री सिटी में प्रवेश के लिए योग्यता ही एक मात्र मापदंड है। प्रवेश प्रक्रिया संबंधी आगे विवरण के लिए कृपया वेबसाइट www.josaa.nic.in देखें।

313 छात्रों को सीएसएबी/जेओएसए के माध्यम से सीएसई और ईसीई में 4 वर्षीय बी.टेक. कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया है

डीएसए के अंतर्गत प्रवेश और भारतीय कार्यक्रम में अध्ययन:

संस्थान ने डीएसए के माध्यम से विदेशी छात्रों के प्रवेश और भारतीय कार्यक्रम में अध्ययन के लिए 2020–21 से आरंभ करते हुए कदम उठाए हैं। गैर-सार्क श्रेणी के अंतर्गत डीएसए के लिए अधिकतम 15% सीटें देने का प्रस्ताव है। भारत में अध्ययन कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान सीएसई और ईसीई कार्यक्रमों में अधिकतम 40 छात्रों के अधीन छात्रों के 20% के लिए 25% फीस छूट प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त, भारत में अध्ययन और यूके एजुकेशन एंड रिसर्च इनोवेशन पार्टनरशिप (यूकेआईआईआरआई) के भाग के रूप में आईआईआईटी श्री सिटी यूके से विशिष्ट विश्वविद्यालयों के छात्रों को आईआईआईटी श्री सिटी में न्यूनतम दो सप्ताह से छः माह के लिए स्थान देगा। अधिक

2 छात्रों को डीएसए के माध्यम से सीएसई और ईसीई में 4 वर्षीय बी.टेक. कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया।

ब्यौरे के लिए देखे डीएसए की वेबसाइट www.dasanit.org
अधिक ब्यौरे के लिए देखे <http://www.studyinindia.gov.in/>

3.2 स्नातकोत्तर प्रवेश नीति:

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग और साइबर सुरक्षा के बढ़ते हुए महत्व को स्वीकार करते हुए, संस्थान की सीनेट में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी दूरदर्शी अर्थात् प्रो. सीवी. जवाहर, प्रोफेसर, आईआईटी हैदराबाद, प्रोफेसर देवेन्द्र जलिहाल, प्रोफेसर, आईआईटी मद्रास, प्रोफेसर एम. बालकृष्णन, प्रोफेसर, आईआईटी दिल्ली, प्रोफेसर, एस. सुदर्शन, प्रोफेसर, आईआईटी बॉम्बे, डॉ. गार्गी बी दासगुप्ता, निदेशक, आईबीएम, श्री कन्नन बाबू रमिया, प्रिंसिपल इंजीनियर, इंटेल और श्री कुमार श्रीधरन, उत्पाद प्रमुख, टीसीएस ने परिणाम-उन्मुखी पाठ्यक्रम पर जोर देने के साथ उद्योग-अनुरूप दो साल के एम.टेक कार्यक्रमों को संरचित और अनुमोदित किया है। वर्तमान में, आईआईआईटी श्री सिटी दो विशेष स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है

- . आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में एम.टेक
- . साइबर सुरक्षा में एम.टेक

संस्थान गेट योग्य उम्मीदवारों को सीसीएमटी और गैर-गेट उम्मीदवारों के माध्यम से संस्थान स्तर की चयन प्रक्रिया के माध्यम से प्रवेश प्रदान करता है। प्रत्येक कार्यक्रम के लिए, पंद्रह सीटें सीसीएमटी के माध्यम से और पंद्रह सीटें संस्थान चयन प्रक्रिया के माध्यम से उपलब्ध हैं। संस्थान भारत सरकार के नियमों के अनुसार आरक्षण नीति का पालन करता है।

गेट उत्तीर्ण उम्मीदवार के लिए सीसीएमटी के माध्यम से प्रवेश:

गेट उम्मीदवारों के साथ बी.टेक/बी.ई. सीएसई/ईसीई/समकक्ष शाखाओं में एम.टेक (सीसीएमटी) 2022 पोर्टल के लिए केंद्रीकृत परामर्श के माध्यम से प्रवेश के लिए आवेदन करने के लिए पात्र हैं। गेट श्रेणी में, उम्मीदवारों के पास वैध गेट स्कोर होना चाहिए और उम्मीदवारों को प्रवेश के लिए सीसीएमटी की प्रक्रियाओं का पालन करना होगा। गेट उम्मीदवारों के लिए पात्रता मानदंड सीसीएमटी नियमों द्वारा शासित होंगे। प्रवेश प्रक्रिया के बारे में अधिक जानकारी यहां उपलब्ध है: <http://ccmt-admissions-nic-in/>

गैर-गेट उम्मीदवारों के लिए संस्थान स्तरीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से प्रवेश:

गैर-गेट उम्मीदवार बी-टेक/बीई-सीएसई/ईसीई/समकक्ष शाखाओं में संस्थान प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से प्रवेश के लिए आवेदन करने के लिए पात्र हैं। क्वालीफाइंग डिग्री में, उम्मीदवारों को कम से कम 6.5 सीजीपीए (10-पॉइंट स्केल पर) या जनरल/जनरल-ईडब्ल्यूएस/ओबीसी के लिए 60% के साथ पास होना चाहिए, जबकि एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी उम्मीदवारों के मामले में 6.0 सीजीपीए (10-पॉइंट स्केल पर) या 55% होना चाहिए।

सीएफटीआई संस्थानों से स्नातक डिग्री वाले गैर-गेट उम्मीदवारों की उनके पिछले शैक्षणिक रिकॉर्ड के आधार पर जांच की जाएगी और उनके पास कम से कम 8.0 सीजीपीए होना चाहिए। स्क्रीन किए गए उम्मीदवारों को आईआईआईटी श्री सिटी में एक कोडिंग टेस्ट और एक साक्षात्कार देना होगा। गैर-गेट सामान्य उम्मीदवारों (<8.0 सीजीपीए के साथ गैर-सीएफटीआई या सीएफटीआई) की उनके पिछले शैक्षणिक रिकॉर्ड के आधार पर जांच की जाएगी। स्क्रीन किए गए उम्मीदवारों को आईआईआईटी श्री सिटी में एक लिखित परीक्षा देनी होगी। परीक्षा का पाठ्यक्रम गेट के समकक्ष है। परीक्षण के परिणाम का उपयोग दूसरी स्क्रीनिंग करने के लिए किया जाएगा। दूसरी स्क्रीनिंग पास करने वालों को आईआईआईटी श्री सिटी में एक कोडिंग टेस्ट और एक साक्षात्कार देना होगा। कार्य अनुभव वाले उम्मीदवारों को चयन प्रक्रिया में अतिरिक्त वेटेज दिया जाएगा।

संस्थान की चयन प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत पात्रता मानदंड और जानकारी यहां उपलब्ध है:

<https://www.iits.ac.in/admissions/m-tech-programme/>

3.3 पीएचडी प्रवेश नीति:

डॉक्टरेट कार्यक्रम, जिनमें पी.एचडी की डिग्री प्रदान की जाती है, संस्थान की निम्नलिखित शाखाओं में पेश किए जाते हैं:

- i) कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग
- ii) इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग

आईआईआईटी श्रीविटी में पीएचडी के लिए पंजीकरण के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए पंजीकरण की 2 श्रेणियों का प्रावधान है, जो पूर्णकालिक आधार पर अनुसंधान अध्ययन के इच्छुक हैं, वे **पूर्ण-कालीन पी.एचडी** का विकल्प चुन सकते हैं और सरकारी आरएंडडी संगठनों के कार्यरत व्यावसायिक/आईटी कमी **अंशकालीन पी.एचडी** का विकल्प चुन सकते हैं। पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश वर्ष में दो बार मानसून और वसंत के दौरान किया जाता है।

सीएसई/ईसीई में पूर्णकालीन पीएचडी

एम.ई./एम.टेक/एमएस अथवा समकक्ष डिग्री अथवा इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी की किसी भी शाखा में समकक्ष डिग्री के साथ अच्छे अकादमिक रिकॉर्ड वाले उम्मीदवार (या) कम्प्यूटर एप्लीकोन/इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान/कम्प्यूटर विज्ञान/सूचना प्रौद्योगिकी (अथवा गणित और प्रोग्रामिंग में मजबूत पृष्ठभूमि के साथ किसी संबद्ध क्षेत्र) अथवा किसी अन्य संबंधित विषय में सांख्यिकी/गणति में स्नातकोत्तर (अथवा) वे आपवादिक उम्मीदवार जिन्होंने 9.0 अथवा उससे उपर के सीजीपीए के साथ बी.ई./बी.टेक किया हो और शोध दस्तावेज के माध्यम से शोध क्षमता प्रदर्शित की हो। आईपी और समान शोध परिणामों पर भी विचार किया जा सकता है।

सीएसई/ईसीई में अंशकालीन पीएचडी

रोजगार सहित आईटी उद्योग/एमएनसी से गहन तकनीकी पृष्ठभूमि वाले आईटी व्यावसाहिक तथा जिनका भारत में आवासीय आधार है अथवा डीआरडीओ, इसरो इत्यादि जैसी भारतीय शोध प्रयोगशालाओं में कार्यरत वैज्ञानिक आवेदन के पात्र होते हैं। इसके अतिरिक्त, उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से कोई एक मापदंड पूरा करना होगा: लागू क्षेत्र में न्यूनतमक प्रथम श्रेणी स्नातकोत्तर डिग्री अथवा लागू क्षेत्र में बी.ई./बी.टेक वाले आपवादिक उम्मीदवार आवेदन के पात्र होते हैं। दोनों मामलों में स्नातकोत्तर डिग्री एवं प्रख्यात एमएनसी में 2 वर्ष का दस्तावेजों सहित अनुभव अथवा प्रख्यात एमएनसी में 5 वर्ष के दस्तावेज सहित औद्योगिक अनुभव सहित स्नातक डिग्री वाले उम्मीदवार आवेदन के पात्र होंगे।

प्रवेश प्रक्रिया

- न्यूनतमक पात्रता मापदंडों को पूरा करना
- वे उम्मीदवार, जिनकी पी.एचडी प्रवेश समिति द्वारा सिफारिश की गयी हो, को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।
- लिखित परीक्षा प्रदर्शन के आधार पर छांटे गए उम्मीदवारों को पी.एचडी प्रवेश साक्षात्कार पैनल के समक्ष उपस्थित होने की आवश्यकता होती है।

पी.एचडी कार्यक्रमों में चयन वरीयता के आधार पर दिया जाएगा। प्रत्येक श्रेणी (संस्थान की छात्रवृत्तियां, उद्योग जगत के काम्रिक) में सभी उम्मीदवारों के लिए वरीयता सूची लिखित परीक्षा, साक्षात्कार, यूजी/पीजी में अंकों, अनुभव और प्रकाशनों में संचयी अंकों के आधार पर होगी। पृष्ठभूमि अनुभव को देखते हुए, साक्षात्कार और अन्य घटकों (जैसे कि शैक्षिक योग्यता, शोध प्रकाशन/पेटेंट, कार्य अनुभव इत्यादि) के लिए अधिक वेटेज दी सकती है।

4. शैक्षणिक कार्यक्रम

4.1 अवर स्नातक

अवर स्नातक पाठ्यचर्या

आईआईआईटी श्री सिटी, चित्तूर को प्रथम छः वर्षों में आईआईआईटी हैदराबाद द्वारा परामर्श दिया गया। आईआईआईटी श्री सिटी में पाठ्यचर्या एक प्रयोग-थ्योरी-प्रैक्टिस दृष्टिकोण का अनुपालन किया जाता है जिसमें छात्रों को पहले प्रयोगात्मक प्रशिक्षण प्रदान करते हुए वास्तविक जगत के इंजीनियरिंग दृष्टिकोण से अवगत कराया जाता है। इसके पश्चात् कठोर थ्योरी आधारित पाठ्यक्रम प्रदान किए जाते हैं जिनके बाद वास्तविक जगत की परियोजनाओं के साथ प्रायोगिक पाठ्यक्रम पुनः प्रदान किए जाते हैं जिनमें प्रत्येक छात्र की गहन भागीदारी आवश्यक होती है। पाठ्यचर्या, आईआईआईटी हैदराबाद, आईआईटी और विश्व की उच्च शिक्षण प्रमुख

संस्थाओं में सर्वोत्तम पद्धतियों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जाता है। संस्थान सर्वोत्तम कक्षा शिक्षा को प्रमुख शोध के साथ समेकित करता है जिससे अवर स्नातक छात्र दूसरे वर्ष के अंत से आरंभ करते हुए विभिन्न शोध एवं प्रौद्योगिकी विकास परियोजनाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित होते हैं। उल्लेखनीय रूप से पाठ्यचर्या ऑनर्स कार्यक्रम की लोचशीलता प्रदान करती है जिसमें छात्र 2 वर्ष की अवधि के लिए विशिष्ट क्षेत्र में कार्य करते हुए तथा अपनी रुचि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव प्राप्त करते हुए अपने कौशल को निखार सकते हैं। साइबर सिक्योरिटी, साइबर फिजिकल सिस्टम, स्मार्ट मैनुफैक्चरिंग, एआई तथा मशीन लर्निंग, फिनटेक, बायो-इंफॉरमेटिक्स, ब्लॉकचैन इत्यादि जैसे क्षेत्रों में माइनर प्रदान करने का प्रस्ताव है। इसके अतिरिक्त, पाठ्यचर्या के भाग के रूप में किसी उद्योग अथवा प्रख्यात शोध प्रयोगशाला में एक सेमेस्टर के प्रोजेक्ट प्रदान करने का प्रस्ताव है।

विशेषज्ञता के साथ अवर स्नातक

आईआईआईटी श्री सिटी में पात्र छात्र अतिरिक्त क्रेडिट करते हुए और सेमेस्टर की इंटरशिप परियोजनाओं द्वारा एआई तथा एमएल, साइबर सुरक्षा और साइबर फिजिकल सिस्टम में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. कर सकते हैं।

एआई एमएल में विशेषज्ञता

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस हाल के समय में शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा, सूचना, विजुअल समझ, प्रभावी परिवहन, लोगों के लिए ई-गवर्नेंस सेवाओं में अधिक सक्षमता सहित जटिल सामाजिक समस्याओं को हल करने की संभावित योग्यता के साथ उभरा है। कई राष्ट्रों ने राष्ट्रीय प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया है। भारत सरकार ने भी भारत में एआई की भूमिका के संबंध में व्यापक विचार-विमर्श आरंभ किए हैं। नीति आयोग ने भारत सरकार को समर्पित एआई योजना का सुझाव दिया है। इसके अतिरिक्त, सर्वोच्च सूचना प्रौद्योगिकी उद्योगों जैसे कि गूगल, अमेजन, आईबीएम, माइक्रोसॉफ्ट इत्यादि ने एआई आधारित शोध एवं विकास में हाल के दिनों में बड़ा निवेश किया है। कई स्टार्ट-अप भी विश्व भर में एआई में उभर कर सामने आ रहे हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी में राष्ट्रीय महत्व का संस्थान होने के नाते आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं मशीन लर्निंग में विशिष्ट बी.टेक. कार्यक्रम आईआईआईटी श्रीसिटी के इको सिस्टम में और अधिक तेजी लाएगा तथा अत्यधिक कुशल श्रमिक तैयार करेगा। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं मशीन लर्निंग में बी.टेक. का उद्देश्य उद्योग की तात्कालिक आवश्यकताओं को पूरा करना और समाज के लिए अत्यधिक सक्षम एआई वैज्ञानिक और इंजीनियर तैयार करना है। इस विशिष्ट कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के वरीयता क्षेत्रों में कड़ा प्रशिक्षण प्रदान करते हुए स्नातक तैयार करना है। एआई तथा एमएल में विशिष्टता के साथ बी.टेक. छात्रों को इस प्रकार से सुदृढ़ करेगा कि वे एआई विश्व नेता बन सकें और बेहतर तरीके से भारत के भविष्य को आकार दे सकें।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग (एआई तथा एमएल) की नौकरियों और शोध के एक सर्वोच्च क्षेत्र के रूप में पहचान की गई है। इस क्षेत्र में सीएसई में बी.टेक. कार्यक्रम की तुलना में अधिक नौकरियां होंगी। हमारे संस्थान ने एआई और एमएल ज्ञान और कौशल के साथ इंजीनियरों की मांग को पूरा करने के लिए छात्रों की तैयारी हेतु एआई तथा एमएल में विशेषज्ञता हेतु कई प्रयास किए हैं। इस प्रकार चालू अंतिम वर्ष छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग में विशेषज्ञता का विकल्प चुनने की सलाह दी जाती है। यह किसी अच्छी कंपनी में नौकरी प्राप्त करने और शानदार वेतन के आपके विकल्पों को अधिकतम बनाएगा।

सीएसई में प्लेन बी.टेक. डिग्री के लिए चालू अंतिम वर्ष के छात्रों को 156 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे। ऑनर्स के साथ बी.टेक. के लिए छात्रों को 164 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे।

इसके अतिरिक्त, छात्र एआई और एमएल में विशेषज्ञता के भाग के रूप में प्रदान किए जाने वाले प्रयोग अभिमुखी लर्निंग पाठ्यक्रमों को चुन सकते हैं:

- क) डीप लर्निंग
- ख) रिइन्फोर्समेंट लर्निंग
- ग) एआई और एमएल के उद्योग प्रयोग
- घ) सेमेस्टर लंबी परियोजना

मद क) – ग) में प्रत्येक में 4 क्रेडिट हैं और इसमें उद्योग तथा शिक्षा जगत से विशेषज्ञों द्वारा शिक्षण शामिल हैं। सेमेस्टर लंबी परियोजनाओं में 8 क्रेडिट हैं और ये कार्य उन उद्योगों में किया जाएगा जिनमें एआई और एमएल शामिल होते हैं। इस प्रकार कुल मिलाकर एआई और एमएल विशेषज्ञता का विकल्प चुनने वाले छात्र को एआई और एमएल में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. डिग्री प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त 20 क्रेडिट लेने होंगे।

साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता

वर्तमान में साइबर सुरक्षा में उपलब्ध नौकरियां आने वाले वर्षों में आईटी नौकरियों से काफी अधिक हो जाएंगी। संदर्भ यह है कि साइबर सुरक्षा व्यावसायिकों की मांग काफी बढ़ रही है और कंपनियां यह मानती हैं कि साइबर सुरक्षा प्रोफाइल वाले लोगों की कमी है। वास्तव में, नास्कोम ने 2025 से पहले एक मिलियन साइबर सुरक्षा नौकरियां सृजित करने का आवाह्न किया है (मांग को पूरा करने के लिए) और यह सब आने वाले वर्षों में स्नातक होने वाले छात्रों के लिए विश्वविद्यालय में ये विशेषज्ञता पैदा करने की आवश्यकता को दर्शाता है। ऐसे अवसरों की उपस्थिति में हमारा ध्यान साइबर सुरक्षा में विशिष्ट स्नातकोत्तर कार्यक्रम के माध्यम से साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता तैयार करने पर केंद्रित है।

साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. का उद्देश्य नेटवर्क और डाटा सुरक्षा के क्षेत्र में

अत्यधिक कुशल श्रमिकों की आवश्यकताओं को पूरा करना है। आईआईआईटी श्री सिटी समुदाय ऐसे विभिन्न सर्वोच्च उद्योगों के साथ जुड़ा है जो सूचना सुरक्षा के क्षेत्रों में कार्य करते हैं। प्रस्तावित विशेषज्ञता में संबंधित क्षेत्र में कुछ प्रोन्नत इलेक्टिव और सूचना सुरक्षा के विविध पाठ्यक्रम शामिल होंगे।

सीएसई में एक प्लेन बी.टेक. डिग्री के लिए अंतिम वर्ष के छात्र को 156 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे। ऑनर्स के साथ बी.टेक. के लिए छात्र को 164 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे।

इसके अतिरिक्त, साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता के भाग के रूप में छात्र प्रयोग अभिमुखी शिक्षण के साथ प्रदान किए जाने वाले विभिन्न निम्नलिखित पाठ्यक्रमों का विकल्प चुन सकते हैं:

- क) साइबर सुरक्षा की पहचान
- ख) नेटवर्क और डाटा सुरक्षा
- ग) अनप्रयुक्त क्रिप्टोग्राफी
- घ) सेमेस्टर लंबी परियोजना

मद क) – ग) में प्रत्येक में 4 क्रेडिट हैं और इसमें उद्योग तथा शिक्षा जगत से विशेषज्ञों द्वारा शिक्षण शामिल हैं। सेमेस्टर लंबी परियोजनाओं में 8 क्रेडिट हैं और ये कार्य उन उद्योगों में किया जाएगा जिनमें साइबर सुरक्षा शामिल होती हैं। इस प्रकार कुल मिलाकर साइबर सुरक्षा विशेषज्ञता का विकल्प चुनने वाले छात्र को साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. डिग्री प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त 20 क्रेडिट लेने होंगे।

साइबर फिजिकल सिस्टम में विशेषज्ञता

सीपीएस फिजिकल प्रक्रिया, वॉयरलेस नेटवर्किंग और गहन कंप्यूटिंग का मिश्रण है। फिजिकल प्रक्रिया की विविध सेंसर्स द्वारा निगरानी की जाती है और तत्पश्चात् इसे स्वचालित फीडबैक आधारित एम्बेडेड नियंत्रण प्रणाली तैयार करने के लिए नेटवर्किंग के माध्यम से संचालित किया जाता है। स्वचालित/स्मार्ट प्रणालियां डाटा विश्लेषण, मशीन लर्निंग और पैटर्न पहचान प्रौद्योगिकियों के माध्यम से डाटा बिंदुओं के साथ ली गई हैं।

पिछले 3–5 वर्षों में इस क्षेत्र में कार्य करने और प्रौद्योगिकीय अवसर प्रदान करने वाली कंपनियों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हुई है। इस संबंध में विनिर्माण तथा इलेक्ट्रॉनिक आधारित उद्योगों में बड़ी संख्या में प्रयोगों को देखते हुए आईआईआईटी श्री सिटी सीपीएस में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. कार्यक्रम प्रदान करता है। आईआईआईटी श्री सिटी भारत में और कुछ विश्वविद्यालयों में पहला आईआईआईटी है जिसने बी.टेक. के छात्रों के लिए यह विशेषज्ञता प्रदान की है। यह एक अंतर-विषयक कार्यक्रम है जो छात्रों को आवश्यक प्रौद्योगिकीय कौशल-सेटों की अगली आवश्यकता के लिए प्रशिक्षित और तैयार करेगा।

सीपीएस विशेषज्ञता के साथ ईसीई में बी.टेक. के लिए छात्र को अतिरिक्त 20 क्रेडिट करने होंगे। इसमें 3 अतिरिक्त 4-क्रेडिट पाठ्यक्रम सेमेस्टर लंबी इंटर्नशिप शामिल होंगी। सीपीएस विशेषज्ञता के लिए पाठ्यक्रम में प्रयोग अभिमुखी शिक्षण शामिल होगा:

1. माइक्रो-सेंसर और एक्चुएटर (एमएसए)
2. सीपीएस की पहचान
3. सीपीएस में एआईएमएल के प्रयोग

उद्योग में की जाने वाली सेमेस्टर इंटर्नशिप 8-क्रेडिट की है जिसमें सीपीएस के विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं।

आगे, संस्थान का उद्देश्य स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए सीपीएस/आईआईओटी प्रयोगशाला की स्थापना करना है जिसमें हम श्री सिटी में हाई-टेक विनिर्माण उद्योगों के साथ सहयोग करेंगे।

ऑनर्स कार्यक्रम के माध्यम से यूजी रिसर्च पर फोकस

यूजी-रिसर्च के संवर्धन के उद्देश्य से हमारा एक अन्नय ऑनर्स कार्यक्रम है जिसमें छात्र 4 सेमेस्टर की अवधि के लिए किसी संकाय अथवा संकाय के समूह के अंतर्गत किसी विशेष क्षेत्र में कार्य कर सकते हैं। वे शोध प्रकाशन अथवा बौद्धिक संपदा अथवा सॉफ्टवेयर अथवा हार्डवेयर उत्पाद प्रस्तुत करते हुए अपनी ऑनर्स डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।

4.2 स्नातकोत्तर

आईआईटी श्रीसिटी i) आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग (एआई एवं एमएल), एवं ii) सायबर सुरक्षा में द्विवर्षीय विशिष्ट एम.टेक डिग्री प्रदान करता है।

4.2.1 एआई एवं एमएल में एम.टेक

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के बढ़ते महत्व को स्वीकार करते हुए, संस्थान की सीनेट में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी एवं दूरदर्शी प्रो. सी.वी. जवाहर, प्रोफेसर आईआईटी हैदराबाद; प्रो. देवेन्द्र जलिहाल, प्रोफेसर आईआईटी मद्रास; प्रो. एम. बालकृष्णन, प्रोफेसर, आईआईटी दिल्ली; प्रो. एस. सुदर्शन, प्रोफेसर, आईआईटी बॉम्बे; डॉ. गार्गी बी दासगुप्ता, निदेशक, आईबीएम; श्री कन्नन बाबू रामिया, प्रधान अभियंता, इंटेल और श्री श्रीकुमार श्रीधरन, उत्पाद प्रमुख, टीसीएस ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में उद्योग के अनुरूप द्विवर्षीय एम.टेक कार्यक्रम को संरचित और अनुमोदित किया है, जिसमें परिणाम-उन्मुखी पाठ्यक्रम पर जोर दिया गया है। कार्यक्रम का पहला सेमेस्टर मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं नॉलेज रिप्रेजेंटेशन, एडवांस्ड डेटा स्ट्रक्चर्स एवं एल्गोरिदम, मैथमैटिकल फाउंडेशन और एआई एंड एथिक्स जैसे मूलभूत पाठ्यक्रम प्रदान करता है। छात्रों को प्रथम सेमेस्टर से ही संकायों

द्वारा व्यक्तिगत रूप से सलाह दी जाएगी और औद्योगिक इंटरनशिप लेने या संस्थान के संकायों के साथ प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं पर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। कार्यक्रम का दूसरा सेमेस्टर डीप लर्निंग और डेटा एनालिटिक्स और विजुअलाइजेशन के दो मुख्य पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, कंप्यूटर विज्ञान, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, सूचना पुनर्प्राप्ति, डेटा खनन, रोबोटिक्स, संभाव्य ग्राफिकल मॉडल, बिग डेटा एनालिटिक्स, सुदृढीकरण लर्निंग एवं उन्नत अनुकूलन जैसे एआई और एमएल से संबद्ध क्षेत्रों में गहरी समझ और अनुसंधान की सुविधा के लिए कई ऐच्छिक विषय भी पेश किए गए हैं। छात्रों को कार्यक्रम के अंतिम दो सेमेस्टर के दौरान उद्योग से जुड़ने और उद्योग प्रथाओं हेतु प्रभावी अभिविन्यास की सुविधा के लिए वर्ष भर की औद्योगिक परियोजनाओं को लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

एम.टेक एआई एवं एमएल पाठ्यचर्या

एमटेक कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में कुल 64 क्रेडिट शामिल हैं, जो स्नातक करने के लिए आवश्यक हैं। कुल 64 क्रेडिट को दो भागों में विभाजित किया गया है: क) पहले दो सेमेस्टर में कोर्स वर्क में 40 क्रेडिट पूरे करने की आवश्यकता होती है और ख) उद्योग आधारित परियोजना कार्य के लिए 24 क्रेडिट पूरा करने की आवश्यकता होती है जो एमटेक शोध निबंध की ओर ले जाती है।

सेमेस्टर-1

1. आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं ज्ञान प्रतिनिधित्व
2. मशीन लर्निंग
3. उन्नत डाटा संरचनाएं एवं एल्गोरिदम
4. गणीतीय फाउंडेशन
5. एआई एवं नैतिकता (सेमीनार कोर्स)

सेमेस्टर-2

1. डीप लर्निंग
2. डाटा एनालिटिक्स एवं विजुलाइजेशन
3. ऐच्छिक-1
4. ऐच्छिक-2
5. ऐच्छिक-3

इलेक्टिव:

1. कम्प्युटर विज्ञान
2. प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण
3. सूचना पुनर्प्राप्ति
4. डाटा माइनिंग
5. रोबोटिक्स
6. संभाव्य ग्राफिकल मॉडल
7. बिग डेटा एनालिटिक्स
8. सुदृढीकरण लर्निंग
9. उन्नत अनुकूलन

एम.टेक एआई एवं एमएल प्रबंधकारिणी समिति एवं कार्यक्रम सलाहकार समूह:

आईआईआईटी श्री सिटी की सीनेट में आईआईआईटी हैदराबाद, आईआईटी मद्रास, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली आदि संस्थानों के वरिष्ठ शिक्षाविद एवं आईबीएम, इंटेल, टीसीएस आदि जैसे प्रमुख संगठनों के उद्योग विशेषज्ञ शामिल हैं। सीनेट के विवरण के लिए <http://www-iiits-ac-in/gkse/xousaZl/lhusV/> देखें।

कार्यक्रम सलाहकार समूह (पीएजी) संस्थान को पाठ्यक्रम तैयार करने और कार्यक्रम के प्रभावी वितरण का समर्थन करने में मदद करता है। एम.टेक एआई और एमएल के पीएजी में निम्नलिखित विशेषज्ञ शामिल हैं:

- | | |
|---|--|
| 1. प्रो. बालारमन रविन्द्रन
प्रोफेसर एवं प्रमुख, रोबर्ट बॉस्च
डाटा साईंस एवं एआई केंद्र,
आईआईटीएम | 3. सुश्री शालिनी कपूर
आईबीएम अध्येता एवं सीटीओ, एआई
आईबीएम शोध |
| 2. डॉ. मनीष गुप्ता
निदेशक
गूगल रिसर्च | 4. डॉ. वेकेंटेश सरनगन
प्रधान वैज्ञानिक
टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज |

4.2.2 साइबर सुरक्षा में एम.टेक

इंटरनेट पर सूचना साझा करने की हालिया प्रगति ने संगठनों के लिए साइबर खतरे को बढ़ा दिया है। प्रणाली को बाहरी खतरों से सुरक्षित रखने के लिए सुरक्षा संबंधी परिष्कृत ज्ञान और उपकरणों की आवश्यकता होती है। दुनिया भर में और साथ ही भारत में भी कुशल साइबर सुरक्षा प्रोफेशनलों की अत्यधिक मांग है जो कि साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं के बारे में अच्छी तरह से शिक्षित हों। इससे प्रेरणा लेते हुए, आईआईआईटी श्री सिटी ने परिणाम अपधारित शिक्षा (ओबीई) पर जोर देने के साथ-साथ साइबर सुरक्षा में विशेषीकृत द्विवर्षीय एम.टेक डिग्री कार्यक्रम प्रदान करता है। कार्यक्रम सलाहकार समूह में अर्नस्ट एंड यंग, आईबीएम, केपीएमजी, टीसीएस, सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन और डेटा सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (डीएससीआई) जैसे प्रतिष्ठित संगठनों/विश्वविद्यालयों में कार्य करने वाले साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ शामिल हैं। सलाहकार समूह उद्योग की प्रासंगिकता और स्नातक रोजगार योग्यता सुनिश्चित करने के लिए पाठ्यक्रम का समय-समय पर संशोधन सुनिश्चित करता है। सूचना प्रौद्योगिकी में राष्ट्रीय महत्व का संस्थान होने के नाते, आईआईआईटी श्री सिटी पहले से ही साइबर सुरक्षा विशेषज्ञता के साथ बी.टेक कार्यक्रम चला रहा है। इस प्रकार, साइबर सुरक्षा में एम.टेक कार्यक्रम आईआईआईटीएस के पारिस्थितिकी तंत्र को और बढ़ावा देगा और उद्योग के लिए अत्यधिक

कुशल श्रमशक्ति का उत्पादन करेगा।

एम.टेक साइबर सुरक्षा पाठ्यचर्या

एमटेक कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में कुल 64 क्रेडिट शामिल हैं, जो स्नातक करने के लिए आवश्यक हैं। कुल 64 क्रेडिट को दो भागों में विभाजित किया गया है: क) पहले दो सेमेस्टर में कोर्स वर्क में 40 क्रेडिट पूरे करने की आवश्यकता होती है और ख) उद्योग आधारित परियोजना कार्य के लिए 24 क्रेडिट पूरा करने की आवश्यकता होती है जो एमटेक शोध निबंध की ओर ले जाती है।

सेमेस्टर-1

1. साइबर सुरक्षा का परिचय
2. एल्गोरिदम एवं जटिलता विश्लेषण
3. नेटवर्क एवं डाटा सुरक्षा
4. साफ्टवेयर सुरक्षा
5. साइबर सुरक्षा विनिमय (सेमिनार कोर्स)

सेमेस्टर-2

1. क्रिप्टोग्राफी
2. साइबर सुरक्षा के लिए मशीन लर्निंग एप्लीकेशन
3. ऐच्छक-1
4. ऐच्छक-2
5. ऐच्छक-3

इलेक्टिव:

1. थ्रेट इंटेलीजेंस
2. मेलवेयर विश्लेषण एवं डिजिटल फोरेंसिक
3. साइबर भौतिक प्रणाली सुरक्षा
4. सॉफ्टवेयर परिभाषित नेटवर्किंग सुरक्षा
5. मोबाइल एवं वायरलैस सुरक्षा
6. ब्लॉकचैन प्रौद्योगिकी

एम.टेक साइबर सुरक्षा प्रबंधकारिणी समिति एवं कार्यक्रम सलाहकार समूह:

आईआईआईटी श्री सिटी की सीनेट में आईआईआईटी हैदराबाद, आईआईटी मद्रास, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली आदि संस्थानों के वरिष्ठ शिक्षाविद एवं आईबीएम, इंटेल, टीसीएस आदि जैसे प्रमुख संगठनों के उद्योग विशेषज्ञ शामिल हैं। सीनेट के विवरण के लिए <http://www-iiits-ac-in/gkse/xousaZl/lhusV/> देखें।

कार्यक्रम सलाहकार समूह (पीएजी) संस्थान के पाठ्यक्रम तैयार करने और कार्यक्रम के प्रभावी वितरण का समर्थन करने में मदद करता है। एम.टेक एआई और एमएल के पीएजी में निम्नलिखित

विशेषज्ञ शामिल हैं:

1. श्री वी. आनंद कुमार
निदेशक, प्रबंधित सुरक्षा सेवाएं, आईबीएम
2. प्रो. मुत्तुकृष्णन राजराजन
निदेशक, साइबर सुरक्षा संस्थान, लंदन सिटी यूनिवर्सिटी
3. डॉ राजीव मुकुंदन
सीटीओ साइबर सुरक्षा,
टीसीएस
4. श्री शास्त्री कृष्ण पेंड्याला
पार्टनर,
अर्नस्ट एंड यंग, हैदराबाद
5. श्री अखिलेश टुटेजा
ग्लोबल साइबर सिक्योरिटी प्रैक्टिस को-लीडर,
पार्टनर केपीएमजी
6. श्री विनायक गोडसे
उपाध्यक्ष,
भारतीय डेटा सुरक्षा परिषद (डीएससीआई)

4.3 पीएच.डी.

आईआईआईटी श्रीसिटी का प्रायोजित परियोजनाओं और विद्वत प्रकाशनों के माध्यम से शोध प्रदर्शन पर महत्वपूर्ण रूप से ध्यान देता है है। आईआईआईटी श्रीसिटी की परिकल्पना आईटी शिक्षा, शोध और विकास के लिए वैश्विक रूप से पहचानी जाने वाली संस्था बनना है। संस्थान में ऐसे प्रतिभाशाली संकाय सदस्यों को आकर्षित करने और उनको बनाए रखने पर विशेष बल दिया जाता है जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षण एवं शोध में पहचान बना सकें। आईआईआईटी श्रीसिटी के मौजूदा संकाय सदस्य उत्कृष्ट शिक्षण एवं शोध योग्यताओं के साथ भारत तथा विदेश के अग्रणी विश्वविद्यालयों से हैं। संस्थान निम्नलिखित पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है, जो कंप्यूटिंग के सभी क्षेत्रों पर केंद्रित है:

- कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में पीएच.डी.
- इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में पीएच.डी.

संस्थान ने मानसून (जुलाई) 2019 से उद्योग और भारत सरकार की अनुसंधान प्रयोगशालाओं जैसे डीआरडीओ, इसरो आदि के कर्मचारियों के लिए अंशकालिक पीएचडी कार्यक्रम आरंभ किया है।

पीएच.डी पाठ्यचर्या

कार्यक्रम की अवधि: कार्यक्रम को पूरा करने की अधिकतम अवधि पूर्णकालिक उम्मीदवारों के लिए 6 वर्ष और अंशकालिक उम्मीदवारों के लिए 7 वर्ष है। पूर्णकालिक उम्मीदवारों को 4 वर्ष तक या थीसिस जमा करने की तिथि जो भी पहले हो, तक छात्रवृत्ति दी जाएगी।

डॉक्टरेट समिति: प्रत्येक डॉक्टरेट समिति में सदस्यों की निम्नलिखित संरचना शामिल होती है – अध्यक्ष, अनुसंधान गाइड, सह-गाइड (यदि कोई हो), आंतरिक सदस्य (सीएसई), आंतरिक सदस्य (ईसीई), उद्योग सह-गाइड/उद्योग सदस्य, उद्योग से बाहर का सदस्य/अनुसंधान संस्थान।

पाठ्यक्रम कार्य: शोधार्थियों को डॉक्टरेट समिति द्वारा निर्धारित चार प्रासंगिक पाठ्यक्रम पूरा करना आवश्यक है।

उद्योग इंटरनशिप: पूर्णकालिक श्रेणी के तहत पीएचडी छात्रों को पूरे पीएचडी कार्यक्रम के दौरान 4-6 महीने की अवधि के लिए शीर्ष स्तरीय बहुराष्ट्रीय कंपनियों और अनुसंधान संगठनों में उद्योग इंटरनशिप लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

कार्यक्रम के मुख्य बिन्दु:

- उद्योग उन्मुख पीएच.डी कार्यक्रम
- उद्योगों में ग्रीष्मकालीन इंटरनशिप करने का अवसर
- पूर्णकालिक छात्रों के लिए वित्त पोषित पीएच.डी कार्यक्रम
- अंशकालिक पीएचडी छात्रों के लिए फ्लैक्सीबल एटेंटडेंस स्कीम
- अंशकालिक छात्रों के लिए पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए परिसर में रहने की कोई आवश्यकता नहीं है
- डॉक्टरेट समिति में उद्योग विशेषज्ञ को शामिल करना

4.4 शैक्षिक प्रदर्शन

सेमेस्टर	विषय	नामांकित विद्यार्थियों की संख्या	उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या	उत्तीर्ण प्रतिशत
मानसून 2020	यूजी 1 कोर्स	यूजी1-315	295	93.6 प्रतिशत
	कम्प्युटर प्रोग्रामिंग			
	कम्प्युटरों का अवलोकन			
	डिजिटल लॉजिक डिजाइन			
	असतत गणित और संभाव्यता सिद्धांत			
	संचार कौशल-1			
	यूजी 2 कोर्स	यूजी2-263	245	93.1 प्रतिशत
	उन्नत डाटा संरचनाएं एवं एल्गोरिथम			
	कम्प्युटर संगठन एवं सिस्टम			
	डाटाबेस प्रबंधन प्रणाली			
	नियंत्रक प्रणाली			
	एंबेडेड सिस्टम			
	सर्किट एवं नेटवर्क विश्लेषण			
	ऑब्जेक्ट ओरिएंटेड प्रोग्रामिंग			
	कम्युनिकेशन इन आर्गेनाइजेशन			
	गणित-3			
	यूजी-3 कोर्स	यूजी3-250	238	95.2 प्रतिशत
	सेवा उन्मुख अनुप्रयोग विकास			
	संकलक डिजाइन			
सूचना पुनर्प्राप्ति				
साइबर सुरक्षा परिचय				
मशीन लर्निंग				
क्लाउड कम्प्युटिंग				
वीएलएसआई परिचय				
डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग				
साइबर भौतिक प्रणाली का परिचय				
इलैक्ट्रानिक पैकेजिंग				
इंटरनेट ऑफ थिंग्स				

डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग			
सांख्यिकीय डाटा विश्लेषण			
पैटर्न मान्यता			
आईटी परियोजना प्रबंधन			
उर्जा और पर्यावरण विज्ञान			
इलैक्ट्रिक वाहन			
नवाचार और उद्यमशीलता			
फाउंडेशन ऑफ ह्युमन वैल्यूज			
बायोटेक्नोलॉजी			
विभेदक समीकरण			
यूजी-4 कोर्स			
कम्प्युटर ग्राफिक्स एवं मल्टीमीडिया			
साइबर भौतिक प्रणाली सिद्धांत			
संगणना			
प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण			
एजेंट आधारित मॉडलिंग एवं सिमुलेशन			
डिजिटल ट्विन्स अवधारणाएं एवं अनुप्रयोग			
वॉयरलैस संचार	यूजी4-209	207	99 प्रतिशत
इलैक्ट्रानिक पैकेजिंग			
माइक्रोवेव अभियांत्रिकी एवं रडार प्रणाली			
डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग			
सांख्यिकीय डाटा विश्लेषण			
पैटर्न रिकोग्निशन			
थ्रेट इंटेलीजेंस			
साफ्ट कम्प्युटिंग एवं इवोल्यूशनरी ऑफ एआई			
आईटी परियोजना प्रबंधन			
उर्जा एवं पर्यावरणीय विज्ञान			
इलैक्ट्रिक वाहन			
नवाचार और उद्यमशीलता			
फाउंडेशन ऑफ ह्युमन वैल्यूज			
बायोटेक्नोलॉजी			
विभेदक समीकरण			

बसंत 2021	यूजी 1 कोर्स	यूजी1-308	294	95.4 प्रतिशत
	आधरभूत इलैक्ट्रानिक सर्किट			
	डाटा स्ट्रक्चर एवं एल्गोरिदम-1			
	गणित-2			
	सिग्नल एवं सिस्टम			
	यूजी 2 कोर्स	यूजी2-265	246	92.8 प्रतिशत
	कम्प्युटर एवं संचार नेटवर्क			
	आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस			
	मशीन लर्निंग			
	संगणना थ्योरी			
	वेब अनुप्रयोग विकास			
	संचार के सिद्धांत			
	साइबर भौतिक प्रणाली का परिचय			
	एनालॉग सर्किट			
	इलैक्ट्रोमैग्नेटिक एवं ट्रांसमिशन लाइन्स			
	संचार कौशल-4			
	यूजी 3 कोर्स	यूजी3-250	243	97 प्रतिशत
	एंटरप्राइज अनुप्रयोग विकास			
	डिस्ट्रिब्यूटेड कम्प्युटिंग			
	कम्प्युटर विजन			
	डीप लर्निंग			
	नेटवर्क और डाटा सुरक्षा			
	उच्च प्रदर्शन कम्प्युटिंग			
	क्लाउड कम्प्युटिंग			
	माइक्रो सेंसर्स एवं एक्चुएटर्स			
	ऑप्टो-नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स			
	इंटेलीजेंट ऑटोनमस सिस्टम			
	ब्रेन कम्प्युटर इंटरैक्शन			
	क्रिप्टोग्राफी			
	परिचालन गणित			
	डाटा विश्लेषिकी			
	जैव सूचना विज्ञान			
	फाउंडेशन ऑफ ह्युमन वैल्यूज			

व्यक्तिगत विकास प्रयोगशाला			
उन्नत संचार कौशल			
यूजी 4 कोर्स			
डाटा विश्लेषिकी			
क्रिप्टोग्राफी			
परिचालन गणित			
ब्रेन कम्प्युटर इंटरफेस			
माइक्रो सेंसर्स एवं एक्चुएटर्स			
मॉडल बेस्ड डाटा एनालिटिक्स			
ऑप्टो-नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स	यूजी4-209	208	99.5 प्रतिशत
डिस्ट्रिब्यूटेड कम्प्युटिंग			
कम्प्युटर विज्ञान			
डीप लर्निंग			
क्लाउड कम्प्युटिंग			
उच्च प्रदर्शन कम्प्युटिंग			

5. प्लेसमेंट और इंटरनशिप (ग्रीष्म इंटरनशिप एवं सेमेस्टर लंबी परियोजना)

5.1 ग्रीष्म इंटरनशिप:

आईआईआईटी श्री सिटी में छात्रों को ग्रीष्म के दौरान इंटरनशिप करने के लिए अत्यधिक प्रोत्साहित किया जाता है, भले ही वे संस्थान में किसी भी वर्ष नामांकित हुए हों।

हालांकि, यह काफी आकांक्षात्मक लग सकता है कि हम अवर स्नातक प्रथम वर्ष के छात्रों को भी इंटरनशिप प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, हमारा मानना है कि संस्थान के माध्यम से छात्र द्वारा प्रथम वर्ष से औद्योगिक अनुभव प्राप्त करने से उसके उज्ज्वल कैरियर को शुरू करने में मदद मिलेगी। इसलिए, जैसे ही विद्यार्थी जुड़ते हैं, हम विद्यार्थियों को वर्क फ्रॉम होम इंटरनशिप प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हमें लगता है कि सीखने के हर एक पहलू को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए और उचित परिश्रम के साथ क्रियान्वित किया जाना चाहिए। आईआईआईटी श्रीसिटी में इंटरनशिप एक मील का पत्थर है।

बेशक, हमारा ध्यान प्री-फाइनल वर्ष के छात्रों को ग्रीष्मकालीन इंटरनशिप पूरी कराने पर है, क्योंकि इस बात की प्रबल संभावना होती है कि ये इंटरनशिप प्री-प्लेसमेंट ऑफर (पीपीओ) में परिवर्तित हो सकती हैं। प्लेसमेंट कार्यालय छात्रों को इंटरनशिप प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास करता है जो कि निम्नलिखित है:

- प्री-फाइनल वर्ष के छात्रों के लिए इंटरनशिप के अवसर हेतु नियमित रूप से कंपनियों से संपर्क करना,
- देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घरेलू स्तर पर होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं को साझा करना,
- परियोजनाओं के लिए कंपनियों की तलाश करना ताकि छात्र घर पर ही परियोजनाओं को पूरा कर सकें और इसे अपने रेज्यूमे में जोड़ सकें, और
- छात्रों को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय इंटरनशिप के अवसरों से अवगत कराना।
- विद्यार्थियों को भारत और विदेशों में अकादमिक इंटरनशिप करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। प्लेसमेंट कार्यालय भी छात्रों के लिए ऐसे अवसर प्रदान करता है ताकि वे कई संभावनाओं के लिए आवेदन कर सकें।

माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न, याहू, स्विगी, जेडएस एसोसिएट्स, बॉश, कॉमवॉल्ट आदि कुछ कंपनी हैं जहां हमारे विद्यार्थी वर्तमान में हाई एंड लीड परियोजनाओं में शामिल हैं।

5.2. सेमेस्टर-लंबी परियोजनाएं

सेमेस्टर-लंबी परियोजनाएं हमारे संस्थान के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक हैं और हमने इस कार्यक्रम में नए पहलुओं को शामिल किया है ताकि विद्यार्थी इससे लाभान्वित हो सकें। इन परियोजनाओं से छात्रों को कम से कम दो तरह से लाभ होता है:

1. जो छात्र अपनी ड्रीम जॉब की इच्छा रखते हैं, वे एक सेमेस्टर-लंबी परियोजना कार्यक्रम के लिए कंपनियों के साथ साइन-अप करते हैं, जिसे एक पूर्णकालिक पद में परिवर्तित करने का अवसर होता है।
2. अक्सर भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां विद्यार्थियों को उसी कंपनी में पूर्णकालिक पदों पर शामिल होने से पहले विद्यार्थियों को इंटरन के रूप में शामिल होने का अवसर प्रदान करती हैं। इसलिए, विद्यार्थियों का छात्र से उनकी पूर्णकालिक भूमिकाओं में धीरे-धीरे परिवर्तन हो जाता है।

इन परियोजनाओं के लिए छात्रों को आठ क्रेडिट मिलते हैं जिसके लिए हमारे द्वारा कठोर समीक्षा की जाती है। जिन छात्रों ने केवल सेमेस्टर-लंबी परियोजना का विकल्प चुना था, उनका मूल्यांकन दो बार उद्योग संरक्षक द्वारा और दो बार संस्थान के संकाय संरक्षक द्वारा किया जाएगा। दो संकाय सदस्यों की टीम अंतिम मूल्यांकन करती है, जिसमें आंतरिक संकाय संरक्षक शामिल होता है।

वर्ष 2021 में सेमेस्टर-लंबी परियोजनाओं के कुछ मुख्य बिन्दु निम्नलिखित हैं:

एसएलपी करने वाले विद्यार्थियों की संख्या	139
इंटरशिप की अवधि	4 से 6 माह
इंटरशिप के लिए स्टाइपेंड	10000 रु. से 1,20,000 रु.

5.3 कैंपस प्लेसमेंट:

प्लेसमेंट के परिदृश्य की जानकारी नीचे तालिका-1 में दर्शायी गई है और शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए प्लेसमेंट की विस्तृत जानकारी तालिका-2 में दी गई है।

तालिका 1: 2021 में स्नातक करने वाले छात्रों के प्लेसमेंट के समग्र आंकड़े

2017-21 बैच- प्लेसमेंट विवरण		
क्र.सं.	प्लेसमेंट आंकड़ा (ऑन कैम्पस)	संख्या
1	विद्यार्थियों की कुल संख्या	208
2	कैम्पस प्लेसमेंट में रुचि दिखाने वाले विद्यार्थियों की संख्या	152
3	नियोजित विद्यार्थियों का प्रतिशत	95.39 प्रतिशत
4	प्राप्त अधिकतम वेतन	43 एलपीए
5	औसत वेतन	12.00 एलपीए
6	नौकरी प्रस्तावों की कुल संख्या	145
7	सीएसई में नियोजित विद्यार्थियों की संख्या	115
8	ईसीई में नियोजित विद्यार्थियों की संख्या	30
9	सीएसई शाखा के लिए प्लेसमेंट प्रतिशत	96.63 प्रतिशत
10	ईसीई शाखा के लिए प्लेसमेंट प्रतिशत	90.09 प्रतिशत
11	दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या	124
12	उद्यमियों की संख्या	शून्य
13	प्राप्त उच्च अध्ययन अवसरों की संख्या	01

तालिका 1 से कुछ टिप्पणियां इस प्रकार हैं:

- किसी वर्ष में पात्र विद्यार्थियों की संख्या हेतु परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या आवश्यकता से अधिक है। इसलिए, यह छात्रों को उनकी रुचि की कंपनियों में जाने का विकल्प देती है। साथ ही विद्यार्थी बाजार में भर्ती करने वाली विभिन्न कंपनियों के संपर्क में भी आते हैं।
- आईआईआईटीटी श्रीसिटी के कैंपस प्लेसमेंट में जो कोस्ट टू द कंपनी (सीटीसी) पैकेज मिलता है वह देश के किसी भी प्रीमियम संस्थान के बराबर है। छात्रों को जो नौकरी मिलती है, वे उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण होती हैं क्योंकि यह उनके करियर के विकास

को बढ़ावा देती हैं।

- शैक्षणिक वर्ष 2019–2020 में आईआईआईटी श्रीसिटी के किसी विद्यार्थी को मिलने वाला अधिकतम घरेलू पैकेज 43 लाख प्रति वर्ष है।
- कुछ विद्यार्थियों को बड़ी कंपनियों से अंतरराष्ट्रीय नौकरी के प्रस्ताव भी मिले हैं। (तालिका में नहीं दिखाया गया है)
- नियुक्त किए गए विद्यार्थियों की संख्या (145) प्लेसमेंट के लिए पंजीकरण कराने वाले विद्यार्थियों की संख्या (152) के लगभग बराबर है।
- हमारे विद्यार्थियों को स्प्रिंगएमएल, एनविपानी, सीईडब्ल्यूआईटी, कॉमवॉल्ट, जोहो आदि जैसे कई डीप-टेक स्टार्टअप्स आदि में भर्ती किया गया है।

प्लेसमेंट के लिए छात्रों की तैयारी

- संस्थान आने वाले वर्षों में एआई और एमएल, साइबर सुरक्षा, साइबर-भौतिक प्रणालियों और अधिक विशेषज्ञता क्षेत्र वाले क्षेत्रों में स्नातक विद्यार्थियों के लिए विशेषज्ञता प्रदान करेगा। इसके अलावा, हमारे छात्रों को सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट इंजीनियरिंग, कंप्यूटर विज्ञान, डेटा एनालिटिक्स, आईओटी, वायरलेस कम्युनिकेशन, स्मार्ट ट्रांसपोर्टेशन एवं अन्य, जैसे विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल है।
- कैंपस में प्लेसमेंट के लिए कंपनियों के आने से पहले, विद्यार्थी एप्टीट्यूड और रीजनिंग, एडवांस्ड कम्युनिकेशंस स्किल्स और कॉम्पिटिटिव प्रोग्रामिंग जैसे पाठ्यक्रमों के साथ अपनी सॉफ्ट स्किल्स को निखारते हैं। उल्लेखनीय है कि विद्यार्थियों को पढ़ने, लिखने, सुनने और बोलने में आवश्यक स्तर पर लाने के लिए पहले दो वर्षों में चार पाठ्यक्रमों के एक सेट के रूप में संचार कौशल सिखाया जा रहा है।
- हम स्टार्टअप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए विशेष दक्षताओं और कौशल वाले स्नातकों को विकसित करने पर भी जोर देते हैं। विभिन्न जॉब सैक्टर के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने के अलावा, आईआईआईटी श्रीसिटी विद्यार्थियों के लिए ऐसे पाठ्यक्रम भी तैयार करता है जो उद्यमशीलता और स्टार्टअप एवं लघु व्यवसाय प्रबंधन जैसे पाठ्यक्रमों के साथ अपनी खुद की कंपनियां शुरू करने के इच्छुक हैं, छात्र स्टार्टअप में पर्यावरण को भी समझते हैं (अपना खुद का निर्माण कैसे करें सीखने के अलावा)। इसके अलावा, विद्यार्थियों के अभिनव स्टार्टअप का समर्थन करने के लिए, आईआईआईटीएस ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) द्वारा प्रारंभिक वित्त पोषण के साथ ज्ञान सर्कल वेंचर्स नाम से प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर लॉन्च किया है।
- विशेषकर, हमारे छात्रों ने माइक्रोसाफ्ट, एमेजॉन, सिस्को, अमेरिकन एक्सप्रेस, बैंक ऑफ न्यूयार्क, आईबीएम, नेशनल इंस्ट्रूमेंट सहित कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों में सेमेस्टर-लंबी उद्योग इंटरनशिप एवं नौकरियां हासिल की हैं।

- हमारे विद्यार्थियों की अन्य उपलब्धियां निम्नलिखित शामिल हैं:—
 - माइक्रोसॉफ्ट एआई चैलेंज में विजेता,, गूगल एंड्रॉइड हैकथॉन;
 - स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन में रनर अप
 - एमडोक्स हैकाथन में शीर्ष 10 में स्थान
 - गूगल समर ऑफ कोड (जीएसओसी) में (छह छात्र) चयनित।

प्लेसमेंट के लिए संस्थान की तैयारी

- आईआईआईटी श्रीसिटी शोध के लिए उद्योग के साथ भी जुड़ा हुआ है और संस्थान नियमित रूप से उद्योग-उन्मुख पाठ्यक्रमों को पढ़ाने के लिए उद्योग से संकाय भी उपलब्ध करवाता है। संस्थान उद्योग पेशेवरों के साथ साझेदारी करके वर्ष में कई कार्यशालाओं का आयोजन करता है। ये गतिविधियाँ उद्योग-संस्थान संबंधों को और मजबूत करती हैं एवं विद्यार्थियों को उन कंपनियों में नियुक्त करने से संस्थान को लाभ होता है जिनसे संस्थान जुड़ा हुआ है।
- आईआईआईटी श्रीसिटी में, निदेशक के नेतृत्व में संकाय सदस्य समूह, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के साथ प्लेसमेंट और प्रशिक्षण के लिए एक संरचित और व्यवस्थित प्रयास किया जाता है। प्लेसमेंट संस्थान के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में से एक है और श्रमशक्ति के मामले में आवश्यक संसाधन पर्याप्त रूप से आवंटित किए जाते हैं। उदाहरण के लिए, यहा प्लेसमेंट चेयर, प्रशिक्षण और प्लेसमेंट अधिकारी और छात्र प्लेसमेंट समन्वयक मौजूद हैं।

आईआईआईटीटी श्रीसिटी का दौरा करने वाली कंपनियां

1. कैंपस प्लेसमेंट जुलाई 2021 के प्रथम सप्ताह में शुरू हुआ और भर्ती के लिए कैंपस में आने वाली कंपनियों ने न केवल सीएसई और ईसीई दोनों बैच के विद्यार्थियों को नियुक्त किया, (तालिका 2 में सूचीबद्ध) कंपनियों के अलावा इसमें बहुराष्ट्रीय कंपनियां, सफल स्टार्टअप, कटिंग ऐज टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर विज्ञान कंपनियां, और कोर ईसीई कंपनियां इत्यादि विभिन्न कंपनियां भी शामिल थी। हमारे कुछ बहुराष्ट्रीय भर्तीकर्ताओं ने कंसल्टिंग, ई-कॉमर्स, हाई-टेक, हॉस्पिटैलिटी और हेल्थ केयर से जुड़े उद्योगों का प्रतिनिधित्व किया।
2. आईआईआईटीएस अधिकतर उत्पाद-उन्मुख कंपनियों को आकर्षित करता है और प्लेसमेंट के लिए आने वाली कंपनियों की विविधता विद्यार्थियों की जरूरतों को पूरा करती है। बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां, बड़ी सेवा-उन्मुख कंपनियां (केवल उत्पाद भूमिका पदों के लिए भर्ती), स्थापित स्टार्ट-अप, हाल के वर्षों के प्रोमाइजिंग स्टार्टअप, कोर कंपनियां (ईसीई शाखा के लिए), इत्यादि, हाल के वर्षों में आईआईआईटीएस का दौरा करने वाली कंपनियों की श्रेणियां हैं।

6. छात्र विकास गतिविधियां (एसडीसी):

6.1 अपनाए गए गावों (यूबीए एवं एनएसएस) के स्कूली विद्यार्थियों के लिए बुनियादी कम्प्युटर कौशल कार्यशाला

मार्च 2020 में देशव्यापी लॉकडाउन के कारण स्कूल बंद होने की वजह से बच्चों को लंबे समय तक औपचारिक शिक्षा से वंचित रखा गया था। ई-शिक्षा पर परिणामी वार्ता ने भारत की डिजिटल सीमा को उजागर किया, जिसमें केवल 24 प्रतिशत घरों में ही इंटरनेट की पहुंच थी। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को विशेष रूप से मुश्किलों का सामना करना पड़ा, हाल ही के अध्ययन से पता चला है कि ऐसे सरकारी स्कूल के छात्रों की संख्या 80 प्रतिशत से अधिक है।

सरकार ने अकादमिक कैलेंडर में किसी भी तरह के व्यवधान से बचने के लिए स्टॉप-गैप व्यवस्था के रूप में ऑनलाइन लर्निंग की ओर बढ़ने की सिफारिश की है। अब प्रौद्योगिकी और ई-लर्निंग शिक्षा क्षेत्र में बदलाव लाने का तरीका है। इसका एक सकारात्मक परिवर्तन दिख रहा है और ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूल एवं महाविद्यालय दिन-प्रति-दिन प्रौद्योगिकी को अपना रहे हैं। यह हमें प्रेरित करता है कि टियर III और ग्रामीण क्षेत्र भी पारंपरिक शिक्षा को डिजिटल रूप से उन्नत प्रक्रिया में बदलने के लिए आगे आ रहे हैं।

यद्यपि, ऑनलाइन लर्निंग के कई गुना लाभ हैं, किन्तु शिक्षा को पूरी तरह से डिजिटल (ऑनलाइन) बनाने की दिशा में अभी भी कई बाधाएं हैं। जब ऑनलाइन शिक्षा या ई-लर्निंग की बात आती है, तो हमें ध्यान में आता है कि ग्रामीण आबादी अभी भी तेज इंटरनेट, निर्बाध बिजली आपूर्ति और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से पूरी तरह सुसज्जित नहीं है। बुनियादी ढांचागत सुविधाओं में सुधार हुआ है लेकिन भारत के कई ग्रामीण क्षेत्र अभी भी शिक्षा को पूरी तरह से डिजिटल या ऑनलाइन बनाने के लिए इन चुनौतियों से जूझ रहे हैं।

कुछ प्रमुख चुनौतियाँ जिन्हें इस संदर्भ में सूचीबद्ध किया जा सकता है, निम्नलिखित हैं:

डिजिटल साक्षरता एवं अवसंरचनात्मक सहयोग

ये प्रमुख बाधाएं हैं जो भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में ऑनलाइन शिक्षा को सुगम बनाने के रास्ते में बाधा डालती हैं। हालांकि, देश में दूरदराज के इलाकों में बिजली और नेटवर्क की बुनियादी सुविधाओं में तेजी से सुधार हुआ है, फिर भी इसमें सुधार की गुंजाइश है। गांवों में शिक्षक और छात्र सीखने के डिजिटल साधनों के प्रति अधिक रुख कर रहे हैं, लेकिन वहां की ढांचागत सुविधाएं इस तरह से विकसित नहीं हुई हैं, जो कि ऑनलाइन लर्निंग के लिए आवश्यक हैं। बिजली का सतत प्रवाह और हाई स्पीड इंटरनेट की कमी अभी भी ग्रामीण आबादी के लिए बड़ी समस्या है।

तकनीकी उपकरणों की सीमित उपलब्धता

जबकि हम डिजिटल लर्निंग के क्षेत्र को देखते हैं, तो डिजिटल सामग्री तक पहुंचने के लिए प्रत्येक छात्र के लिए सही उपकरणों की उपलब्धता पर विचार करना अनिवार्य है। ग्रामीण भारत में बहुत से लोगों के पास निजी लैपटॉप या कंप्यूटर नहीं है और मोबाइल फोन लंबे समय तक लर्निंग के लिए अनुकूल नहीं हैं। साथ ही, डेटा पैक और उनका मूल्य शिक्षकों और शिक्षार्थियों दोनों के लिए, विशेष रूप से लाइव कक्षाओं में एक बड़ी बाधा हो सकती है। कई छात्रों के पास या तो निजी लैपटॉप/स्मार्टफोन नहीं होते हैं या वे सीमित समय के लिए उपलब्ध होते हैं। इसलिए, तकनीकी उपकरणों की सीमित उपलब्धता के साथ सीखना सीमित हो जाता है।

डिजिटल तकनीक की जानकारी न होना

यद्यपि, स्मार्ट क्लासरूम और डिजिटल लर्निंग ने पहले ही शहरी शैक्षिक व्यवस्था में एक रास्ता बना लिया है, किन्तु अभी भी कुछ ग्रामीण देश पारंपरिक शिक्षण विधियों पर निर्भर हैं। इसलिए, पारंपरिक शैक्षणिक विधियों से डिजिटल में स्थानांतरण रातोंरात नहीं हो सकता। शिक्षकों के साथ-साथ छात्रों को डिजिटल तकनीक से परिचित कराने के लिए उचित प्रशिक्षण और अधिक यूजर फ्रेंडली प्लेटफार्म की आवश्यकता होती है ताकि वे उनका उपयोग करके शिक्षण/अधिगम में सहज हो सकें।

उपरोक्त समस्याओं को दूर करने और ग्रामीण स्कूली छात्रों की शिक्षा को प्रौद्योगिकी से जोड़ने में मदद करने के लिए, आईआईआईटी श्री सिटी ने 26 जनवरी 2021 को एनएसएस और यूबीए सेल के माध्यम से बुनियादी कंप्यूटर कौशल कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला के दौरान स्कूली छात्रों को विभिन्न शिक्षण ऐप, ऑनलाइन कक्षाओं और ई-लर्निंग के माध्यम से सीखने के लिए संस्थान की बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करावाई गईं। छात्र के अनुभव के लिए उन्हें व्यक्तिगत कंप्यूटर प्रदान किए गए और विशेषज्ञों ने छात्रों को शिक्षा के उद्देश्य से स्मार्टफोन का उपयोग करने के लिए भी प्रशिक्षित किया।

कार्यशाला के बारे में

कार्यशाला में विभिन्न गांवों के कुल 40 छात्रों ने भाग लिया। छात्रों को लर्निंग ऐप्स और ई-एजुकेशन के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। छात्रों को प्रशिक्षण के साथ-साथ उपयोग करने के लिए व्यक्तिगत सिस्टम दिया गया। कंप्यूटर टूल्स जैसे माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, एक्सेल, पॉवरपॉइंट, इंटरनेट आदि पर विभिन्न व्याख्यानों की व्यवस्था की गई। छात्रों को कंप्यूटर के हिस्सों को समझने के लिए बुनियादी हार्डवेयर जानकारी भी प्रदान की गई। कार्यशाला का परिणाम जानने के लिए कार्यशाला के अंत में एक लघु प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। इस क्विज में सभी विद्यार्थियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। लड़कियों और लड़कों में शीर्ष तीन पर आने वाले विद्यार्थियों को उपहार देकर पुरस्कृत किया गया।



6.2 कोविड-19 मास्क एवं सेनेटाइजर जागरूकता अभियान (यूबीए)

आईआईआईटी श्री सिटी ने यूबीए और एनएसएस सरकारी योजना के तहत पांच गांवों को अपनाया गया है। आईआईआईटी ने इन गांवों और ग्रामीणों के जीवन कौशल के विकास के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। कोविड-19 की महामारी के दौरान यूबीए और एनएसएस सेल के सदस्यों एवं समन्वयकों ने टोंदुर गांव (अपनाए गए गांव में से एक) का दौरा किया और गांव के युवाओं और कामकाजी महिलाओं को मास्क और हैंड सैनिटाइजर वितरित किए। गतिविधि का मुख्य उद्देश्य काम के दौरान मास्क पहनने और हैंड सैनिटाइजर का उपयोग करने के बारे में जागरूकता पैदा करना था। गांव के युवाओं में जागरूकता पैदा की गई ताकि युवाओं के माध्यम से पूरे गांव में जागरूकता पहुंचाई जा सके। श्री सिटी में विभिन्न कंपनियों में काम करने वाली गांव की कामकाजी महिलाएं हैंड सैनिटाइजर खरीदने के लिए नियमित रूप से बाजार नहीं जा पाती। आईआईआईटी श्री सिटी ने हैंड सैनिटाइजर प्रदान किए जो काम के दौरान उनके काम आ सकें।

आईआईआईटी श्री सिटी के प्रतिनिधि लोगों को बताते हुए कि कैसे हम मास्क पहनकर, सैनिटाइजर का उपयोग करके और एक दूसरे से 6 फीट की दूरी बनाकर कोविड 19 को हरा सकते हैं।



6.3 राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा मार्च 2021

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के विस्तृत पत्र और दिशानिर्देशों के अनुसार, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान श्री सिटी, चित्तूर की एनएसएस सेल ने परिसर में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2021 मनाया। इन दिनों के दौरान सुरक्षित ड्राइविंग और यातायात नियमों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न गतिविधियों की योजना बनाई गई। विस्तृत गतिविधियों का उल्लेख नीचे दिया गया है:

1. आईआईआईटीएस के कर्मचारियों के लिए मूलभूत जीवन रक्षक प्रशिक्षण:—आईआईआईटीएस के कर्मचारियों ने मूलभूत जीवन रक्षक कैंप में भाग लिया और कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) सीखा। यह प्रशिक्षण छोटी या बड़ी दुर्घटना होने पर लोगों की जान बचाने में मदद करता है।



2. **परिसर और सड़कों पर सड़क सुरक्षा बैनर प्रदर्शित करना:** परिसर में और शहर की मुख्य सड़क पर सुरक्षा जानकारी के साथ एक सड़क सुरक्षा बैनर प्रदर्शित किया गया



3. **स्कूली छात्रों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता:** आईआईआईटी परिसर में निजी और सरकारी स्कूल के छात्रों के लिए 'सड़क सुरक्षा जागरूकता' विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 100 स्कूली छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने चित्रों के साथ सड़क सुरक्षा का संदेश दिया, जिन्हे पूरे परिसर में प्रदर्शित किया गया।



4. **सड़क सुरक्षा पर कार्यशाला:** कार्यशाला के दौरान सड़क सुरक्षा पर कार्यशाला का आयोजन किया गया तथा विभिन्न सुरक्षा एवं यातायात नियमों पर चर्चा की गयी।



5. **सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान:** श्री सिटी हाईटेक पुलिस एवं सुरक्षा के सहयोग से सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जो लोग हेलमेट नहीं पहने हुए थे, सीट बेल्ट नहीं लगा रखी थी या वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात कर रहे थे, उन्हें रोक कर उनकी लापरवाही के कारण होने वाले खतरे के बारे में जानकारी दी गई। उनके परिवार के लिए एक बधाई फूल और चॉकलेट एवं उन्हें एक सुरक्षा नोट दिया गया।



6.4 कोरोना प्रोटोकॉल के साथ 74वां स्वतंत्रता दिवस

भारत का स्वतंत्रता दिवस देश के नागरिकों को उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों की याद दिलाता है जिन्होंने देश के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए अपना बलिदान दिया था। आजादी के बाद से, भारत ने शिक्षा, सैन्य और अंतरिक्ष कार्यक्रमों सहित हर क्षेत्र में शानदार प्रगति की है। देश भर के नागरिक 15 अगस्त, 2020 को देश का 74वां स्वतंत्रता दिवस मनाकर ब्रिटिश शासन से भारत की स्वतंत्रता का जश्न मनाएंगे। कोरोनावायरस महामारी के चलते कोई सामाजिक सभा नहीं होगी, इसके बजाय, सभी राज्यों और सरकारी कार्यालयों को अपने कार्यक्रमों एवं समारोहों को वेबकास्ट करने के लिए कहा गया है। यहां तक कि लाल किले पर जहां हर स्वतंत्रता दिवस पर झंडा फहराया जाता है, वहां लोगों की संख्या सीमित होगी। सावधानियों का ध्यान रखते हुए सैन्य बैंड के साथ कोई भव्य प्रदर्शन नहीं होगा। आदर्श रूप में, देश भर के नागरिक देशभक्ति के गीतों पर गाते और नृत्य करते हैं, तिरंगा झंडा फहराते हैं और भारत के स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को याद करते हुए उत्साहपूर्वक कविताएँ सुनाते हैं।

भारत सरकार निदेशालय से प्राप्त निर्देशों के अनुसार आईआईआईटी श्री सिटी, चित्तूर ने दिशानिर्देशों के अनुसार भारत का 74वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। इवेंट का विवरण नीचे दिया गया है:

- | | |
|---|----------------|
| 1 संस्थान के निदेशक द्वारा ध्वजारोहण | सुबह 08:00 बजे |
| 2 राष्ट्रगान | सुबह 08:00 बजे |
| 3 संस्थान के निदेशक द्वारा स्वतंत्रता दिवस संदेश | सुबह 08:05 बजे |
| 4 उपस्थित संकाय/कर्मचारियों को चॉकलेट या मिठाई का वितरण | |
| 5 डिस्पर्सल | |



6.5 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2020

21 जून 2020 को विश्व में प्रत्येक प्राणि की शांति, सद्भाव, खुशी और सफलता के लिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। योग एक मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक अभ्यास है जिसे प्रतिदिन करने की आवश्यकता है।

आईआईआईटी एनएसएस सेल श्री सिटी, चित्तूर ने आईआईआईटी श्री सिटी, चित्तूर परिसर में इस कार्यक्रम के आयोजन का गौरव हासिल किया। वर्तमान कोविड-19 महामारी की स्थिति के कारण लोग इकट्ठा नहीं हुए, सभी आयोजनों को ऑनलाइन मंच के माध्यम से किया गया। इस वर्ष का योग शीर्षक "योगा/होम योगा विद फैमिली" है, इसलिए हमने तीन कार्यक्रमों की योजना बनाई जिसको हमने घर से ऑनलाइन अथवा सोशल वेबसाइट की सहायता से किया।

- 1) फैंकल्टी/स्टाफ/छात्रों को घर पर योग का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया गया और जो 21 जून 2020 को सुबह 07:00 बजे से 07:45 बजे तक दूरदर्शन पर सामान्य योग प्रोटोकॉल के साथ लाइव टेलीकास्ट के साथ किया गया।
- 2) गुरु स्थानुमूर्ति, योग शिक्षा में अखिल भारतीय प्रवर्तक, विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान के साथ ऑनलाइन योग व्याख्यान और संवाद, शाम 04:00 बजे आयोजित

किया गया।

- 3) अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की सामान्य जागरूकता, प्राचीन योग का इतिहास और योग के अभ्यास से होने वाले लाभों पर ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी शाम 05:00 बजे आयोजित की गई।

इस वर्ष के आईडीवाई की थीम के साथ "योगा/होमयोगा विद फ़ैमिली" में आईआईआईटी श्री सिटी के संकायों, कर्मचारियों और छात्रों ने पूरे दिल से अपने परिवार के सदस्यों के साथ भाग लिया और अपनी तस्वीरें और वीडियो साझा किए। वीडियो के मुख्य आकर्षण सूर्यनमस्कार, प्राणायाम, आसन और ध्यान थे।



इम्पेक्ट

संस्थान से स्नातक होने वाले छात्रों का प्रत्येक बैच अच्छी नौकरी और उच्चाध्ययन के अवसर तलाशोगायह एक संतोषजनक क्षण होगा जबकि परिसर को छोड़ते हुए सभी स्नातक छात्र उस उपलब्धि को हासिल कर सकें जिनकी वह आशा रखते हैं।

यद्यपि समग्र तैयारी क्रमशः बेहतर है, संस्थान द्वारा यह प्रदर्शित किया जाना अभी बाकी है कि छात्र कुछ सर्वोच्च आईआईआईटी के मुकाबले अच्छी नौकरियों प्राप्त कर पाएंगे। व्यक्तिगत स्तर पर महबूती और सुधार के क्षेत्रों पर एक चरणबद्ध दृष्टिकोण से ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। यह मुख्यतः लक्षित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कैरियर दिशानिर्देशों के लिए वैयक्तिक मेंटरिंग पर ध्यान केन्द्रित करता है।

सौभाग्यवश, हमारे यहां उत्कृष्ट संकाय सदस्य हैं जिन्होंने अग्रणी विश्वविद्यालयों से अपनी शिक्षा प्राप्त की है और उनमें से कुछ का महत्वपूर्ण उद्योग अनुभव है। किसी अन्य तुलनीय संस्थान के पास यह अनन्य लाभ नहीं है जिसको शिक्षण—अधिगम और शोध में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। वे नौकरियों और उच्च अध्ययन से सफलता को संकाय के रूप में उनकी भूमिका का अभिन्न अंग मानते हैं।

आईआईआईटी श्रीसिटी यह घोषणा करते हुए प्रसन्न है कि संकाय सदस्यों ने एक नए मेंटरशिप कार्यक्रम **इम्पेक्ट** के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शायी है। इस कार्यक्रम के तहत छात्रों के एक समूह को व्यापक दिशानिर्देशों के लिए प्रत्येक संकाय को सौंपा जाता है। वे छात्रों को दिशानिर्देश प्रदान करेंगे और छात्रों में आवश्यक कौशल को विकसित करने में सहायता प्रदान करेंगे तथा यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके कैरियर के लक्ष्य हासिल हों।

इम्पेक्ट एक सेमी-स्ट्रक्चर्ड कार्यक्रम है। यह लक्ष्यों को निर्धारित करने, प्रगति को ट्रैक करने और प्रत्येक छात्र के लिए अंतिम परिणाम प्राप्त करने के लिए निर्मित किया गया है। प्रत्येक संकाय सदस्य प्रभाविता को हासिल करने के लिए विविध औपचारिक-सह-अनौपचारिक दृष्टिकोण अपना सकता है।

संकाय सदस्य यह सुनिश्चित करते हुए साप्ताहिक आधार पर छात्रों के साथ नियमित संपर्क करेंगे कि इम्पेक्ट कार्यक्रम सफल हो और छात्रों की उत्कृष्टता प्राप्त करने में सहायता की जा सके।

इम्पेक्ट का लक्ष्य एक महत्वपूर्ण प्रभाव डालना है ताकि परिवर्तनकारी परिणाम प्राप्त हो सकें। विश्व में कई बड़ी चीजें एक छोटे तरीके से आरंभ की जा सकती हैं। हर व्यक्ति को बड़ी चीजें प्राप्त करने के लिए मिलकर कार्य करना चाहिए जो संस्थान की अधिक उंचाईयों तक ले जाएगा।

फैवराईट 25

स्लो लर्नरों के लिए सहायता

संस्थान का शिक्षण-अधिगम की गुणवत्ता में सुधार करने पर अत्यधिक जोर है ताकि छात्रों के लिए प्लेसमेंट और उच्च अध्ययन के मूल्यवान अवसर पैदा किए जा सकें। तथापि, सामाजिक-आर्थिक और ग्रामीण पृष्ठभूमि के कारण पहले वर्ष के छात्रों का एक वर्ग बाकी कक्षा के साथ नहीं चल पाता है। ऐसे छात्रों की सहायता करने के लिए विशेष प्रयास किए जाते हैं। पहला ऐसे छात्र जिनका कक्षा के निचले 25 प्रतिशत में निरंतर मूल्यांकन रहता है, उनकी पहचान की जाती है। ऐसे छात्रों की "फेवराईट 25" नामक एक कार्यक्रम के माध्यम से परामर्श और सहायता की जाती है। संकाय सदस्य, छात्र, कर्मचारी और अन्य इन छात्रों की उनकी प्रदर्शन में सुधार हेतु स्वयंसेवी रूप से प्रयास करते हैं। इसके अतिरिक्त, सेमेस्टर की परीक्षाओं में अनुत्तीर्ण होने वाले छात्रों की सहायता के लिए फॉरमेटिव एसेसमेंट (एफए) आरंभ किया गया है। एफए के अंतर्गत छात्रों को अतिरिक्त कक्षाएं और परामर्श दिया जाता है तथा वे अगले सेमेस्टर आरंभ होने से पहले सभी निरंतर मूल्यांकन और अंतिम परीक्षा को पूरा करते हुए विषयों को उत्तीर्ण करते हैं। यह छात्रों की सक्षमता के अपेक्षित स्तर प्राप्त करने में सहायता प्रदान करता है जिससे वे वर्ष को ड्राप किए बगैर प्रौन्नत पाठ्यक्रम लेने हेतु पूरी तरह से तैयार हो जाते हैं।

7. लोग/मानव संसाधन

7.1 संकाय:

वर्तमान और भविष्य की भूगोलीय-सामाजिक-आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हम विश्व स्तरीय संकाय की भर्ती पर अत्यधिक जोर देते हैं जो कि शिक्षण एवं शोध क्षेत्रों में मजबूत हों।

सभी संकाय सदस्य पोस्ट-डॉक्टरल के न्यूनतम तीन वर्ष के अनुभव के साथ विश्व की महत्वपूर्ण संस्थाओं से पीएचडी धारी हैं और लगभग सभी का वैश्विक अनुभव है। उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों तथा सम्मेलन की कार्यवाहियों में लेख प्रकाशित किए हैं तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर विभिन्न कार्यशालाओं में भाग लिया/आयोजन किया है।

क्र. सं.	नाम	पदनाम	क्षेत्र
1	प्रो. जी. कन्नाबिरन	निदेशक	सीएसई
2	डॉ. राजेन्द्र प्रसाथ	एसोसिएट प्रोफेसर	सीएसई
3	डॉ. विश्वनाथ पुलबाईगिरी	एसोसिएट प्रोफेसर	सीएसई
4	डॉ. बालाजी रमण	एसोसिएट प्रोफेसर	सीएसई
5	डॉ. शिव राम दुबे	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड I)	सीएसई

6	डॉ. स्नेहासिस मुखर्जी	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड I)	सीएसई
7	डॉ. ओडेलु वांगा	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड I)	सीएसई
8	डॉ. तपस पंडित	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)	सीएसई
9	डॉ. मृणमय घोराय	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)	सीएसई
10	डॉ. नेहा अग्रवाल	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)	सीएसई
11	डॉ. बालसुब्रमण्यम कंदस्वामी	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
12	डॉ. हिमांगशु सरमा	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
13	डॉ. श्रीजा एसआर	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
14	डॉ. अन्नश्री बवलानी	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
15	डॉ. भीमप्पा हलावर	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
16	डॉ. शथना	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
17	डॉ. अमित प्रसाद	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
18	डॉ. राकेश कुमार सनोदिया	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
19	डॉ. कंदीमल्ला दिव्यब्रह्माम	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड I)	ईसीई
20	डॉ. राजा वर प्रसाद येरा	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड I)	ईसीई
21	डॉ. अचिंत्य कुमार सरकार	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड I)	ईसीई
22	डॉ. प्रियंका द्विवेदी	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)	ईसीई
23	डॉ. अनीश चंद तुरलपति	सहायक प्रोफेसर	ईसीई
24	डॉ. के शिव प्रसाद	सहायक प्रोफेसर	ईसीई
25	डॉ. ई.पॉल ब्रेनियर्ड	सहायक प्रोफेसर	ईसीई
26	डॉ. मेनक ठाकुर	सहायक प्रोफेसर	गणित
27	श्री आर. सुंदर	प्रवक्ता	ईसीई
28	सुश्री प्रसन्ना लक्ष्मी एम	प्रवक्ता	गणित
29	डॉ अनील यागबथिना	कनिष्ठ प्रवक्ता	अंग्रेजी

7.2 विजिटिंग संकाय

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	संकाय का नाम
1	संगठन में संचार	डॉ. वी.एस.रामकृष्णन डॉ श्रीमती वेंकटलक्ष्मी डॉ. पी. आर.सुजाता प्रियदर्शिनी
2	इंटरनेट ऑफ थिंग्स	डॉ मुनेश सिंह (आईआईआईटीडीएम)
3	कंप्यूटर ग्राफिक्स एंड मल्टीमीडिया	डॉ प्रतीक शाही
4	थ्रेट इंटेलीजेंस	श्री चिन्मय मिश्रा श्री अवकाश कथिरिया
5	सॉफ्ट कंप्यूटिंग एंड इवोल्यूशनरी ऑफ एआई	डॉ मोनिदिपा दास
6	आईटी प्रोजेक्ट मैनेजमेंट	श्री जयदीप दास श्री शिवसुब्रमण्यम
7	नवाचार एवं उद्यमशीलता	श्री सतीश मेदापति
8	फाउंडेशन ऑफ ह्यूमन वैल्यूज	सुश्री क्रांति वाई.एस
9	बॉयोटेक्नोलॉजी	डॉ शैलथा रवि
10	साइबर सुरक्षा का परिचय	श्री मोहन राम डॉ हरीश रमानी
11	क्लाउड कंप्यूटिंग	डॉ श्रीधर डोमनाल
12	व्यक्तिगत विकास कार्यक्रम	प्रो. नागरानी एम
13	समकालीन गांधी	श्री जी. प्रसन्ना
14	ऑपरेशन मैथमेटिक्स	श्रीमती श्रीवल्ली किरणमयी
15	एडवांस्ड कम्युनिकेशन स्किल्स	श्री केजिया हितेश
16	एप्टीट्यूड एंड रीजनिंग	श्रीमती शबाना
17	नेचर-क्लाइमेट चेंज	डॉ. योगानंद राव
18	कम्युनिकेशन फंडामेंटल	डॉ. श्रीमती वेंकटलक्ष्मी डॉ. वी.एस. रामाकृष्णन डॉ. कार्तिका वीके डॉ. नरेश जीवी
19	संचार कौशल-4	डॉ. श्रीमती वेंकटलक्ष्मी

		डॉ. वी.एस. रामाकृष्णन डॉ. कार्तिका वीके
20	व्यक्तिगत विकास प्रयोगशाला एवं संचार कौशल-4	डॉ. जोस एमएफ
21	जैव सूचना विज्ञान	डॉ. साईलथा रवि
22	उन्नत संचार कौशल	श्री रवि थिलागना

7.3 कर्मचारी

क्र. सं.	नाम	पदनाम
1	इवानी वीएसएसआर सोम्याजुलु	प्रबंध, रजिस्ट्रार कार्यालय
2	पी वी सोमेश्वर राव	सहायक प्रबंधक (लेखा)
3	के लालिन कुमार रेड्डी	सहायक प्रबंधक-एफ एंड ए
4	एस. ज्योति रानी	सहायक प्रबंधक, ईसी लैब
5	जी सिरी बाबू	सहायक प्रबंधक
6	उदियापुरम तुलसीदास	शारीरिक शिक्षा अनुदेशक
7	आर वेणु गोपाल	इंजीनियर, सिस्टम प्रशासन
8	विजय कुमार एस	इंजीनियर, सीएसई लैब
9	कोटेश्वरराव बी	इंजीनियर, सीएसई लैब
10	ए कोरियन	इंजीनियर, ईसी लैब
11	टी. सूर्यकिरण	प्रशासनिक सहायक
12	एम. सुरेश रेड्डी	ईसी लैब के लिए ट्यूटर
13	एम सुकीर्ती व्यास	सहायक-शैक्षिक
14	जी मुरलीकृष्णन	पुस्तकालय सहायक
15	एम. तिरिपालु	सहायक (लेखा)
16	डी सुनील	सहायक (एफएंडए)
17	पी नरेश	वरिष्ठ प्रशिक्षु
18	आई रवि तेजा	वरिष्ठ प्रशिक्षु
19	जी.प्रसुना ओडुरु	रेसिडेंट वार्डन (बालिका छात्रावास)
20	जी. वैकेया	अटेंडर
21	डी. भास्कर	सुपरवाइजर-हाउसकीपींग (ऑपरेशन और रखरखाव)
22	बी सुरेश	कार्यालय सहायक
23	एम.कार्तिक	प्रशिक्षु
24	सुप्रिया राजा	प्रशिक्षु
25	टी.जी.किरुबकरण	प्रशिक्षु

26	एन.महेश बाबू	प्रशिक्षु
27	टी. सुगन्या	हैलपर
28	पी. नरेन्द्र	तकनीशियन
29	के.गिरि	इलेक्ट्रिशियन
30	के. मुनिरत्नम्मा	केयर टेकर – गर्ल्स हॉस्टल
31	के. कनकेश्वर राव	प्लंबर

7.4 सलाहकार

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	प्रो. जी. वी. चालमी	सलाहकार (कैम्पस लाइफ)
2	जी एस योगानंद राव	बाहरी गतिविधियाँ
3	डी.हरि कृष्णम राजू	सलाहकार (प्रापण एवं परिवहन)
4	आर. सेल्वाराजु	प्रोजेक्ट मैनेजर
5	अभिनय इराला	वरिष्ठ प्रशिक्षण एवं नियोजन अधिकारी
6	एम मिचायेलू	प्रशिक्षण और नियुक्ति अधिकारी
7	डॉ.ए.पी.अरुणा	सलाहकार (अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता)
8	श्री एम.एस. राव	वरिष्ठ परियोजना मैनेजर

8. शोध तथा विकास

शोध एवं विकास:

अक्तूबर, 2020 से जून, 2021 तक की अवधि के दौरान पीजी और यूजी छात्रों तथा उनके सहयोगियों के साथ संकाय के सदस्यों ने प्रभावशाली 25 जर्नल लेख प्रकाशित किए। इनमें अधिकांशतः एलसीवियर, आईईईई ट्रांजिक्शन, जर्नल ऑफ सेमी-कंडक्टर डिवाइसेस, सोलर एनर्जी, सिंज्रर, एसईई मोबिलिटी इंजीनियरिंग और जर्नल ऑफ बिजनेस परफॉर्मंस तथा सप्लाइ चैन मॉडलिंग जैसे अंतर्राष्ट्रीय जर्नल प्रकाशन शामिल हैं। उल्लेखनीय रूप से संकाय सदस्यों और छात्रों ने इस अवधि के दौरान 19 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुतियां प्रस्तुत की। इसके अतिरिक्त, इस अवधि के दौरान 2 भारतीय पेटेंट दायर किए गए।

8.1 शोध प्रकाशन

जर्नलों में प्रकाशन

1. त्रिपाठी डी, एडला डॉ. बवलानी ए, शुक्ला एके, रेड्डी बीआर. क्रेडिट अंक वर्गीकरण के लिए मशीन लर्निंग मैथड का प्रयोगात्मक विश्लेषण। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में प्रगति। 15 मार्च, 2021: 1–27.
2. आरके सनोदिया और एल याओ, 2021. डिस्क्रिमिनेटिव इंफोर्मेशन प्रिजरवेशन: ए जनरल फ्रेमवर्क फॉर अनसूपरवाईज्ड विजुअल डोमेन एडेप्शन. नॉलेज बेस्ड सिस्टम, 227, पी. 107158.
3. अग्रवाल, एन. (2021). डायनामिक लोड बेलेशिंग एसिसटेड ओप्टिमाइज्ड एक्सेस कंट्रोल मेकेनिज्म फॉर ऐज/फोग/क्लाउड नेटवर्क इन इंटरनेट ऑफ थिंग्स एनवायरनमेंट कांन्करेंसी एंड कम्प्यूटेशन: प्रैक्टिस एंड एक्सपीरियंस, ई.6440
4. अग्रवाल , एन., और तपस्वी , एस. (2021). एन एसडीएन-एसिसटेड डिफेंस मेकेनिज्म फॉर द स्मिथू डीडीओएस अटैक इन ए क्लाउड कम्प्यूटिंग एनवायरनमेंट. जर्नल ऑफ नेटवर्क एंड सिस्टम मैनेजमेंट, 29(2), 1–28”
5. स्वल्पा कुमार रॉय, जुआन एम. हौट, मर्सिडीज ई. पाओलेटी, शिव राम दुबे और एंटोनियो प्लाजा. जेनेरेटिव एडवर्सियल माइनोरिटी ओवरसेम्पलिंग फॉर स्पैक्ट्रल-स्पेटियल हायपरस्पेक्ट्रल इमेज क्लासीफिकेशन. आईईईई ट्रांजिक्शन ऑन जियोसाईंस एंड रिमोट सेसिंग, फरवरी 2021. (स्वीकृत)
6. शब्बीर बाशा , श्रवण कुमार विनकोटा, विश्वनाथ पुलबाईगरी, स्नेहासिस मुखर्जी और शिवराम दुबे. ऑटोमेटिकली ट्यनिंग कन्वोल्यूशनल न्यूरोल नेटवर्क फॉर इम्प्रूव्ड ट्रांसफर लर्निंग. न्यूरोल नेटवर्क, 133:112–122, जनवरी 2021. (एल्सेवियर)
7. शिव राम दुबे, सौमंदु चक्रवर्ती, स्वल्पा कुमार रॉय, स्नेहासिस मुखर्जी, सतीश कुमार सिंह और विद्युत बरनी चौधरी, डिफग्रेड: एन ऑप्टिमिजेशन मेथड फॉर कनवोल्यूशनल न्यूरोल नेटवर्क. आईईईई ट्रांजिक्शन ऑन न्यूरोल नेटवर्क एंड लर्निंग सिस्टम,

- 31(11):4500–4511, नवंबर 2020.
8. कंचारगुंटा किशन बाबू तथा शिव राम दुबे. पीसीएसजीएएन: परसेप्टुअल साईक्लिक-सिथेन्टाईज्ड जेनेरेटिव एडवरसियल नेटवर्क फॉर थर्मल/एनआईआर टू विजिवल इमेज ट्रांसफोर्मेशन, न्यूरोकंप्यूटिंग, 413:41–50, नवंबर 2020 (एल्सेवियर)
 9. जयेंद्र कांतिपुडी, शिव राम दुबे तथा सौमेंदु चक्रवर्ती. कलर चैनल परटुरवेशन अटैक फॉर फूलिंग कनवोल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क्स एंड ए डिफेंस एगेन्सट सच अटैक्स. आईईईई ट्रांसजिक्शन ऑन आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, 1(2): 181–191, अक्टूबर 2020.
 10. शिव राम दुबे, स्वल्पा कुमार रॉय, सौमेंदु चक्रवर्ती, स्नेहासिस मुखर्जी और विद्युत बरनी चौधरी. लोकत बिट प्लेन डिकोडेड कनवोल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क फीचर्स फॉर बायोमेडिकल इमेज रिट्रिवल न्यूरल कम्प्यूटिंग एंड एप्लीकेशन (एनसीएए) 32:7539–7551, जून 2020 (स्प्रिंगर)
 11. स्वल्पा कुमार रॉय, शिव राम दुबे, सुभ्राशंकर चटर्जी तथा विद्युत बरनी चौधरी. फ्यूजनेट: फ्यूज स्ववीज एंड एक्सीटेशन नेटवर्क फॉर स्पेक्ट्रल स्पेटियल हायरपरस्पेक्ट्रल इमेज क्लासीफिकेशन, आईईटी इमेज प्रोसेसिंग, 14(8):1653–1661, जून 2020। (आईईटी)''
 12. शिव कोतमराजू एवं पवन वुडुमुला, "इम्पुड रिवर्स रिकवरी केरेक्टरस्टिक ओब्टेंड इन 4एच-सिक डबल ट्रैंच सूपरजंक्शन एमओएसएफईटी विद एन इंटेग्रेटेड पी-टाईप स्चोटकी डियोड", आईईटी सर्किट्स, डिवाइस एंड सिस्टम, खंड.20, इस्. 8, पीपी 1283–1288, नवंबर 2020
 13. एम. सुकीर्ति और शिव कोतमराजू, "स्टडी ऑफ डिग्रेडेशन इन 3जे इनवर्टेड मेटामोर्फिक (आईएमएम) सोलर सैल ड्यू टू इरेडियेशन-इन्ड्यूस्ड डीप लेवर ट्रैप्स एंड थ्रेडिंग डिस्लोकेशंस यूजिंग फिनिट इलिमेंट एनालिसिस" साईका ई: लो डायमेशियल सिस्टम एंड नैनोस्ट्रक्चर, खंड 127, 114566, मार्च 2021
 14. शथना राजमोहन, एन रामसुब्रमण्यम, नागिक नागनाथन, डिजाइन स्पेस एक्सप्लोरेशन फॉर रिड्यूसिंग कोस्ट ऑफ हार्डवेयर ट्रोजन डिटेक्शन एंड आइसोलेशन ड्यूरिंग आर्किटेक्चुअल सिंथेसिस, जर्नल ऑफ सर्किट्स, सिस्टम्स एंड कम्प्यूटर्स, खंड 30 संख्या 9 (ऑनलाइन प्रकाशित), 2021.
 15. चंद्र शेखर वोरुगुन्ती, विश्वनाथ पुलबाईगरी, जीआरके साई सुब्रह्मण्यम, प्रेरणा मुखर्जी, "ओएसवी फ्यूजनेट: ऑनलाईन सिग्नेचर वेरीफिकेशन वाय फीचर्स फ्यूजन एंड डेथ वार्ड्स सेपरेबल कन्वोल्यूशन बेस्ड डीप लर्निंग" न्यूरोकंप्यूटिंग, 409 (2020), 157– 172, 2020. (इम्पैक्ट फैक्टर: 4.072), डीओआई: <https://doi-org/10-1016/j-neucom-2020-05-072> (स्वीकृति की तारीख 25 मई 2020) एससीआई द्वारा अनुक्रमित।
 16. चंद्रा शेखर वोरुगुन्ती, विश्वनाथ पुलबाईगरी, प्रेरणा मुखर्जी, अभिषेक शर्मा, डीपफ्यूजओएसवी: ऑनलाइन सिग्नेचर वेरीफिकेशन यूजिंग हायब्रिड फीचर्स फ्यूजन एंड हायब्रिड डेथवार्ड्स सेपरेबल कन्वोल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क आर्किटेक्चर" खंड 9, अंक 6, नवंबर 2020, पृ. 259 – 268, प्रिंट आईएसएसन 2047–4938, ऑनलाइन आईएसएसएन 2047–4946, आईईटी बायोमेट्रिक्स, 2020. डीओआई: 10.1049/आईईटी-बीएमटी.2020.0032, इम्पैक्ट फैक्टर 2.2 (स्वीकृति की तारीख 9 जुलाई, 2020)। एससीआई द्वारा अनुक्रमित।

17. बाशा, एसएच शब्बीर, विनकोटा, एसके, पुलबाईगरी, वी., मुखर्जी, एस. और दुबे, एसआर (2020). "ऑटो ट्यून: ऑटोमेटिकली ट्युनिंग कन्वोल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क फॉर इम्प्रूव्ड ट्रांसफर लर्निंग" न्यूरल नेटवर्क 133 (2021): पीपी 112–122. (स्वीकृति की तारीख 16–अक्टूबर–2020). डीओआई: <https://doi-org/10-1016/ j-neunet-2020-10-09> . एससीआई द्वारा अनुक्रमित।
18. बाशा, एसएच, विनाकोटा, एसके, दुबे, एसआर, पुलबाईगरी, वी. और मुखर्जी, एस. (2020). ऑटो एफसीएल: ऑटोमेटिकली ट्युनिंग फुली कनेक्टेड लेयर्स फॉर हैंडलिंग स्मॉल डाटासेट न्यूरल कम्प्यूटिंग एंड एप्लीकेशन जर्नल, खंड 33, पृष्ठों 8055–8065, जनवरी 2021, (एआरएक्सआईवी प्रीप्रिंट एआरएक्सआईवी:20001.11951). <https://doi-org/10-1007/s00521&020&05549&4> (स्वीकृति की तारीख 18–नवंबर–2020). एससीआई द्वारा अनुक्रमित।
19. गज्जल विश्वनाथ: रेड्डी, स्नेहाशीष मुखर्जी, एवं मैनक ठाकुर: मैजरिंग फोटोग्राफी ऐसथेटिक्स विद डीप; आईईटी इमेज प्रोसेसिंग; 14:8 (पीपी.1561–1570); 2020.
20. ए साई चरण, एम. जितेश, एम. चौधरी और एच. वेंकटरमण, "एबीआईएन: एटेंशन–बेस्ड बीआई–डायरेक्शनल मॉडल फ्यूजन नेटवर्क फॉर ऑब्जेक्ट डिटेक्शन ऐट नाईट टाईम"8, आईईटी इलेक्ट्रॉनिक लैटर्स, अक्टूबर 2020 को स्वीकृत, डीओआई:10.149/ईएल.2020.1952
21. पीएसएस पवन गणेश तथा एच. वेंकटरमन, "आरएफ बेस्ड वायरलेस कम्युनिकेशन फॉर सैलो वाटर नेटवर्क्स: सर्वे एंड एनालिसिस", वायरलेस पर्सनल कम्युनिकेशंस, स्प्रिंगर, अक्टूबर 2020 में स्वीकृत।
22. पीएसएस पवन गणेश तथा एच. वेंकटरमन, "ई:क्रूज: एनर्जी–बेस्ड थ्रोपुट एनालिसिस फॉर क्लस्टर– बेस्ड आरएफ सैलो अंडरवाटर कम्युनिकेशन", आईईटी कम्युनिकेशन, खंड 14, संख्या 15, पीपी 2544–2553, सितंबर 2020.
23. एच. वेंकटरमण और के. हर्षिनी, "डुअल प्रायोरिटी: ए रीयल टाईम एंड इंटग्रेटेड डिवाइस एंड नेटवर्क सेंट्रिक वायरलेस नेटवर्क सलेक्शन", आईईटी कम्युनिकेशन, खंड 14, संख्या 10, पीपी. 1588 – 1594, जून 2020

8.2 सम्मेलन की कार्यवाही/प्रस्तुतियां

1. लुशांकी कंचेरला और राजेंद्र प्रसाद, केस बेस्ड रीजनिंग अप्रोच फॉर रीयूज एंड एडेप्टेशन इन कम्युनिटी क्वेश्चन आंसरिंग सिस्टम, इन: ए.के. लुहज ईटीएएल. (ईडीएस.): आईसीएआईसीआर 2020, स्प्रिंगर सीसीआईएस 1393, पीपी. 1–15, 2021.
2. श्रीजा गद्दामिडी तथा राजेंद्र प्रसाद, परफॉर्मिंग एनालिसिस ऑफ नेम्ड एनटिटी रिकोग्निशन एप्रोचेस आफन कोड–मिक्स्ड डाटा, इन: प्रोक. ऑफ 6ठे इंटरनेशनल कान्फ्रेंस इंफॉर्मेशन, कम्युनिकेशन एंड कम्प्यूटिंग टेक्नोलॉजी (आईसीआईसीसीटी–2021), स्प्रिंगर सीसीआईएस खंड 1417, स्प्रिंगर, अप्रैल 2021 (प्रेस में स्वीकृत)
3. एम. तिवारी, आरके सनोदिया, जे. मैथ्यू और एस. साहा (2021): मल्टी सोर्स बेस्ड एप्रोच फॉर विजुअल डोमने एडेप्टेशन, इन इंटरनेशनल ज्वाइंट कान्फ्रेंस ऑन न्यूरल नेटवर्क (

- (आईजेसीएनएन-2021)(कोर रैंकिंग: ए)।
4. रोशन रेड्डी और शिव राम दुबे. ऑन द परफॉर्मेंस ऑफ कन्वोल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क अंडर हाई एंड लो फ्रैक्वेंसी इनफॉर्मेशन, फिफ्थ आईएपीआर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कम्प्यूटर विजन एंड इमेज प्रोसेसिंग (सीवीआईपी), भारत, दिसंबर 2020.
 5. यश श्रीवास्तव, वैष्णव मुरली तथा शिव राम दुबे. हार्ड-माइनिंग लॉस बेस्ड कन्वोल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क फॉर फेस रिकोग्निशन, फिफ्थ आईएपीआर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कम्प्यूटर विजन एंड इमेज प्रोसेसिंग (सीवीआईपी), भारत, दिसंबर 2020. (सर्वोत्तम पेपर पुरस्कार)
 6. यश श्रीवास्तव, वैष्णवी मुरली, शिव राम दुबे और स्नेहासिस मुखर्जी. विजुअल क्वेश्चन आंसरिंग यूजिंग डीप लर्निंग: ए सर्वे एंड परफॉर्मेंस एनालिसिस, फिफ्थ आईएपीआर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कम्प्यूटर विजन एंड इमेज प्रोसेसिंग (सीवीआईपी), भारत, दिसंबर 2020.
 7. छवि शर्मा, दीपेश भगेरिया, विलियम स्कॉट, श्रीनिवास पीवाईकेएल, अमिताभ दास, तन्मय चक्रवर्ती, विश्वनाथ पुलबाईगरी, ब्योर्न गेंबैक, "सेमेइवेल-2020 टॉस्क 8: मेमो" इन एनालिसिस- द विजुओ-लिंगुअल मैटाफर" कोलिंग वर्कशॉप: द 14वां सेमेइवेल वर्कशॉप ऑन सेमेन्टिक इवेल्युशन, 12-13 दिसंबर, बार्सिलोना, स्पेन, 2020. (डीबीएलपी द्वारा अनुक्रमित) (पीडीएफ लिंक: <https://www-iclweb-org/anthology/2020-semeval&1-99-pdf>)
 8. छवि शर्मा, विश्वनाथ पुलबाईगरी, "ए क्यूरियस केस ऑफ मीम डिटेक्शन- एन इन्वेस्टीगेटिव स्टडी" बेविस्ट कॉन्फ्रेंस: 16वा इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन वेब इंफॉर्मेशन सिस्टम एंड टैक्नोलॉजिज, 3 से 5 नवम्बर, 2020. (डीओआई:10.5220/0010110203270338. स्कोपस द्वारा अनुक्रमित:, डीबीएलपी, क्लेरिवेट, सिमेंटिक स्कॉलर, गूगल स्कॉलर, माइक्रोसॉफ्ट एकेडमिक, पीडीएफ लिंक: <https://www-scitepress-org/Link-asp?doi%4010-5220/0010110203270338>)
 9. छवि शर्मा, विश्वनाथ पुलबाईगरी, अमिताभ दास, "मीम वर्सेस नॉन-मीम क्लासीफिकेशन यूजिंग विजिओ-लिगिस्टिक एसोसिएशन", बेविस्ट कॉन्फ्रेंस: 16वा इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन वेब इंफॉर्मेशन सिस्टम एंड टैक्नोलॉजिज, 3 से 5 नवम्बर, 2020. (डीओआई:10.5220/0010176303530360. स्कोपस द्वारा अनुक्रमित:, डीबीएलपी, क्लेरिवेट, सिमेंटिक स्कॉलर, गूगल स्कॉलर, माइक्रोसॉफ्ट एकेडमिक, पीडीएफ लिंक: <https://www-scitepress-org/Link-asp?doi%4010-5220/0010176303530360>)
 10. कमल दास, सुभोजितो मंडल, मैनक ठाकुर; हाई रेजोल्यूशन स्पेटियल मैपिंग ऑफ सॉयल न्यूट्रिशन यूजिंग के-नियरेस्ट जियोसाईस नेबर बेस्ड सीएनएन एप्रोच; इन इगार्स 2020-2020 आईईईई इंटरनेशनल जियोसाईस एंड रिमोट सेसिंग सिम्पोजियम, (पीपी. 1102-1105); आईईईई
 11. जे एस सुनील, एम. साई के., आर.वी. प्रसाद और एच. वेंकटरमन, "एडवायजरी फ्रेमवर्क टू इंटरकनेक्ट डिस्ट्रीब्यूटेड वाटर बॉडीज टारगेटिंग एग्रीकल्चर फार्म्स," 2020 10वीं इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एडवांस्ड कम्प्यूटर इंफॉर्मेशन टैक्नोलॉजीस (एसीआईटी), डीगेंडॉर्फ, जर्मनी, 2020, पीपी. 863- 866

12. एस. दत्तप्रसाद, वाईआर वराप्रसाद, आर. ट्रेस्टियन, एच. गुयेन और एच. वेंकटरमण: "सीएटीएस: क्लस्टर-एडेड टू-स्टेप अप्रोच फॉर अनोमली डिटेक्शन इन स्मार्ट मैनुफैक्चरिंग", इन प्रोसीडिंग ऑफ स्प्रिंगर इंटरनेशनल कंट्रोल एंड नेटवर्किंग कॉन्फ्रेंस (कोकोनेट), चेन्नई, भारत, अक्टूबर 2020
13. पी. श्री हर्षिता, वाईआर वराप्रसाद और एच. वेंकटरमण: सीआरएडब्ल्यूएल: क्लाउड बेस्ड रीयल-टाइम इंटरकनेक्शंस ऑफ एग्रीकल्चरल वाटर सोर्स यूजिंग लोरा", 8वां स्प्रिंगर सिम्पोजियम ऑन कंट्रोल एंड ऑटोमेशन, इंडस्ट्रियल इंफॉर्मेटिक्स एंड स्मार्ट ग्रिड कम्युनिकेशन, कंट्रोल एंड नेटवर्किंग कॉन्फ्रेंस (कोकोनेट), चेन्नई, भारत, अक्टूबर 2020
14. ए डिजिटल ट्विन फ्रेमवर्क फॉर प्रिडिक्टिव मेन्टीनेंस इन इंडस्ट्री 4.0 ऑथर्स: स्टीफन मिहाई, विलियम डेविस, डांग वियत हंग, रमोना ट्रेस्टियन, मेहमत करमानोग्लू, बलबीर बार्न, राजा प्रसाद, हृषिकेश वेंकटरमण, हुआनो जुआन गुयेन, इन: एचपीसीएस 2020, 25-29 जनवरी 2021, बार्सिलोना, स्पेन (ऑनलाइन आभासी सम्मेलन)"
15. ए स. दत्तप्रसाद, वाईआर वराप्रसाद, आर. ट्रेस्टियन, एच. गुयेन और एच. वेंकटरमण: "सीएटीएस: क्लस्टर-एडेड टू-स्टेप अप्रोच फॉर अनोमली डिटेक्शन इन स्मार्ट मैनुफैक्चरिंग", इन प्रोसीडिंग ऑफ स्प्रिंगर इंटरनेशनल कंट्रोल एंड नेटवर्किंग कॉन्फ्रेंस (कोकोनेट), चेन्नई, भारत, अक्टूबर 2020
16. पी. श्री हर्षिता, वाईआर वराप्रसाद और एच. वेंकटरमण: सीआरएडब्ल्यूएल: क्लाउड बेस्ड रीयल-टाइम इंटरकनेक्शंस ऑफ एग्रीकल्चरल वाटर सोर्स यूजिंग लोरा", इन प्रोसीडिंग ऑफ स्प्रिंगर इंटरनेशनल कंट्रोल एंड नेटवर्किंग कॉन्फ्रेंस (कोकोनेट), चेन्नई, भारत, अक्टूबर 2020
17. एन. जसवंत, केपी अंजलि और एच. वेंकटरमण, "परसेप्युअल मॉडलिंग ऑफ अनकंस्ट्रैड रोड ट्रैफिक सिनारियो विद डीप लर्निंग" 10वीं इंटरनेशनल कान्फ्रेंस ऑन एडवांस्ड कम्प्यूटर इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजीस (एसीआईटी), पीपी. 811- 814 डीगेंडॉर्फ, जर्मनी, 16-18 सितम्बर, 2020,
18. जे एस सुनील, एस.के. मानसा., वाई, आर वराप्रसाद और एच. वेंकटरमण, "एडवायजरी फ्रेमवर्क टू इंटरकनेक्ट डिस्ट्रीब्यूटेड वाटर बॉडीज टारगेटिंग एग्रीकल्चर फार्म्स," 10वीं इंटरनेशनल कान्फ्रेंस ऑन एडवांस्ड कम्प्यूटर इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजीस (एसीआईटी), पीपी. 863- 866 डीगेंडॉर्फ, जर्मनी, 16-18 सितम्बर, 2020,
19. एन. जसवंत, सी. नागपाल तथा एच. वेंकटरमण, रिसोर्स एलोकेशन कॉम्प्लेक्सिटी एनालिसिस फॉर रिले-बेस्ड मल्टीहोप वी2वी कम्युनिकेशन", तीसरी 5^{जी} वर्ल्ड फोरम (5जीडब्ल्यूएफ), आईईईई, पीपी. 199-204, बेंगलोर, भारत, 10-12 सितंबर 2020.

8.3 जारी प्रायोजित परियोजनाएं (2020-21)

1. डॉ. अनीश चंद तुरलापति (पीआई)- डॉ. शिव राम दुबे, डॉ. बालकृष्ण गोकाराजू, द यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्ट अलबामा (सह-पीआई)-एसईआरबी-सीआरजी-"ईएमजीनेट: डवलपमेंट ऑफ डीप लर्निंग बेस्ड मॉडल फॉर हैंड मेवमेंट क्लासीफिकेशन यूजिंग सरफेस ईएमजी सिग्नल्स- रु. 34,06,558, 4 फरवरी 2020- 3 फरवरी 2022

2. डॉ. शिव राम दुबे-ताइवानी पार्टनर- प्रो. वेई-ता चू, नेशनल चुंग चेंग यूनिवर्सिटी ताइवान-जीआईटीए-डीएसटी-टीडब्ल्यूएन- "डवलपमेंट ऑफ डीप लर्निंग बेस्ड हैसिंग टैक्निक फॉर इमेज रिट्रिवल"- रु. 28,28,580, 19 फरवरी 2020-18 फरवरी 2023
3. डॉ. हृषिकेश वेंकटरमन- हेला- "कैमरा बेस्ड लेन एंड रोड बाउंड्री डिटेक्शन ड्यूरिंग नाईट टाईम ड्रॉइविंग"- रु.16,83,000, 13 जुलाई, 2018- 12 जुलाई, 2021
4. डॉ. हृषिकेश वेंकटरमन (पीआई)-डॉ राजा वराप्रसाद, डॉ पी विश्वनाथ (सह-पीआई)- डीएसटी-आईसीपीस "सेंसर, मल्टी-होपिंग और एनालिटिक्स फॉर रीयल-टाइम इंटरकनेक्शन ऑफ विपेज वेल्स (स्मार्ट विलेज वेल्स)" रु. 25,00,000, 28 दिसंबर, 2018-27 दिसंबर, 2021
5. डॉ. हृषिकेश वेंकटरमन (पीआई), डॉ राजा वराप्रसाद (सह-पीआई)- डीएसटी-आईएनटी-यूके- "डिजिटल ट्विन मॉडलिंग फॉर ऑटोमे"न, मंटीनेंस एंड मॉनीटरिंग इन इंडस्ट्री 4.0 स्मार्ट फैक्टरी" रु.23,53,344, 16 जुलाई, 2019-15 जुलाई, 2021
6. डॉ. हृषिकेश वेंकटरमन (पीआई), डॉ एसआर पांडियन, आईआईटीडीएम कांचीपुरम (सह-पीआई)- डीआरडीओ-एनआरबी-"डिजाइन एंड डवलपमेंट ऑफ बॉयो-इस्पायर्ड नेटवर्क ऑफ ऑटोनमस अंडरवाटर व्हीकल्स"-रु. 46,88,605, 7 फरवरी, 2020-6 मई, 2022
7. डॉ राजा वरा प्रसाद वाई-एमईआईटीवाई-सीसीएंडबीटी-"डिजाइन एंड फ़ैब्रीकेशन ऑफ ऑटोनमस पैसेंजर ड्रोन- रु. 36,18,000, 26 जुलाई, 2019-25 जुलाई, 2022
8. डॉ. कदीमल्ला दिव्यब्रम्ह-एसईआरबी-ईसीआर-डवलपमेंट ऑफ हायब्रिड मैथड टू एनालाइज द रेडिएशन करेक्टरस्टिक्स ऑफ ए डिपोल एटेंना निय ए परफैक्टली कंडक्टिंग सिलेंडरिकली कर्ब्ड स्क्रीन"- रु. 41,40,400, 26 मार्च, 2019-25 मार्च, 2022
9. डॉ. प्रियंका द्विवेदी, एसईआरबी-एसआरजी, डवलपमेंट ऑफ वियरेबल, नॉन-इनवेसिव डिवाइस फॉर ह्युमन हेल्थ वैलनेस", रु.30,68,520 26 दिसंबर, 2020 से दिसंबर 2022।
10. डॉ. शिव राम दुबे (पीआई), डॉ हिमनांशु सरमा, डीआरडीओ-डीवाईएसएल एआई, "कम्प्यूटर विजन एल्गोरिदम फॉर ट्रॉसफोर्मेशन ऑफ नाईट टाईम इमेज टू कोरेसपॉंडिंग डे टाईम इमेज", रु. 9,94,943, 19 मई 2020 से 18 मई 2021.

8.4 पेटेंट दायर करना

1. एच. वेंकटरमण और अंजलि पूर्णिमा के, "सिस्टम एंड मैथड टू डिटेक्ट पोटहोल्स एंड आब्स्टेकल्स ऑन रोड अंडर लो इलुमिनेशन", भारतीय पेटेंट, 19 नवम्बर 2019 को दायर।
2. एच. वेंकटरमण और एसवी जलेपल्ली, सिस्टम एंड मैथड फॉर रीयल टाईम कंट्रोल ऑफ स्पीड एंड पोजीशन", भारतीय पेटेंट, 16 दिसंबर 2019 को दायर।

9. नवाचार और उद्यमिता विकास

नवाचार और उद्यमिता पर फोकस: आईआईआईटी श्री सिटी संकाय एवं छात्रों को उनकी क्षमता को पूरा करने एवं समाज की जरूरतों को पूरा करने में मदद करने के लिए नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देता है। हम कई तरीकों से उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देते हैं। आईआईआईटी श्री सिटी को मानव संसाधन विकास मंत्रालय की इनोवेशन सेल द्वारा इंस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल के रूप में कार्य करने के लिए चुना गया है। इसके अलावा, आईआईआईटी श्री सिटी ने छात्रों द्वारा नवीन विचार सृजित करने और उन्हें व्यावसायिक अवसरों में बदलने हेतु समर्थन और सक्षम करने के लिए एक उद्यमशीलता सेल (ई-सेल) की स्थापना की है। ई-सेल छात्रों को सामाजिक जिम्मेदारी के साथ सफल उद्यमी बनने का प्रशिक्षण देता है।

उद्यमशीलता के भाव को ध्यान में रखते हुए, हमने 2020 में टीबीआई, ज्ञान सर्कल वेंचर्स (आईआईटीएस (सीआईडी), एक स्वतंत्र धारा 8 गैर-लाभकारी संगठन में नवाचार और उद्यमिता विकास केंद्र होने के नाते कानूनी इकाई) का शुभारम्भ किया। बिजनेस इनक्यूबेटर, इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और स्मार्ट मैनुफैक्चरिंग सहित कई क्षेत्रों में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की रणनीतिक प्राथमिकताओं में से एक है। हमारा दृढ़ विश्वास है कि ज्ञान सर्कल वेंचर्स नवोन्मेष और स्टार्टअप के लिए एक हब के रूप में काम करेगा, जिससे नई प्रौद्योगिकियों और व्यावसायिक अवसरों के विकास के साथ-साथ इस क्षेत्र में आर्थिक और सामाजिक विकास को सक्षम बनाया जा सकेगा।

आईआईआईटी श्री सिटी से जुड़े इनक्यूबेटर का प्राथमिक उद्देश्य, अपनी बौद्धिक पूंजी का उपयोग करके संस्थानों की उद्यमशीलता की भावना के निर्माण को प्रोत्साहित करना है। वर्तमान में, डॉ. जी. कन्नबीरन, निदेशक, आईआईआईटी श्री सिटी और श्री एम बालासुब्रमण्यम, अध्यक्ष, बीओजी-आईआईआईटी श्री सिटी कंपनी के निदेशक (सीआईडीआई) के रूप में कार्य करते हैं।

आईआईआईटी श्री सिटी में स्थित ज्ञान सर्कल वेंचर्स इनक्यूबेटियों और स्टार्टअप्स को बहुमूल्य सुविधाएं प्रदान करता है। जीसीवी के इनक्यूबेटियों को निम्न का एक्सेस मिलता है:

- मॉडर्न वर्क स्पेस
- संचार सुविधाएं
- कंप्यूटिंग सुविधाएं
- उपकरण प्रयोगशाला
- पुस्तकालय और सूचना केंद्र
- प्रशिक्षण और सम्मेलन सुविधाएं

इसके अलावा, इनक्यूबेटीज अकादमिक और उद्योग दोनों से मेंटर्स की विशेषज्ञता का लाभ उठा सकते हैं। टीबीआई जो कि एक उच्च गुणवत्ता वाले तकनीकी संस्थान का हिस्सा है, में एक इनक्यूबेटी होना गर्व की बात है। स्टार्टअप्स को श्रमशक्ति की आवश्यकता होती है और उनके पास आईआईआईटी श्री सिटी के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को इंटर्न या पूर्णकालिक कर्मचारियों के रूप में काम पर रखने का अवसर होता है।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) द्वारा ज्ञान सर्किल वेंचर्स के प्रस्ताव को प्रौद्योगिकी ऊष्मायन और उद्यमियों के विकास (टिडे 2.0) ऊष्मायन केंद्र के रूप में कार्य करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी। उनके द्वारा जीसीवी को ग्रुप 2 केंद्र के रूप में चुनकर फंडिंग किया जा रहा है।

सामाजिक प्रासंगिकता के पूर्व-पहचाने गए क्षेत्रों में आईओटी, एआई, ब्लॉक-चेन, रोबोटिक्स इत्यादि जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने में लगे इनक्यूबेटर्स को वित्तीय और तकनीकी सहायता के माध्यम से तकनीकी उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एमईआईटीई द्वारा टाइड 2.0 की शुरुआत की गई थी।

ज्ञान सर्किल वेंचर्स में टाइड 2.0 केंद्र निम्नलिखित दो कार्यक्रमों के माध्यम से विभिन्न चरणों में नवप्रवर्तनकर्ताओं और स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान करेगा।

गृह उद्यमि (ईआईआर) कार्यक्रम:

- एक गृह उद्यमि (ईआईआर) एक व्यक्ति/छात्र/स्टार्ट-अप है जो अपने विचार को प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट (पीओसी) में विकसित और मान्य करने के लिए तैयार है।
- ये जीसीवी इनक्यूबेटर स्पेस से काम करेंगे
- जीसीवी टीबीआई, पीओसी के विचार विकास, सत्यापन और उसके बाद के विकास का समर्थन करेगा।
- प्रत्येक ईआईआर को अनुदान के रूप में अधिकतम 4 लाख रु. प्रदान किए जाएंगे।

अनुदान कार्यक्रम:

- एक निश्चित प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट वाले नवीन स्टार्ट-अप को अनुदान के लिए पात्र माना जा सकता है। न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद बनाने और स्टार्ट-अप को गो-टू-मार्केट चरण तक आगे बढ़ाने के लिए अनुदान प्रदान किया जाता है।
- प्रत्येक स्टार्ट अप को अनुदान के रूप में अधिकतम 7 लाख रु. प्रदान किए जा सकते हैं।
- जीसीवी टीबीआई पूरे कार्यक्रम में परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

मैटी टिडे 2.0 कार्यक्रम के तहत अपने पहले कोहर्ट के रूप में, जीसीवी ने वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान 9 स्टार्टअप (8 अनुदान और 1 ईआईआर) को चुना और वित्त पोषित किया। स्टार्टअप्स का विवरण इस प्रकार है:-

क्र. सं.	स्टार्टअप/कंपनी	मुख्य नवाचारी /सीईओ	नवाचार संक्षेप	तकनीक	अनुप्रयोग क्षेत्र
1	रेकिंडल ऑटोमेशन प्रा. लि. चैन्नई	राधाकृष्णन जोथीराम	केंद्रीकृत निगरानी और अंतःशिरा द्रव के स्वचालित रोक के लिए एक स्मार्ट अंतःशिरा ड्रिपर प्रणाली	एआई	हेल्थकेयर
2	हाइवरिक्स टेक्नोलॉजीस, चैन्नई	हेमलथा आर	ली-आयन बैटरी उपकरणों के लिए स्मार्ट ग्रीन चार्जिंग समाधान की अगली पीढ़ी	आईओटी	स्मार्ट चार्जिंग
3	एक्वा सोल्यूशन कृष्णा	जोगी साई प्रसन्ना	एक्वा फार्मों की फीडिंग और निगरानी के लिए एक्वाकल्चर स्मार्ट मॉनिटरिंग सिस्टम	आईओटी	एक्वाकल्चर
4	एनएचपीओटी प्रवेन टेक, इरोड	सुनील विग्नेश	मानव मुद्रा को बनाए रखने और बनाए रखने के लिए इंटेलीजेंट वियरेबल डिवाइस	एमएल	प्ररेक्टिव हेल्थकेयर
5	मेडक्योर मेडिकल सोल्यूशन	पॉल प्रदीप जे	हाइब्रिड हरित प्रौद्योगिकी का उपयोग करके इनडोर वायु गुणवत्ता निगरानी और शुद्धिकरण प्रणाली	आईओटी	पर्यावरण
6	नंधा इंफोटेक कोयम्बटूर	विग्नेशवरन टी	सेंस लुटो – उन्नत मृदा निगरानी और फसल प्रबंधन प्रणाली	आईओटी	कृषि
7	मेलोन एआई प्रा. लि.	डॉ. मसूद इकरम	कापेमो: आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस कैमरा	एआई	खुदरा
8	इक्यूजोन मेडीटेक प्रा. लि.	राजनंदिनी बी	रिमोट मॉनिटरिंग के साथ नेगेटिव प्रेशर वाउंड थेरेपी	आईओटी	हेल्थकेयर
9	हाइड्रोड्राइव प्रा. लि.	तरुण के कारानम	घर पर जैविक सब्जियों की खेती के लिए ऑटोमेटेड और सेल्फ सस्टेनेबल एरोपोनिक टॉवर	आईओटी	हाइड्रोफोनिक्स

10. अन्य गतिविधियां

कोविड-19 के दौरान शैक्षिक प्रगति: भारत सरकार और आंध्र प्रदेश सरकार की सलाह के अनुसार, बीटेक छात्रों के लिए परिसर को बंद किया गया। स्प्रिंग 2020 की कक्षाएं नियमित कार्यक्रम के अनुसार जनवरी 2021 से ऑनलाइन मोड के माध्यम से फिर से शुरू की गईं। संकाय सदस्यों से अनुरोध किया गया था कि वे एक सप्ताह पहले अपनी कक्षाओं से संबंधित शिक्षण स्लाइड प्रदान करें और जिसे एक कॉमन ड्राइव के माध्यम से छात्रों के साथ साझा किया गया। इसके अलावा, सभी कक्षाओं का वीडियो रिकॉर्ड किया गया और रिकॉर्डिंग को छात्रों के लिए ऑफलाइन देखने हेतु उपलब्ध कराया गया। कक्षाओं में छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए हर हफ्ते ऑनलाइन सरप्राइज क्विज आयोजित किए गए जो निरंतर मूल्यांकन का हिस्सा होते हैं।

ऑनलाइन मोड के माध्यम से सतत मूल्यांकन घटकों और अंतिम अवधि की परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। छात्रों की संख्या के आधार पर, कई प्रश्न पत्र सेट किए गए जो छात्रों को ईमेल के माध्यम से भेजे जाते हैं। छात्रों द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन की गई प्रतियां निर्धारित समय के भीतर गूगल ड्राइव के माध्यम से अपलोड की गईं। प्रत्येक विषय के लिए, मौखिक परीक्षा आयोजित की गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई छात्र अनुचित व्यवहार, यदि कोई हो, के माध्यम से अंक प्राप्त करने में सफल न हुआ हो। संस्थान ने दूरस्थ परीक्षा के लिए सही वातावरण प्रदान करने और दूरस्थ परीक्षा के दौरान अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए माता-पिता से अनुरोध करके 'अभिभावक के रूप में माता-पिता' प्लिकोण अपनाया। प्रक्रियाओं में और सुधार के साथ वसंत 2021 की शैक्षणिक गतिविधियों को ऑनलाइन मोड में जारी रखा गया है।

कक्षा समिति के सदस्यों के साथ समय-समय पर बैठकें आयोजित की गईं और यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए कि शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया की प्रभावशीलता प्रभावित न हो। तीसरे और चौथे वर्ष के छात्रों के लिए पहले से मौजूद मेंटरिंग प्रोग्राम (इम्पैक्ट) के माध्यम से संकाय सदस्य छात्रों के संपर्क में हैं। छात्रों को सूचना और सहायता प्रदान करने के लिए एक 24x7 हेल्पलाइन मौजूद है। संस्थान ऑनलाइन वितरण और पाठ्यक्रमों के मूल्यांकन के लिए प्रभावी रूप से पढ़ाने के लिए संकाय सदस्यों के समर्थन को रिकॉर्ड में रखता है।

पीएचडी और एमटेक के छात्र नवंबर 2020 से कैंपस में रह रहे हैं। एमटेक की कक्षाएं कार्यक्रम के अनुसार नियमित तौर पर आयोजित की जाती हैं। पीएचडी छात्र और जेआरएफ कार्यालय के नियमित समय के अनुसार संस्थान में उपस्थित हो रहे हैं। इन छात्रों को किराए के फ्लैटों जिनमें से प्रत्येक में संलग्न बाथरूम वाले कमरे हैं, में आवास प्रदान किया जाता है। छात्रों को कोविड-19 दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने के लिए कहा गया है।

पीएचडी कार्यक्रम में उद्योग भागीदारी: उद्योग उन्मुख अनुसंधान प्राप्त करने और उद्योग सहयोग में सुधार करने के लिए, संस्थान पीएचडी कार्यक्रम में निम्नलिखित कार्य कर रहा है: (1) *पीएचडी छात्र चयन समितियों के हिस्से के रूप में उद्योग विशेषज्ञ:* उद्योग विशेषज्ञ पीएचडी छात्रों के चयन हेतु बनाये गये पैनल का हिस्सा होंगे। विशेषज्ञ उद्योग के लिए प्रासंगिक अत्याधुनिक अनुसंधान की समझ की जांच करने और छात्रों

की क्षमता का न्याय करने में सक्षम हैं, (2) डॉक्टरेट समिति (डीसी) के हिस्से के रूप में उद्योग विशेषज्ञ: डीसी के भाग के रूप में एक उद्योग विशेषज्ञ रखे जाने का प्रस्ताव है जो यह सुनिश्चित करेगा कि छात्रों द्वारा किए गए शोध कार्य उद्योग के लिए प्रासंगिक अनुसंधान की वर्तमान स्थिति के अनुरूप हैं और (3) पीएचडी छात्रों के सह-मार्गदर्शक/सह-पर्यवेक्षक के रूप में उद्योग विशेषज्ञ: पीएचडी छात्रों द्वारा किए गए शोध में उद्योग-हिस्से में उल्लेखनीय रूप से सुधार करने के लिए, उद्योग विशेषज्ञ पीएचडी छात्रों के लिए सह-मार्गदर्शक के रूप में कार्य करते हैं, इस प्रकार पीएचडी कार्यक्रम की पूरी अवधि के दौरान उद्योग विशेषज्ञों का महत्व लगातार बना रहता है। छात्रों को उद्योग की समस्याओं को हल करने योग्य बनाने के लिए उद्योग विशेषज्ञों को और अधिक स्वामित्व प्रदान करता है। इसके साथ ही यह छात्रों को उद्योग के सह-गाइडों की मेंटरशिप में इंटरशिप करने का अवसर भी प्रदान करता है।

नये संकाय सदस्यों को रखना: मई 2020 के अनुसार, संस्थान में बीटेक कार्यक्रमों में छात्रों की संख्या लगभग 850 थी। संस्थान में लगभग 19 संकाय सदस्य और 10 अतिथि संकाय सदस्य हैं। शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया को सुगम बनाने हेतु यह प्रस्तावित किया गया है कि आने वाले 2 वर्षों में संकाय-छात्र अनुपात (एफएसआर) में व्यवस्थित रूप से सुधार करने की आवश्यकता है। एफएसआर में सुधार करने के लिए ऐससिएट प्रोफेसर्स एवं सहायक प्रोफेसर्स की भर्ती की गई। इसके अनुसार, दिसम्बर, 2020 के अनुसार संकाय सदस्यों की कुल संख्या बढ़कर 26 हो गई है।

कार्यक्रम सलाहकार समूह का सृजन: एआई और एमएल में एमटेक कार्यक्रम के अतिरिक्त, संस्थान ने साइबर सुरक्षा, स्मार्ट विनिर्माण क्षेत्रों में दो एमटेक कार्यक्रम शुरू करने की योजना बनाई है। ये कार्यक्रम उभरते हुए क्षेत्रों में केंद्रित हैं और इसमें भारत एवं विदेशों के अग्रणी संस्थानों एवं उद्योग की ओर से महत्वपूर्ण इनपुट आवश्यक है। पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए गहन विचार-विमर्श हेतु कार्यक्रम सलाहकार समूह (पीएजी) बनाने का प्रस्ताव है। पीएजी विषयगत क्षेत्रों में बीटेक विशेषज्ञताओं की समीक्षा और योजना बनाने में भी मदद करेगा। इसके अनुसार, एआई और एमएल डोमेन के लिए पीएजी में सुश्री शालिनी कपूर आईबीएम फेलो, डॉ मनीष गुप्ता निदेशक गूगल रिसर्च, डॉ. बलरामन रविंद्रन आईआईटी मद्रास और डॉ. एस वेंकटेश इनोवेशन लैब्स टीसीएस चेन्नई विशेषज्ञ शामिल होंगे।

जनवरी 2020 से प्रायोजित शोध परियोजना: जनवरी, 2020 से संकाय सदस्यों द्वारा निम्नलिखित प्रायोजित परियोजनाएं प्राप्त की गईं:—

संख्या	शीर्षक	निधियन एजेंसी	पीआई	अवधि	राशि लाख (रु.) में
1	छवि पुनर्प्राप्ति के लिए गहन शिक्षण आधारित हैशिंग तकनीकों का विकास	वैश्विक नवाचार एवं तकनीकी संगठन (जीटा), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	भारतीय पीआई: डॉ. शिव राम दूबे ताईवान पीआई: डॉ. वे-ता चु	2020-2023 (3 वर्ष)	28.28
2	रात के समय की	डीआरडीओ युवा	डॉ. शिव राम दूबे	2020-2021	9.8

	छवियों के अनुरूप दिन के समय की छवियों के परिवर्तन के लिए कंप्यूटर विज्ञान एल्गोरिथम	वैज्ञानिक प्रयोगशाला आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (डीवाईएसएल-एआई)	डॉ. हिमांगशु सर्मा (सह-पीआई)	(1 वर्ष)	
3	ईएमजीनेट: सतही ईएमजी संकेतों का उपयोग करते हुए हाथ की गतिविधियों के वर्गीकरण के लिए गहन शिक्षण आधारित मॉडल का विकास	कोर रिसर्च अनुदान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	डा. अनिश चन्द तुरलापति, पीआई डॉ: शिव राम दूबे (सह-पीआई)	2020-2022 (2 वर्ष)	34.06
4	जैव-प्रेरित स्वायत्त अंडरवाटर व्हीकल्स का डिजाइन और विकास	नवल रिसर्च बोर्ड (एनआरबी)	डॉ. हरिशिकेश वेंकटरमन, पीआई	2020-2022 (27 माह)	46.88
5	मानव स्वास्थ्य कल्याण के लिए वीयरबल नोन-इनवेसिव उपकरणों का विकास	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	डॉ. प्रियंका द्विवेदी,	2020-2022 (2 वर्ष)	30.00
कुल मूल्य					148.00

ई-कंटेंट विकास पर संकाय विकास कार्यक्रम- 15-19 जून, 2020:

संस्थान ने एनआईटीटीटीआर चेन्नई के संकाय सदस्यों की सहायता से 15-19 जून 2020 के दौरान आईआईआईटी के संकाय सदस्यों को ऑनलाइन शिक्षण हेतु तैयार करने के लिए आईआईआईटी समन्वय मंच की ओर से 5 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में देश भर की 22 आईआईआईटी के 160 संकाय सदस्यों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को वर्तमान शिक्षार्थियों और उनकी सीखने की शैलियों को ध्यान में रखते हुए ज्ञान और कौशल प्रदान करना था। इस पाठ्यक्रम में लर्निंग टास्क को पूरा करने के बाद, प्रतिभागी ने ब्लूम्स टैक्सोनीमी के अनुसार शिक्षण सिद्धांतों का पता लगाने और चार चतुर्थांश दृष्टिकोण में सीखने, निर्देशात्मक प्रौद्योगिकी संसाधनों का उपयोग करके एक प्रभावी पाठ डिजाइन करने और शिक्षण वातावरण में एकीकृत करने, ऑनलाइन निःशुल्क और ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर (एफओएसएस), ओपन एजुकेशनल रिसोर्स (ओईआर) और अन्य डिजिटल उपकरण प्रभावी शिक्षण वातावरण बनाने और एक प्रौद्योगिकी सक्षम निर्देश के लिए विभिन्न रचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन रणनीतियों के डिजाइन में सक्षम थे।



FDP on E-Content Development for online Teaching



श्री राकेश रंजन, अपर सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और प्रौद्योगिकी में प्रगति का उल्लेख किया, शक्तिशाली एवं नवीन डिजिटल डिवाइस और उपकरणों की अधिकता से शैक्षिक परिणामों में सुधार की काफी संभावनाएं हैं। सम्मानित अतिथि प्रो. वीएसएस कुमार, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, एनआईटीटीटीआर चेन्नई ने इस बात पर प्रकाश डाला कि शिक्षकों को यह जरूर समझना चाहिए कि डिजिटल सामग्री और उपकरणों के उपयोग से शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया में सुधार होगा एवं इस प्रकार शैक्षिक अवसरों में वृद्धि होगी और मिलेनियल को लाभ होगा।

25 सितम्बर, 2020 को एआई एवं एमएल में एम.टेक कार्यक्रम का शुभारम्भ: संस्थान ने उद्योग के प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए एआई और एमएल में एमटेक कार्यक्रम का सफलतापूर्वक शुभारम्भ किया। कार्यक्रम के अंतर्गत एआई और एमएल के क्षेत्र में अग्रणी विशेषज्ञों की सलाह लेते हुए औद्योगिक परियोजनाओं पर जोर दिया गया है। एआई और एमएल के मुख्य पाठ्यक्रम में 64-क्रेडिट सहित कंप्यूटर विज्ञान, रेफोर्समेंट लर्निंग, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, रोबोटिक स्वचालन आदि कुछ अनुप्रयोग क्षेत्र हैं। एआई एंड एमएल में एम.टेक का उद्देश्य उद्योग की तत्काल जरूरतों को पूरा करना एवं समाज के लिए उच्च श्रेणी के एआईएमएल वैज्ञानिकों एवं इंजीनियरों का सृजन करना है। एमटेक-एआईएमएल कार्यक्रम का उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में कठोर प्रशिक्षण प्रदान करके स्नातक तैयार करना है। एआई एमएल में एमटेक छात्रों को इस तरह काबिल बनाता है कि वे देश की एआई के क्षेत्र में योगदान देने के लिए एआईएमएल विशेषज्ञ बन सकें।

माननीय शिक्षा मंत्री, भारत सरकार द्वारा टीबीआई का उद्घाटन- दिनांक 8 अक्टूबर, 2020: संस्थान ने क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सेक्शन 8 कंपनी के रूप में प्रौद्योगिकी व्यापार इनक्यूबेटर-ज्ञान सर्कल वेंचर्स (आईआईआईटीटीएस में उद्यमिता के लिए नवाचार एवं विकास केन्द्र-कानूनी इकाई) की स्थापना की है। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान श्री सिटी को एमईआईटीवाई स्टार्टअप हब (एमएसएच) कार्यक्रम की टाइड 2.0 योजना के तहत 5 वर्ष के लिए 3.2 करोड़ रु. की प्रारंभिक निधि के साथ समूह 2 केंद्र (जी2सी) के रूप में चुना गया है। जीसीवी बड़ी संख्या में इच्छुक उद्यमियों और छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाले स्टार्टअप बनाने में सक्षम बनाएगा। माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ रमेश पोखरियाल निशंक ने 5 अक्टूबर 2020 को केंद्र का उद्घाटन किया। श्री. अजय प्रकाश साहनी, सचिव, एमईआईटीवाई एवं श्री. अमित खरे, सचिव, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार कार्यक्रम में उपस्थित रहे। केंद्र की योजना स्मार्ट विनिर्माण, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, कृषि,

Indian Institute of Information Technology Sri City, Chittoor
भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान श्री सिटी, चित्तूर
(An Institute of National Importance under an Act of Parliament)

Inauguration of
M.Tech in AI & ML
12.30 PM, 25th September 2020
By

Shalini Kapoor
IBM Fellow & CTO for AI Applications
IBM, Bengaluru

Indian Institute of Information Technology Sri City, Chittoor
भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान श्री सिटी, चित्तूर
(An Institute of National Importance under Act of Parliament)
(समद के अधिनियम के तहत राष्ट्रीय महत्व का संस्थान)

Inauguration of
Gyan Circle Ventures (CIEDI)
MeitY-Funded Technology Business Incubator
ज्ञान सर्किल वेंचर्स (सीआईआईटीआईवाई)
एमईआईटीवाई-विनियमित टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेटर का उद्घाटन

Ministry of Education
Government of India

GYAN CIRCLE
VENTURES

Ministry of Electronics & Information Technology
Government of India

8 October 2020, 3:00 PM
8 अक्टूबर, 2020, सायं 3:00 बजे

Chief Guest
मुख्य अतिथि

Shri Ramesh Pokhriyal 'Nishank'
Education Minister, Government of India
श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक'
शिक्षा मंत्री, भारत सरकार

वित्तीय डिजिटल भुगतान आदि क्षेत्रों में स्टार्टअप को बढ़ावा देने की है। श्री एम. बालसुब्रमण्यम अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स और श्री एम. श्रीनिवास राजू, सदस्य बीओजी एवं उद्योग भागीदार उद्घाटन में उपस्थित रहें।

फिक्की- उद्यमियों के साथ पैनल विचार-विमर्श:- संस्थान ने 10 अक्टूबर 2020 को फिक्की के नेतृत्व में आईआईआईटी समन्वय मंच की ओर से उद्योग के साथ एक गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया। इस सत्र में सभी आईआईआईटी के निदेशकों और वरिष्ठ शिक्षकों ने भाग लिया। चर्चा में निम्नलिखित क्षेत्रों को शामिल किया गया-

- प्रौद्योगिकी कंपनियों पर कोविड का प्रभाव, नौकरी की नई आवश्यकताएं
- कौशल और क्षमता की अपेक्षाएं (क्लाउड, साइबर सुरक्षा, विश्लेषिकी)
- हम स्थायी जुड़ाव कैसे बनाते हैं, कुछ सर्वोत्तम प्रथाएं क्या हैं?
- अनुसंधान और नवाचार पारिस्थितिकी प्रणालियों के माध्यम से उद्योग प्रासंगिक अनुसंधान
- शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण



वक्ताओं में डॉ गौतम श्रॉफ, सीनियर वीपी और हेड, टीसीएस रिसर्च; श्री राजीव अरोड़ा, क्षेत्रीय सीआईओ, सीमेंस; श्री नील भाटिया, निदेशक एपीएसी क्षेत्र, इंटेल; श्री हेमल शाह, सीनियर वीपी और क्षेत्रीय सीआईओ-एशिया पीएसी, डेल; श्री अमित मेहता, प्रमुख-शिक्षा और प्रशिक्षण, एडब्ल्यूएस; श्री मयंक कुमार, सह-संस्थापक एवं एमडी, अपग्रेड; श्री अजय बोहोरा, सह संस्थापक, एचडीएफसी-क्रेडिला फाइनेंशियल इत्यादि शामिल थे। सत्र का संचालन सुश्री शोभा मिश्रा घोष, सहायक महासचिव, फिक्की ने किया।

एआईसीटीई अटल प्रायोजित एफडीपी 2 नवंबर से 6 नवंबर, 2020:- 2 नवंबर से 6 नवंबर, 2020 तक "डीप लर्निंग का उपयोग करके प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण" पर एक कार्यक्रम। प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (एनएलपी) आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और भाषाविज्ञान का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसमें लिखित पाठ का इंटेलिजेंट एनालिसिस शामिल है। इस एफडीपी के प्रतिभागियों ने सिक्वेस टू सीक्वेस मॉडल, आवर्तक तंत्रिका नेटवर्क, लॉन्ग-शॉर्ट-टर्म-मेमोरी मॉडल और वर्ड टू वेक्टर (word2vec) प्रतिनिधित्व आदि जैसे सिद्धांत सीखे। उन्होंने आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी तिरुपति, आईआईटी गुवाहाटी एवं विप्रो एआई लैब्स के विशेषज्ञों से व्यावहारिक कार्यान्वयन तकनीकों को भी सीखा। प्रो. पी. विश्वनाथ द्वारा समन्वित एफडीपी में विभिन्न संस्थानों के 44 संकाय सदस्यों और शोधार्थियों ने भाग लिया।

छात्र इंडक्शन कार्यक्रम 2020: वर्ष 2020-21 में कुल 315 बीटेक छात्रों को प्रवेश दिया गया था। संस्थान

ने 02-05 दिसंबर 2020 के दौरान वर्चुअल इंडक्शन प्रोग्राम की मेजबानी की। श्री जोश फॉल्गर, कंट्री हेड और एमडी, फॉक्सकॉन इंटरनेशनल होल्डिंग ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। श्री. एम. बालसुब्रमण्यम, अध्यक्ष बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने एक विशेष भाषण दिया एवं प्रौद्योगिकी ट्रेंड्स में बदलाव पर प्रकाश डाला। श्री श्रीनिवासराजू ने उद्योग पार्टनर का प्रतिनिधित्व करते हुए छात्रों को प्रेरित करने के साथ ही छात्रों को करियर और जीवन लक्ष्य निर्धारित करने और कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता के साथ उनको हासिल करने की सलाह दी।

संस्थान के संकायों की एक टीम ने अकादमिक, सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों के साथ-साथ विद्यार्थियों द्वारा चुने हुए डोमेन के संभावित दायरे के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा, योग, स्वास्थ्य भोजन, नवाचार और उद्यमिता, लिंग संवेदनशीलता, व्यक्तिगत सुरक्षा, पूर्व छात्रों के अनुभव, एंटी-रैगिंग आदि पर सत्र में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और परिसर का आभासी रूप से दौरा किया।

यूकेआईआईआरआई गतिशीलता कार्यक्रम: भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान श्री सिटी और एडिनबर्ग नेपियर यूनिवर्सिटी यूके को वर्चुअल मोबिलिटी प्रोग्राम 2021 के लिए यूकेआईआईआरआई (यूके-इंडियन एजुकेशन रिसर्च इनिशिएटिव) और ब्रिटिश काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है। यह निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले भौतिक गतिशीलता कार्यक्रम के लिए विश्वविद्यालयों के लिए जीबीपी 43000 अनुदान का हिस्सा है। इसका प्राथमिक उद्देश्य तकनीकी शिक्षण में सहयोग करना और यूके एवं भारत के संकायों में तालमेल स्थापित करना है। हमारे आभासी गतिशीलता कार्यक्रम का द्वितीय उद्देश्य दोनों संस्थानों के लिए चुने गए क्षेत्रों में दोनों संस्थानों के संकाय के बीच अनुसंधान समूह की बैठकों की योजना बनाना है। इसका अंतिम उद्देश्य यूके और भारत के छात्रों की सांस्कृतिक समझ को बढ़ाना है। इस वर्चुअल मोबिलिटी कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, तीसरे अथवा चौथे वर्ष के स्नातक, सीएसई छात्र परियोजना समूह बनाने के लिए एक साथ सहयोग कर रहे हैं और जनवरी 2021 से अप्रैल 2021 तक पूरे सेमेस्टर में काम करने की योजना बना रहे हैं। स्विगी, फ्लुटुरा एंव ईएंडवाई आदि कंपनी उद्योग भागीदारों के रूप में कार्यक्रम में भाग लेकर खुश हैं, ताकि वे छात्र समूहों को समस्या विवरण प्रदान कर सकें और क्लाइंट के रूप में कार्य कर सकें। छात्र समूह निम्नलिखित क्षेत्रों में काम करेंगे: एआई/एमएल कंप्यूटर विज्ञान, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, और साइबर सुरक्षा, एवं 5जी कम्युनिकेशन।

यूकेआईआईआरआई आभासी गतिशीलता कार्यक्रम का उद्घाटन, 8 फरवरी, 2021: भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान श्री सिटी और एडिनबर्ग नेपियर यूनिवर्सिटी यूके को वर्चुअल मोबिलिटी प्रोग्राम 2021 के लिए यूकेआईआईआरआई (यूके-इंडियन एजुकेशन रिसर्च इनिशिएटिव) और ब्रिटिश काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है। यह निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले भौतिक गतिशीलता कार्यक्रम के लिए विश्वविद्यालयों के लिए जीबीपी 43000 अनुदान का हिस्सा है। कोविड-19 के कारण कार्यक्रम को वर्चुअल मोबिलिटी कार्यक्रम के रूप में संशोधित किया गया।



जिसमें तीसरे अथवा चौथे वर्ष के स्नातक सीएसइ/ईसीई छात्र परियोजना समूह बनाने के लिए एक साथ सहयोग कर रहे हैं और जनवरी 2021 से अप्रैल 2021 तक पूरे सेमेस्टर में काम करने की योजना बना रहे हैं। स्विगी, फ्लुटुरा एंव ईएंडवाई आदि कंपनी उद्योग भागीदारों के रूप में कार्यक्रम में भाग लेकर खुश हैं, ताकि वे छात्र समूहों को समस्या विवरण प्रदान कर सकें और क्लाइंट के रूप में कार्य कर सकें। छात्र समूह निम्नलिखित क्षेत्रों में काम करेंगे: एआई/एमएल कंप्यूटर विज्ञान, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, और साइबर सुरक्षा, एवं 5जी कम्युनिकेशन। डॉ. गार्गी बी दासगुप्ता, निदेशक, आईबीएम रिसर्च इंडिया और सीटीओ, आईबीएम इंडिया एवं दक्षिण एशिया द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। श्री एम. बालसुब्रमण्यम अध्यक्ष बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

वैश्विक प्रतिस्पर्धा में विद्यार्थी द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धि: गूगल समर ऑफ कोड, गूगल द्वारा चलाया जा वाला एक वैश्विक कार्यक्रम है, जो अधिक से अधिक छात्र डेवलपर्स को ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर विकास में लाने पर केंद्रित है। इसमें छात्र विश्वविद्यालय से छुट्टी के दौरान 12 सप्ताह के प्रोग्रामिंग प्रोजेक्ट पर एक ओपन सोर्स संगठन के साथ काम करके स्टार्डपंड प्राप्त करते हैं। निम्नलिखित छात्रों ने प्रतियोगिताएं जीती:

- 1) शुभम भगत
- 2) सयाम कुमार
- 3) राहुल सिंह
- 4) अमन गुप्ता
- 5) अजीत जाधवी
- 6) हर्षिता चौधरी

स्कूली विद्यार्थियों के लिए भविष्य उज्ज्वल नवाचार अभिविन्यास: एफबीआई कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार का पूर्वावलोकन प्रदान करना और छात्रों के बीच रचनात्मकता और नवाचारों को प्रोत्साहित करना है। यह विभिन्न स्कूलों के छात्रों को आईआईआईटी श्री सिटी के अत्याधुनिक परिसर में मौज-मस्ती के दिनों में एक साथ रहने का अवसर भी प्रदान करता है। 2019 में, आईआईआईटी श्री सिटी ने 3 दिवसीय शिविर का आयोजन किया जिसमें चेन्नई, बेंगलोर और नेल्लोर के विभिन्न स्कूलों के लगभग 40 छात्रों ने भाग लिया। 2019 में बच्चों की रुचि को देखते हुए संस्थान ने स्कूली बच्चों और स्कूलों के साथ जुड़ना जारी रखने का फैसला किया। 2020 में, कोरोना महामारी के कारण, संस्थान ने फ्यूचर ब्राइट इनोवेटर प्रोग्राम सीरीज के एक भाग के रूप में "सीएसइ और ईसीई में प्रौद्योगिकी रुझान – करियर और उच्च अध्ययन अवसर" शीर्षक नाम से वेबिनार कार्यक्रम (ग्रीष्मकालीन शिविर के स्थान पर) आयोजित किया। वेबिनार शनिवार, 30 मई 2020 को आयोजित किया गया, कार्यक्रम में लगभग 100 छात्रों ने भाग लिया। निदेशक के साथ-साथ संस्थान के पांच संकाय सदस्यों (डॉ. बालाजी रमन, डॉ. शिव राम दुबे, डॉ. एच.वी. रमन, और डॉ. प्रियंका द्विवेदी) ने कार्यक्रम में भाग लिया और अपनी बात रखी। प्रतिभागियों ने इस संगोष्ठी के आयोजन में संस्थान द्वारा लिए गए समय और संकाय सदस्यों के बीच हुई वार्ता की सराहना की। आईआईआईटी श्री सिटी के संकाय ने भविष्य के ऐसे छात्रों की एक झलक देखी, जिन्होंने सीखने के लिए बहुत उत्सुकता दिखाई, जिन्होंने अपने कार्यों में जबरदस्त ऊर्जा का प्रदर्शन किया, जिन्होंने प्रतिस्पर्धा की भावना का प्रदर्शन किया। भविष्य के इन उज्ज्वल नवप्रवर्तकों

को पढ़ाना और प्रशिक्षित करना वास्तव में गौरव की बात है।

आंध्र प्रदेश पुलिस के साथ समझौता ज्ञापन: संस्थान ने “स्वायत्त सुरक्षा और स्मार्ट यातायात प्रबंधन” में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए आंध्र पुलिस के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जो पुलिस विभाग की सहायता हेतु तकनीकी प्रगति के लिए एक ज्ञान केंद्र के रूप में कार्य करेगा। स्थापना व्यय, समझौता ज्ञापन के समग्र दायरे के भीतर दोनों पक्षों द्वारा संयुक्त रूप से एमओए के माध्यम से तय किया जाएगा। आंध्र पुलिस की सहायता करने के लिए एएल/एमएल, यूएवी और रोबोटिक्स, वायरलेस संचार आदि का उपयोग करके समाधान करने के लिए अनुसंधान



करने की परिकल्पना की गई है। सीओई आंध्र प्रदेश राज्य के पुलिस कर्मियों के प्रशिक्षण और विकास पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। समझौता ज्ञापन पर श्री एम. बालासुब्रमण्यम, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की उपस्थिति में प्रो जी. कन्नाबिरन और श्री डी. गौतम सवांग, आईपीएस डीजीपी, आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा हस्ताक्षर किए गए।

उद्योग अनुप्रयोगों पर एआई एवं एमएल की व्याख्यान श्रृंखला: संस्थान ने उद्योग में प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के अंतर को पाटने के लिए एआई और एमएल में एमटेक कार्यक्रम की शुरुआत की है। इसके अलावा, संस्थान एआई और एमएल में बीटेक विशेषज्ञता प्रदान करता है। उद्योग अनुप्रयोगों पर छात्रों के लिए 30 जनवरी 2021 से 7 मार्च 2021 तक एक व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया अग्रणी संस्थानों जैसे आईबीएम, टीसीए, फ्लुटरा, इंटेल, माइक्रोसॉफ्ट, जियो, एआई, स्विगी, स्प्रींकलर, इरिक्सन आदि से कुल 12 विशेषज्ञों ने एआई के व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर ध्यान केंद्रित करते हुए वार्ता की। दोष का पता लगाने एवं वास्तविक दुनिया प्रणालियों में स्थानीयकरण के लिए समय श्रृंखला विश्लेषण, बिजली बाजारों में व्यापार के लिए रेफोर्समेंट लर्निंग, उद्योग में एआई इन्फ्यूजन पैटर्न, विनिर्माण अनुप्रयोग में केस स्टडी, मैनेजिंग बिल्डिंग और ऊर्जा अनुकूलन, एआई इन रिटेल, वाटसन का प्रयोग करते हुए इंडस्ट्री में एआई एवं अन्य कई विषय शामिल थे।

ओबीई कार्यान्वयन का शुभारम्भ: संस्थान ने व्यवस्थित दृष्टिकोण के माध्यम से शैक्षणिक परिवर्तन के लिए, शैक्षणिक वर्ष 2021–22 से परिणाम-आधारित शिक्षा (ओबीई) को लागू करने का निर्णय लिया है। हमारी सभी गतिविधियों में छात्र-केंद्रितता सुनिश्चित करके शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया की प्रभावशीलता प्राप्त करने का प्रस्ताव है। इसलिए, पाठ्यक्रम एवं इसका वितरण अंततः छात्रों को सही नौकरी प्राप्त करने अथवा उच्च अध्ययन के लिए सक्षम होने में मदद करेगा। ओबीई कार्यान्वयन आईआईटी मद्रास और एनआईटी त्रिची द्वारा दो ओरिएंटेशन सत्रों के साथ शुरू किया गया। प्रो. प्रमोद मेहता (आईआईटीएम) ने अपने सत्रों में ओबीई की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया, जबकि, प्रो. एन. कुमारसन और उनकी टीम (एनआईटीटी) ने ओबीई कार्यान्वयन के लिए पद्धतिगत दृष्टिकोण की व्याख्या की। श्री एम. बालसुब्रमण्यम, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने ओबीई कार्यान्वयन से संबंधित गतिविधियों का उद्घाटन किया। इसके अतिरिक्त, बाहरी

संसाधन व्यक्तियों द्वारा ओबीई कार्यान्वयन की तैयारी की दिशा में सत्रों के अलावा, आंतरिक चर्चा की गई।

डीप लर्निंग एवं अनुप्रयोग पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, 22–26 फरवरी, 2021: संस्थान द्वारा 22–26 फरवरी 2021 के दौरान ऑनलाइन माध्यम से गहन शिक्षण और अनुप्रयोगों में प्रगति पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री एम. बालासुब्रमण्यम अध्यक्ष बीओजी ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। कार्यशाला में प्रमुख संस्थानों के 11 संकायों, 41 शोध विद्वानों और 12 स्नातकोत्तर छात्रों सहित 64 प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यशाला में प्रमुख संसाधन व्यक्तियों जैसे कि प्रो. वेई-ता चू, राष्ट्रीय चेंग कुंग विश्वविद्यालय, ताइवान, प्रो आर वेंकटेश बाबू, आईआईएससी बेंगलोर; प्रो सुमंत्र दत्ता रॉय, आईआईटी दिल्ली; प्रो राम बिलास पचोरी, आईआईटी इंदौर; डॉ विनीत एन बालासुब्रमण्यम, आईआईटी हैदराबाद; श्री अनूप कट्टी, एमएल वैज्ञानिक, अमेर्जन बर्लिन, जर्मनी और श्री स्मित मारवानिया सलाहकार अनुसंधान अभियंता, आईबीएम रिसर्च बेंगलोर सहित इस क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले 17 वक्ता उपस्थित थे। कार्यशाला के दौरान व्यावहारिक सत्रों के साथ-साथ फंडामेंटल ऑफ मशीन लर्निंग, प्री-डीपलर्निंग एसनियल्स, इंट्रोडक्शन टू न्यूरल नेटवर्क एंड मल्टीलेयर परसेप्शन, कन्वोल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क, जनरेटिव एडवर्सियल नेटवर्क, रिकरंट न्यूरल नेटवर्क, डीप लर्निंग विद लिमिटेड डाटा, एडवर्सियल रोबुस्टनेस, डिफरेंट एप्लीकेशन ऑफ डीप लर्निंग जैसे व्यापक विषयों पर चर्चा की गई। कार्यशाला के समन्वय के लिए डॉ. शिव राम दुबे और डॉ. राकेश कुमार सनोदिया के प्रयास प्रशंसा के पात्र हैं।

ग्रामीण स्कूली विद्यार्थियों के लिए कम्प्यूटर प्रशिक्षण का शुभारम्भ: संस्थान ने 2018 में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के एक प्रमुख कार्यक्रम उन्नत भारत अभियान के तहत पांच गांवों को गोद लिया है, ताकि उच्च शिक्षण संस्थानों को ग्रामीण भारत के लोगों के साथ काम करने का अवसर मिले जिससे विकास की चुनौतियों की पहचान की जा सके एवं सतत विकास में तेजी लाने के लिए उपयुक्त समाधान विकसित किया जा सके। स्कूली बच्चों के लिए अतिरिक्त सीखने के अवसरों का सृजन करने का प्रस्ताव किया गया था। यह महसूस किया गया कि कुछ संबंधित गतिविधियों के माध्यम से स्कूली बच्चों के साथ निरंतर जुड़ाव उनके विकास में मदद कर सकता है। संस्थान ने 72वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर स्कूली बच्चों के लिए कम्प्यूटर प्रशिक्षण के रूप में प्रथम गतिविधि का उद्घाटन किया। इस सत्र में विभिन्न गांवों के कुल 40 छात्रों ने भाग लिया। छात्रों को लर्निंग ऐप्स और ई-शिक्षा के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। छात्रों को प्रशिक्षण के साथ ही उपयोग हेतु पर्सनल सिस्टम दिया गया। कम्प्यूटर टूल्स जैसे माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, एक्सेल, पॉवरपॉइंट, इंटरनेट आदि पर विभिन्न व्याख्यानों की व्यवस्था की गई। छात्रों को कम्प्यूटर के भागों को समझने के लिए बुनियादी हार्डवेयर जानकारी भी प्रदान की गई। सत्र के अंत में सीखने की प्रभावशीलता को मापने के लिए एक छोटी प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। स्कूली बच्चों की सहायता के लिए अन्य विकासात्मक गतिविधियों को जोड़ने का प्रस्ताव है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह, मार्च, 2021: इस महीने के दौरान स्थानीय क्षेत्रों में सुरक्षित ड्राइविंग और यातायात नियमों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। आईआईआईटीएस के कर्मचारियों को बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने एक डॉक्टरों की टीम द्वारा आयोजित बेसिक लाइफ सपोर्ट कैंप में भाग लिया और कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) सीखा। स्कूल के छात्रों के लिए "सड़क सुरक्षा जागरूकता" विषय पर एक पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

किया गया। प्रतियोगिता में 100 से अधिक स्कूली छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया एवं अपने चित्रों के माध्यम से सड़क सुरक्षा का संदेश दिया। श्री सिटी हाईटेक पुलिस एवं सुरक्षा के सहयोग से सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जिन लोगों ने हेलमेट नहीं पहना था, सीट बेल्ट नहीं लगाई थी या वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात कर रहे थे, उन्हें रोककर उनकी लापरवाही के कारण होने वाले खतरे के बारे में जानकारी दी गई।



अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह— 7 एवं 8 मार्च, 2021: आईआईआईटी श्री सिटी ने 7 और 8 मार्च 2021 के दौरान दो दिनों तक ऑनलाइन कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित करके अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। इस वर्ष महिला दिवस की थीम *“महिला: उभरते भारत के लिए नई आशा”* थी। जैसा कि हमें ज्ञात है कि भारत में महिलाओं के कार्यबल में सभी स्तरों में क्रमिक वृद्धि देखी गई है, तो यह उल्लेखनीय है कि महिलाएं उभरते भारत के लिए एक नई आशा हैं। यह कार्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किया गया था जिसमें विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित महिलाओं के व्याख्यान शामिल थे जिन्होंने अपने शब्दों से छात्रों को प्रेरित एवं मार्गदर्शन दिया। श्री एम. बालासुब्रमण्यम अध्यक्ष बीओजी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रमों के अतिथियों में शालिनी कपूर, आईबीएम एआई अध्येता, निदेशक एवं सीटीओ भारत, आईबीएम सदस्य बीओजी आईआईटीएस, शंकरि, वैज्ञानिक—एफ और परियोजना निदेशक, डीआरडीओ, अरुणा श्वार्ज, सह—संस्थापक और सीईओ, स्टेलाई टेक्नोलॉजीज, लेफ्टिनेंट कमांडर नियामी हिरवे, सशस्त्र बल अधिकारी, डॉ कलाप्रिया कन्नन, टेक्नोलॉजिस्ट विशेषज्ञ, हेवलेट पैकर्ड एंटरप्राइज, चांदनी चंद्रन, आईएस, एसडीएम, कंचनपुर, उत्तरी त्रिपुरा, डॉ जी स्वर्णमाल्या, शास्त्रीय नर्तक और अभिनेता एव क्रिया विश्वविद्यालय के संकाय शामिल थे। ऑनलाइन खेलों और गतिविधियों ने इस अवसर को चिह्नित किया।

स्टार्टअप के लिए अनुदान जारी करना: संस्थान ने क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सेक्शन 8 कंपनी के रूप में प्रौद्योगिकी व्यापार इनक्यूबेटर—ज्ञान सर्कल वेंचर्स (आईआईआईटीएस में उद्यमिता के लिए नवाचार एवं विकास केन्द्र –कानूनी इकाई) की स्थापना की है। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान श्री सिटी को एमईआईटीवाई स्टार्टअप हब (एमएसएच) कार्यक्रम की टाइड 2.0 योजना के तहत 5 वर्ष के लिए 3.2 करोड़ रु. की प्रारंभिक निधि के साथ समूह 2 केंद्र (जी2सी) के रूप में चुना गया है। यह

निधि संभावित स्टार्टअप्स (क) एन्टरप्रयोनर इन रेजीडेंस (स्कोप: आइडिया टू प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट), (ख) स्टार्टअप अनुदान (स्कोप: प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट टू मिनिमम वायबल प्रोडक्ट) को क्रमशः 4 लाख रू. और 7 लाख रू.के वित्तपोषण के साथ समर्थन करने के लिए है।

जीसीवी को वर्ष 2020–21 में मैटी से पहली किस्त के रूप में 24.80 लाख रुपये प्राप्त हुए। कोहोर्ट-1 में, 8 स्टार्टअप और 1 ईआईआर का चयन किया गया और उन्हें मार्च 2021 में अनुदान की पहली किस्त प्रदान की गई। आवेदन क्षेत्रों में हेल्थकेयर, कृषि, पर्यावरण, खुदरा, जलीय कृषि, ऊर्जा आदि शामिल हैं। इन ग्रांटियों को माइलस्टोन प्राप्त करने के बाद ही किश्तें प्रदान की जानी हैं। अनुदान के पहले सेट के रूप में, श्री एम बालासुब्रमण्यम, अध्यक्ष एवं श्री रवि सन्नारेड्डी, उद्योग भागीदार ने इस अवसर पर भाग लिया और स्टार्टअप को अनुदान पुरस्कार प्रदान किए। स्टार्टअप्स को समर्थन देने के अलावा, क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए गतिविधियों को शुरू करने का प्रस्ताव है। एमवीपी एवं बाजार के लिए तैयार स्टार्टअप्स को सीड फंड सहायता प्रदान करने के लिए बड़े कॉर्पोरेट्स से सीएसआर फंड जुटाने का भी प्रस्ताव है।



दिनांक 6 मार्च, 2021 को एमएसएमई-विकास संस्थान, चैन्नई में स्टार्टअप को अनुदान दस्तावेज सौंपना

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी), श्री सिटी ने संस्थान के प्रौद्योगिकी बिजनेस इनक्यूबेटर (टीबीआई) ज्ञान सर्कल वेंचर्स के तहत अपने विचारों को आगे बढ़ाने हेतु अनुदान के लिए गतिविधि के विभिन्न क्षेत्रों में नौ स्टार्ट-अप का चयन किया है।

लाभार्थियों के लिए केंद्रीकृत निगरानी और अंतःस्राव द्रव के स्वतः रोक के लिए एक अंतःस्राव ड्रिप प्रणाली विकसित करने हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करते हुए एक स्टार्ट-अप; ली-आयन बैटरी उपकरणों हेतु स्मार्ट ग्रीन चार्जिंग सोल्यूशन विकसित करने के लिए आईओटी का उपयोग कर

एक स्टार्ट अप; एक्वा फार्मों की फीडिंग और निगरानी के लिए उपयोग करते हुए एक एक्वाकल्चर स्टार्ट अप; मानव मुद्रा को रिटैन और मेंटेन के लिए एक इंटेलीजेंट वियरेबल डिवाइस विकसित करने हेतु मशीन लर्निंग का उपयोग कर एक हेल्थकेयर स्टार्ट-अप; हाइब्रिड



हरित प्रौद्योगिकी का उपयोग करके इनडोर वायु गुणवत्ता निगरानी और शुद्धिकरण प्रणाली विकसित करने हेतु आईओटी का उपयोग करते हुए एक पर्यावरण-आधारित स्टार्ट-अप और उन्नत मिट्टी की निगरानी और फसल प्रबंधन प्रणाली विकसित करने के लिए आईओटी का उपयोग करके एक स्टार्ट-अप हैं।

संस्थान के निदेशक जी. कन्नाबिरन ने कहा कि एक वर्ष के भीतर न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद विकसित करने की क्षमता के आधार पर दो चरणों की प्रक्रिया के माध्यम से 50 आवेदन प्राप्त हुए और उनका मूल्यांकन किया गया। चयनित स्टार्टअप समाधान विकसित करने के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों का लाभ उठा रहे थे।

प्रत्येक स्टार्ट-अप को क्षेत्र विशेषज्ञों और व्यावसायिक सलाहकारों की टीम द्वारा उत्पाद विकास सहायता, सलाह के लिए 7 लाख रू. दिए जाएंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि लाभार्थी परिसर में स्थित 200 कंपनियों के साथ भी वार्ता करेंगे।

श्री एम. बालसुब्रमण्यम, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आईआईआईटीएस ने शनिवार को अनुदान दस्तावेज सौंपे। उन्होंने कहा कि स्टार्ट-अप इकोसिस्टम में कोविड-19 के दौरान जबरदस्त वृद्धि देखी गई है।

उन्होंने कहा कि “नवाचारों की संख्या इतनी बढ़ गई है कि छह महीने के भीतर ही तीन वर्ष के नवाचारों की कुल संख्या को हासिल कर लिया गया है। मुझे विश्वास है कि चयनित स्टार्टअप आगे बढ़ेंगे और देश के यूनिकॉर्न बनेंगे। हम ज्ञान सर्किल वेंचर्स द्वारा वित्त पोषित स्टार्ट-अप को उद्यम पूंजीपतियों और एंजेल निवेशकों के माध्यम से विभिन्न फंडिंग अवसरों से जोड़ेंगे”।

वित्तीय सारांश

आय एवं व्यय विवरण (वाईओवाई)

राशि लाख रूपए में

आय	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21
शैक्षणिक प्राप्तियां	798.29	1213.42	1701.93	2233.14	2440.46
अनुदान/सब्सिडी	100.00	300.00	—	—	183.00
निवेश से आय	143.20	78.77	104.39	204.73	279.05
अर्जित ब्याज (एफडी के अतिरिक्त)	—	36.18	0.40	2.75	0.82
अन्य आय	105.18	151.59	226.98	351.67	133.81
कुल (क)	1,146.67	1779.96	2033.70	2792.29	3037.14
व्यय					
कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)	270.02	422.32	521.40	489.32	569.26
शैक्षणिक व्यय	279.14	445.06	393.09	417.74	177.20
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	297.82	540.53	395.14	355.75	229.87
परिवहन व्यय	69.40	123.90	52.99	47.10	2.07
मरम्मत एवं रख-रखाव	53.05	75.04	60.48	87.76	81.69
अवमूल्यन	79.75	100.93	270.97	270.74	268.57
पूर्व अवधि व्यय	5.56	39.63	3.68	48.34	16.02
कुल (ख)	1054.74	1747.41	1697.75	1716.75	1344.68
व्यय से अधिक आय (क-ख)	91.93	32.55	335.95	1075.54	1692.46